ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुख्यमंत्री पद पर नजर रखने वाले ने मुडा घोटाला को किया उजागर: कुमारस्वामी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 06 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-187

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विदेश दौरा 8 जुलाई से

पुतिन के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी विदेश दौरे को लेकर शुक्रवार को विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी है। विनय क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री आठ और नौ जुलाई को 22वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर मॉस्को का आधिकारिक दौरा करेंगे।

श्री क्वात्रा ने प्रधानमंत्री की यात्रा की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री 22वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर 8-9 जुलाई को मॉस्को की आधिकारिक यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री का सोमवार को दोपहर में मॉस्को पहुंचने का कार्यक्रम है। श्री मोदी के सम्मान में सोमवार 8 जुलाई को राष्ट्रपति श्री एक निजी रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। प्रधानमंत्री क्रेमलिन में अज्ञात सैनिक की कब्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित करेंगे और उसके बाद श्री मोदी मॉस्को में प्रदर्शनी स्थल का दौरा करेंगे। इन कार्यक्रमों के बाद दोनों नेताओं के बीच एक एकांत में बातचीत होगी, जिसके बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति श्री पुतिन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी।

विदेश सचिव ने कहा कि श्री मोदी नौ जुलाई को दोपहर बाद मास्को से विएना जाएंगे। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रिया के चांसलर के निमंत्रण पर श्री मोदी 9-10 जुलाई को ऑस्ट्रिया में रहेंगे। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी। भारत से आखिरी प्रधानमंत्री ऑस्ट्रिया की यात्रा पर 40 वर्षों पहले हुई थी। विएना में प्रधानमंत्री अपने औपचारिक स्वागत के अलावा, ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति से भी मुलाकात करेंगे और ऑस्ट्रिया में उच्च-स्तरीय व्यापारिक भागीदारी के साथ-साथ प्रतिबंधित प्रतिनिधिमंडल-स्तरीय वार्ता भी करेंगे।

रूस की यात्रा के दौरान शिखर बैठक में उठने वाले मुद्दों को लेकर श्री क्वात्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री विभिन्न द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इसी बारे में एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि अनुमानत: रूस में ऐसे भारतीय युवाओं की संख्या 30 से 40 तक हो सकती है। हमारा प्रबल आग्रह है कि गलत तरीके से गये युवाओं की शीघ्र भारत वापसी हो। उन्होंने कहा कि 22वीं भारत रूस शिखर बैठक दिसंबर 2021 के बाद अब हो रही है। इसलिए इस बैठक में रक्षा सहयोग, परमाणु सहयोग, ऊर्जा सहयोग, व्यापारिक सहयोग आदि सभी आयामों पर रचनात्मक एवं सकारात्मक चर्चा होगी।

श्री मोदी और श्री पुतिन की मुलाकात के दौरान यूक्रेन, चीन पर चर्चा होगी या नहीं, इस पर विदेश सचिव ने कहा कि दोनों देशों के लिए क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दे हमेशा दोनों नेताओं द्वारा उठाए जाते हैं। लेकिन होने वाली चर्चा में आने वाले सभी मुद्दों के बारे में अनुमान लगाना सही नहीं होगा। क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दे दोनों के बीच होने वाली बातचीत का एक महत्वपूर्ण तत्व होंगे।

तेलंगाना में दलबदल से बीआरएस का हो रहा सूपड़ा साफ

छह बीआरएस एमएलसी कांग्रेस में हुए शामिल

हैदराबाद, 05 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में के चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को एक बड़ा झटका लगा है। गुरुवार आधी रात उसके छह विधान परिषद (एमएलसी) सदस्य कांग्रेस में शामिल हो गए। जुबली हिल्स पर हुए इस घटनाक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और एआईसीसी प्रभारी दीपा दास मुंशी की उपस्थित रहे।

इन एमएलसी में दांडे विट्ठल, भानु प्रसाद, बुग्गरापु दयानंद, एम एस प्रभाकर राव, एग्गे मल्लेशम और बसवाराजू सरैया शामिल हैं। रेवंत रेड्डी ने पार्टी का स्कार्फ भेंट कर पार्टी में उनका स्वागत किया। इस कार्यक्रम में राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पूर्व मंत्री सुदर्शन रेड्डी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेंद्र रेड्डी और अन्य भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नई दिल्ली से हैदराबाद पहुंचने के तुरंत बाद यह कार्यक्रम हुआ। छह बीआरएस एमएलसी के शामिल होने से विधान परिषद में कांग्रेस की ताकत 14 हो गई है। विधान परिषद में सदस्यों की कुल संख्या 40 है, जिसमें दो सीटें खाली हैं। कांग्रेस जिसमें पहले छह सदस्य थे, को राज्यपाल के कोटे से दो खाली सीटें भरने की उम्मीद है, जिससे उनके कुल आठ सदस्य हो जाएंगे। नए सदस्यों के साथ, कांग्रेस की ताकत अब 14 हो गई है।

तेलंगाना विधान परिषद वेबसाइट के अनुसार, बीआरएस के पास 25 सदस्य, जबकि कांग्रेस के पास चार सदस्य हैं। 40 सदस्यीय सदन में दो सीटें खाली हैं। वहीं, चार नामित एमएलसी विधायक, एआईएमआईएम के दो सदस्य, भाजपा, पीआरटीयू के एक-एक और एक निर्दलीय सदस्य हैं। सीएम रेवंत रेड्डी के दिल्ली के दो दिवसीय दौरे से वापस आने के बाद ही बीआरएस एमएलसी कांग्रेस में शामिल हुए।

बीआरएस एमएलसी के कांग्रेस में शामिल होने के बाद अब विधान परिषद मे कांग्रेस की ताकत अब बढ़कर 10 हो जाएगी। बता दें कि पिछले साल विधानसभा चुनाव में 119 सीटों में बीआरएस को केवल 39 सीटों पर जीत मिली थीं। वहीं कांग्रेस ने 64 सीटों पर जीत हासिल की थीं। हाल ही में सिकंदराबाद छावनी से बीआरएस विधायक जी लस्या नंदिता की सड़क हादसे दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद यहां उपचुनाव कराए गए थे। उपचुनाव में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। उधर बीआरएस एमएलसी के दलबदल के बाद केटी रामा राव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधा। केटीआर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, बीआरएस सांसद केशव राव ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद इस्तीफा दे दिया। उनके फैसले का स्वागत है। ▶10 पर

भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद संघ की सुप्रीम बैठक 12 से

विधानसभा चुनावों पर बनेगी रणनीति

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में भाजपा के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने में सफल रहे हैं। भाजपा और संघ परिवार के लिए यह एक बड़ी सफलता है। लेकिन इसके बाद भी भाजपा का लोकसभा चुनाव में मजबूत प्रदर्शन न कर पाना संघ के लिए बड़ी चिंता का विषय है। उत्तर प्रदेश में दलित और ओबीसी समुदाय के बीच भाजपा की पकड़ कमजोर होने से भी संघ परिवार चिंतित है, जो देश के इस सबसे बड़े सूबे को वैचारिक स्वीकार्यता की दृष्टि से अपने लिए सबसे अधिक उर्वर मान रहा था। चुनाव परिणामों ने संघ परिवार को उत्तर प्रदेश को लेकर आत्ममंथन करने और नई रणनीति बनाने के लिए विवश कर दिया है। लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की सर्वोच्च बैठक 12 जुलाई से 14 जुलाई के बीच झारखंड की राजधानी रांची में होने जा रही है। इस बैठक में आरएसएस के सर्वोच्च पदाधिकारी सरसंघचालक मोहन भागवत और दत्तात्रेय होसबोले के अलावा अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। ऐसे में इस बैठक में लोकसभा चुनाव परिणामों के साथ-साथ भाजपा से उसके उन मतभेदों पर भी चर्चा हो सकती है, जो पिछले दिनों चर्चा में रहे थे। चूंकि झारखंड सहित महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर और हरियाणा के विधानसभा चुनाव भी इसी वर्ष होने हैं। ▶10 पर

हाथरस हादसा

एसआईटी ने सीएम योगी को सौंपी जांच रिपोर्ट

लखनऊ, 05 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस भगदड़ मामले में एसआईटी ने शुक्रवार को जांच रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपी दी। इसमें 100 लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। एडीजी आगरा और अलीगढ़ कमिश्नर की अगुवाई में मामले की जांच चल रही है।

डीएम-एसपी समेत 100 लोगों के बयान दर्ज

हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले की उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए थे। इसके लिए उन्होंने समिति भी गठित की थी। एडीजी आगरा जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ और मंडलायुक्त चैत्रा वी को एसआईटी में शामिल किया गया। शासन की ओर से इन्हें 24 घंटे के अंदर जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया था। ▶10 पर

नीट परीक्षा रद्द करना तर्कसंगत नहीं, लाखों छात्रों का हित खतरे में पड़ जाएगा

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने रखा अपना पक्ष, एनटीए बोला- बड़ी गड़बड़ी नहीं हुई

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नीट-यूजी एग्जाम को रद्द करना तर्कसंगत नहीं होगा। इससे यह परीक्षा देने वाले लाखों ईमानदार छात्र गंभीर खतरे में आ जाएंगे। केंद्र ने अदालत में दाखिल हलफनामा में कहा कि परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं या गड़बड़ियों की पूरी जांच करने के लिए सीबीआई से कहा है।

नीट एग्जाम 5 जून को हुआ था। इसके बाद पेपर लीक और गड़बड़ियों के आरोप लगे। 1563 स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क देने पर भी विवाद हुआ। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इन कैंडिडेट्स की परीक्षा रद्द कर दी और फिर से एग्जाम लिया। इसके बाद देश में 9 दिन में तीन बड़ी परीक्षाएं- एनसीईटी, यूजीसी नेट और सीएसआईआर यूजीसी नेट कैंसिल की गईं। केंद्र ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर गड़बड़ी होने या गोपनीयता के बड़े पैमाने पर उल्लंघन के किसी सबूत के अभाव में, पूरी परीक्षा और पहले ही घोषित परिणामों को रद्द करना उचित नहीं होगा।

बड़ी संख्या में ऐसे भी छात्र हैं, जिन्होंने बिना गड़बड़ी किए परीक्षा दी है। उनके प्रतिस्पर्धात्मक अधिकार और हितों को खतरे में नहीं डाला जा सकता। एनटीए ने कहा, नीट यूजी 2024 परीक्षा को रद्द व्यापक जनहित के खिलाफ होगा। पेपर लीक की कथित घटनाओं का परीक्षा के ऑपरेशन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इस एग्जाम को पूरी निष्पक्षता और गोपनीयता के साथ कराया गया है। एग्जाम के दौरान बड़े स्तर पर गड़बड़ियों और अनिमियताओं के दावे पूरी तरह से गलत और भ्रामक हैं। इनका कोई आधार नहीं है। नीट पेपर लीक, परीक्षा में हुईं गड़बड़ियों और ग्रेस मार्क्स के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई सभी 26 याचिकाओं पर 8 जुलाई को सुनवाई होगी। इसमें से 22 याचिकाएं स्टूडेंट्स, टीचर्स, कोचिंग इंस्टीट्यूट और वेलफेयर एसोशिएशन की तरफ से दायर की गई हैं। वहीं 4 याचिकाएं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की तरफ से दायर हुई हैं। ▶10 पर

ब्रिटेन के 58वें प्रधानमंत्री बने कीर स्टार्मर, पीएम मोदी ने दी बधाई

ब्रिटेन के आम चुनाव में भारत की धमक, भारतीय मूल के कई नेताओं ने हासिल की जीत

लंदन, 05 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में शुक्रवार, 5 जुलाई को सत्ता बदल गई। सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी 14 साल बाद लेबर पार्टी से चुनाव हार गई। इसके कुछ घंटे बाद भारतवंशी ऋषि सुनक ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। लेबर पार्टी के 61 साल के कीर स्टार्मर देश के 58वें प्रधानमंत्री बन गए हैं। सुनक ने हार स्वीकार कर पार्टी से माफी मांगी है। उन्होंने स्टार्मर को भी फोन कर जीत की बधाई दी। आम चुनाव में लेबर पार्टी को बंपर जीत मिली है। पार्टी ने कुल 650 सीटों में से 412 जीत दर्ज की है। सरकार बनाने के लिए 326 सीटों की जरूरत होती है। उधर कंजर्वेटिव 120 सीटों पर सिमट गई। यह कंजर्वेटिव पार्टी की पिछले 200 सालों में सबसे बड़ी हार है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम चुनाव में लेबर पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को बधाई दी है। इसके साथ ही उन्होंने ऋषि सुनक के सक्रिय कार्य की भी प्रशंसा की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ब्रिटेन के आम चुनावों में शानदार जीत के लिए कीर स्टार्मर को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। मैं सभी क्षेत्रों में भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने, आपसी विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए हमारे सकारात्मक और रचनात्मक सहयोग की आशा करता हूं। पीएम मोदी ने एक अन्य पोस्ट में ऋषि सुनक के सक्रिय कार्य की तारीफ करते हुए लिखा, यूके के आपके सराहनीय ▶10 पर

शेयर मार्केट

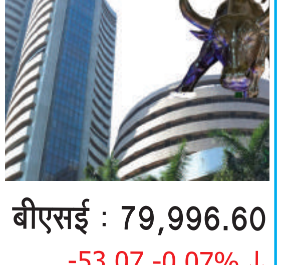

बीएसई : 79,996.60
-53.07 -0.07% ↓
एनएसई :24,323.85
21.70 (0.09%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 75,280/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 94,078/- (प्रति किलोग्राम)

भारतीय सेना को मिलीं 35 हजार एके-203 राइफल

एक मिनट में 700 राउंड फायर कर सकती है, कभी जाम भी नहीं होती

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और रूस के जॉइंट वेंचर इंडो-रूसी राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) ने भारतीय सेना को 35 हजार एके-203 असॉल्ट राइफल डिलीवर कर दी हैं। इनका प्रोडक्शन 2021 में मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के तहत शुरू किया गया है। इस राइफल की खासियत है कि यह 1 मिनट में 700 राउंड फायर कर सकती है, वजन में हल्की होती है और कभी जाम नहीं होती।

आईआरआरपीएल ने भारत में एके-203 कलाश्निकोव असॉल्ट राइफल के प्रोडक्शन के लिए प्रोजेक्ट का पहला फेज पूरा कर लिया है। इसके साथ ही भारत एके-203 सीरीज की असॉल्ट राइफल का उत्पादन करने वाला पहला देश बन गया है। कलाश्निकोव एके-203 असॉल्ट राइफल भारतीय सेना में इस्तेमाल किए जाने वाले 7.620 39 मिमी कारतूस के लिए बनाई गई एके-203 राइफल का एक वर्जन है। भारत में सेना के अलावा सुरक्षा एजेंसियों को भी एके-203 असॉल्ट राइफलों से लैस किया जाएगा। इसके अलावा आईआरआरपीएल इस राइफल को दूसरे देशों में भी एक्सपोर्ट कर सकेगा।

भारतीय सेना 1996 से इंसास राइफल इस्तेमाल कर रही है। अभी तीनों सेनाओं के पास इंसास (इंडियन स्माल आर्म्स सिस्टम) करीब 7 से 8 लाख हैं। इंसास की तुलना में यह राइफल छोटी, हल्की और ज्यादा घातक है। एके-203 का वजन 3.8 किलो है। जबकि इंसास राइफल का वजन बिना मैगजीन और बेयोनेट के भी 4.15 किलोग्राम होता है। इंसास की लंबाई 960 मिलीमीटर, जबकि एके-203 705 मिलिमीटर लंबी है। यह एके-47 सीरीज का एडवांस्ड वर्जन है। ये कभी जाम नहीं होती। भीषण सर्दी, गर्मी, बारिश का भी असर नहीं होता। वजन और लंबाई कम होने से एके-203 युद्ध के समय सैनिकों के लिए सुविधाजनक होगी। भारतीय सैनिकों को थकान कम लगेगी। लंबाई कम होने से इसकी हैंडलिंग आसान रहेगी। मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में सुरक्षाबलों को अपनी जरुरत के मुताबिक हथियार खरीदने की छूट दी। इसके तहत रूस से करीब 25 हजार एके-203 राइफल की पहली खेप आई। बाद में 2023 में कोरवा ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में इनका प्रोडक्शन शुरू हुआ। यहां कुल 7 लाख राइफल बनाई जानी हैं, जो पूरी तरह स्वदेशी होंगी। कोरवा में इस फैक्ट्री की आधारशिला साल 2019 में पीएम मोदी ने रखी थी। इसके बाद भारत-रूस ने दिसंबर 2021 में एग्रीमेंट पर साइन किए थे। इसके तहत करीब 1 लाख राइफल रूस से आनी थीं। बाकी 7.620 39 मिमी कारतूस के लिए 6 लाख एके-203 राइफल का निर्माण कोरवा में चल रहा है। पहले चरण में 70 हजार में 70 फीसदी स्वदेशी करण किया जाएगा। इसके लिए 32 महीने लगेंगे। इसी तरह 100 फीसदी यानी 6 लाख राइफल के पूरी तरह स्वदेशीकरण में 128 माह यानी दस साल लगेंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 5 जुलाई को एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि मेक इन इंडिया तहत नए मील के पत्थर पार करने के साथ ही भारत का एनुअल डिफेंस प्रोडक्शन 2023-24 में लगभग 1.27 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया है। उन्होंने यह भी बताया कि 2022-23 में डिफेंस प्रोडक्शन 1.08 लाख करोड़ रुपए था। इसके अलावा उन्होंने बताया कि 2023-24 में डिफेंस एक्सपोर्ट भी 21 हजार करोड़ के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया है। यह पिछले फाइनेंशियल ईयर की तुलना में 32.5% की बढ़ा है। 2022-23 में यह आंकड़ा 15 हजार 920 करोड़ रुपए था।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 22^0

एक शाम महाप्रज्ञ के नाम के तहत धम्म जागरण का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री उदितयशा जी के सानिध्य में आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी के 105वें जन्म दिवस के अवसर पर चामराजपेट में तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु द्वारा धम्म जागरण का आयोजन किया गया। विभिन्न गायक मंडलियों द्वारा श्रद्धा स्वरों की प्रस्तुति से श्रोतागण भाव विभोर हो गए।

साध्वी उदितयशा जी ने बड़ी ही रोचक कविता के माध्यम से सबको भक्ति रस में डूबने की प्रेरणा दी। प्रज्ञा संगीत सुधा, प्रेक्षा संगीत सुधा के गायक कलाकारों ने सबको भाव विभोर कर दिया। युवा गायक कलाकार मनीष पगारिया ने समां बांधा। गुलाब बाँठिया, देवेंद्र नाहटा की जोड़ी ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति दी। जितेंद्र घोषल ने अपनी श्रद्धा स्वरों की प्रस्तुति दी।

कंचन देवी कुंडलिया ने कविता का पाठ किया। साध्वी संगीतप्रभा जी ने आचार्य महाप्रज्ञ जी को महान गीतकार बताते हुए कार्यक्रम को संगीतमय बनाते हुए कुशल संचालन किया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष विमल धारीवाल, मंत्री राकेश चौरड़िया, अनुराग डोशी, संदीप सुखानी, प्रकाश कुंडलियां, धर्मीचंद जैन सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मंत्र जप से मिलती है अलौकिक शक्ति : साध्वी उदितयशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महान साधक जपयोगी आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदूषी शिष्या साध्वी उदितयशा जी के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद एवं महिला मंडल गांधी नगर बेंगलूरु के संयुक्त तत्वावधान में जप का आध्यात्मिक अनुष्ठान सजोड़े शांतिनगर हेरीटेज अपार्टमेंट मे कराया गया।

जिसका शुभारंभ करते हुए साध्वी उदितयशा जी ने जप के महत्व और उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। साध्वी भव्य यशाजी ने पिरामीड़ के आकार का निर्माण कराकर साधकों को सुदृढ़ कवच बनाने की विधि बताई तथा इस जप की मन्द, मधुर, उच्च आदि कई आवृत्तिया कराकर वातावरण को जपमय बना दिया। साध्वी उदितयशाजी ने शास्त्रों तथा गुरु गम्य ज्ञान के आधार पर मन्त्र विधि के कई रहस्य प्रकट किये। शांतिनगर श्रावक समाज की ओर से जितेंद्र घोषल ने साध्वी वृन्द के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली महिला मंडल गॉधीनगर अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल, मंत्री ज्योति संचेती, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष विमल धारीवाल, कार्यक्रम के संयोजक राकेश चौरड़िया एवं ममता घोषल, देवेंद्र सुराणा, अनुराग डोसी, संदीप सुखानी महिला मंडल विजयनगर अध्यक्ष मंजू गादिया समेत 91 जोड़ों सहित कुल 250 साधकों की उपस्थिति। रही।

भक्ति से सरोबर हुई नंदी गौशाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मागडी रोड तावरेकेरे स्थित नंदी गौशाला परिसर में गौसेवार्थ के लिए शुक्रवार को अमावस्या के दिन भजन–कीर्तन का आयोजन रखा गया। आयोजक बाबूलाल सीरवी ने बताया कि प्रात: गौ पूजन हुआ। उसके बाद महादेव भजन मंडली के भजन गायक राजुराम सीरवी, श्रवण माली, चुन्नीलाल भायल, ओमप्रकाश पंवार, बाबुलाल सोलंकी, हनुमान, कुकाराम आदि ने भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजनों का आगाज सुबह 10 बजे भगवान श्रीराम के मंगलाचरण से संकीर्तन की शुरुआत की। गणेश वंदना के साथ भजनों की प्रस्तुति के बाद गुरु वंदना के बाद कृष्ण भगवान के भजन एवं मीराबाई के अमृत भजनों की प्रस्तुति से सभी भक्त जन व महिलाएँ भाव विभोर होकर नाचने लगी। इस कार्यक्रम में राजस्थान गौ सेवा समिति के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री देवासी (राईका) समाज ट्रस्ट कर्नाटका बेंगलूरु की नई कार्यकारिणी का गठन मागड़ी रोड स्थित देवासी समाज भवन में किया गया। ट्रस्टियों की आयोजित आम सभा में सर्वसम्मति से चुनाव किया गया। जिसमें अध्यक्ष के रूप में मान गुमानराम नांगु, उपाध्यक्ष डूँगरराम आँडू, सचिव कानाराम गांगल, सह सचिव देवाराम पेवाला, कोषाध्यक्ष दुर्गाराम लुंका, सह कोषाध्यक्ष घासीराम सामड को चुना गया। नवगठित पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

संतुलित जीवन शैली की प्रेरणा देता है आचार्य महाप्रज्ञ का जीवन: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रेक्षा प्रणेता आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी के 105वें जन्मदिवस का भव्य कार्यक्रम युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी के सानिध्य में विजयनगर स्थित प्रेमरोशन में मनाया गया। साध्वी ने महात्मा महाप्रज्ञ के जीवन आधारित विस्मयकारी घटनाओं के माध्यम से संतुलित जीवन जीने के महनीय सूत्रों का विवेचन किया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम और आचार्य महाप्रज्ञ जी द्वारा रचित साहित्य की चर्चा की। आचार्य महाप्रज्ञ जी के जीवनकाल की महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में बताया। जैनाचार्य महात्मा महाप्रज्ञ अध्यात्म के शिखर पुरुष थे, आचार्य तुलसी के पट्टधर थे। आचार्य श्री ने तेरापंथ धर्म संघ एवं मानव मात्र के मानसिक उत्थान एवं शारीरिक विकास के लिए प्रेक्षा ध्यान, जीवन विज्ञान जैसे सोपान दिए। महाप्रज्ञ जी रोजाना एक माला के प्रत्येक मोती पर गहरे लंबे श्वास पर नमस्कार महामंत्र का ध्यान करते, आपने संतुलित आहार पर ज्यादा जोर दिया। साध्वी मल्ययशा जी, साध्वी आस्था प्रभा जी, साध्वी दीक्षा प्रभा जी ने शब्द चित्रण के माध्यम से आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा प्रदत्त अवदानों को पिकनिक के कथानक के माध्यम से प्रेक्षा ध्यान, जीवन विज्ञान, लाइब्रेरी, जैन विश्व भारती, सरदारशहर आदि की मनमोहक सैर कराई। प्रेक्षा फाउंडेशन से छत्तर सिंह मालू ने मंगलाचरण किया। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा ने अपने निवास स्थान प्रेम रोशन में सबका स्वागत अभिनंदन करते हुए, आचार्य महाप्रज्ञ जी का मंगल स्मरण किया। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिलामंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, उपाध्यक्षा सुमित्रा बरडिया ने अपने विचार व्यक्त किए। कन्या मंडल संयोजिका ध्वनि गन्ना एवं टीम ने गीतिका की सुंदर प्रस्तुती दी। तेयुप निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने साध्वी वृंद के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए पधारे हुए अभातेयुप, संघीय संस्थाओं के पदाधिकारी व संपूर्ण श्रावक श्राविकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। साध्वी दीक्षा प्रभाजी ने कुशल संचालन किया।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी के 105वें जन्म दिवस पर जाप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में प्रेक्षा प्रणेता आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी के 105वें जन्म दिवस पर तेरापंथ महिला मंडल टी.दासरहल्ली ने गुरुदेव के प्रति अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करने हेतु स्थानीय भवन में जाप का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत महाप्रज्ञ अष्टकम से हुआ।

अध्यक्ष नेहा चावत ने गुरुदेव के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित कर पधारे हुए सभी का स्वागत अभिनंदन किया।

प्रेक्षा प्रणेता आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी की स्मृति में जप किया गया।

जिसमें ओम श्री महाप्रज्ञ गुरुवे नमः का 10 माला हर एक सदस्य द्वारा फेरा गया। मंत्री नम्रता पितलिया ने संचालन व आभार ज्ञापित किया।

सभी बहनों ने जाप किया व कुछ प्रत्याख्यान भी किए। इस कार्यक्रम में परामर्शक संगृक्षिका रोशन बाई बोहरा, निवर्तमान अध्यक्ष रेखा मेहर, उपाध्यक्ष दीपिका गाँधी, संगठन मंत्री सरोज मारू, कन्या मंडल प्रभारी पूर्णिमा कठोंतिया, मण्डल संयोजिका सुनीता बोहरा, कार्यकारिणी विमला पितलिया, सुनीता भटेवरा की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में 13 बहनों ने कुल 130 माला फेरकर कर्म निर्जरा की।

रामदेव भक्त मंडल की नई कार्यकारिणी गठित

अध्यक्ष सीरवी, सचिव शर्मा बने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मागड़ी रोड अग्रहारा दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर में रामदेव भक्त मंडल अग्रहारा दासरहल्ली ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

जिसमें संरक्षक पद पर इंद्रलाल सोलंकी, राजेश पारेख, अध्यक्ष पद पर चेतन सीरवी, उपाध्यक्ष पर्वतसिंह राजपुरोहित, सचिव पंकज शर्मा, सहसचिव भानाराम गहलोत, व्यवस्थापक जयप्रकाश सीरवी, कोषाध्यक्ष दिनेश सीरवी, चेतन बागरेचा, सह कोषाध्यक्ष राकेश चौहान, संगठन मंत्री अनिल सीरवी, रामनिवास सुथार, सह संगठन मंत्री–ओम भारती, गंगासिंह चुडांवत, मीडिया प्रभारी अशोक टॉक, शिवलाल सीरवी, गोपाल खारवाल एवं सलाहकार भंवरलाल गेहलोत, देवीसिंह राजपुरोहित, रतन सिंह राजपुरोहित, शेषाराम सीरवी, सुगनचंद चौहान, घेवरराम प्रजापत, वेनाराम सीरवी को चुना गया। नवगठित पदाधिकारियों का सॉल व साफा पहनाकर सम्मान किया गया। नई कार्यकारिणी तीन वर्ष के लिए चुनी गई। इस मौके पर पूर्व कार्यकारिणी सदस्य गण उपस्थित रहे।

मेंगलूरु, उडुपी में डेंगू के मामले बढ़े

वेनलॉक अस्पताल में विशेष वार्ड किया गया स्थापित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ (डीके) और उडुपी जिलों में डेंगू के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो डीके में पिछले साल की तुलना में दोगुना है। इसके जवाब में, एहतियात के तौर पर मेंगलूरु के वेनलॉक अस्पताल में एक विशेष वार्ड आरक्षित किया गया है। जिले में रुक-रुक कर हो रही बारिश ने डेंगू फैलाने वाले मच्छरों के प्रजनन के लिए आधार तैयार कर दिया है। वेनलॉक अस्पताल में, 15 बिस्तरों वाला एक सामान्य वार्ड और आठ बिस्तरों वाला एक वेंटिलेटर वार्ड स्टैंडबाय पर है। तालुक स्तर पर भी निगरानी के प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में, डीके में डेंगू के 263 मामले हैं, जिनमें से 113 मामले मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) की सीमा के भीतर हैं।

इनमें से 30 सक्रिय मामले हैं, जिनमें से अधिकांश मरीज घर पर ही ठीक हो रहे हैं। पिछले साल इस अवधि के दौरान, डेंगू के 120 मामले थे, जिसमें अगस्त में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई थी। हालांकि, इस साल डेंगू की शुरुआत जून में बारिश के साथ ही हो गई है। डेंगू मुख्य रूप से प्रवासी मजदूरों में देखा जाता है, लेकिन अभी तक कोई विशिष्ट समूह की पहचान नहीं की गई है। यह बीमारी कुछ क्षेत्रों में छिटपुट रूप से फैलती है। स्वास्थ्य विभाग पूरे डीके में व्यापक लार्वा सर्वेक्षण कर रहा है। इस प्रयास में सहायता के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों में स्वास्थ्य सुरक्षा अधिकारियों को तैनात किया जा रहा है। आशा कार्यकर्ता, बहुउद्देश्यीय कार्यकर्ता (एमपीडब्ल्यू) और स्थानीय कॉलेज के छात्र घरों और दुकानों पर लार्वा सर्वेक्षण कर रहे हैं। 2020 और 2021 में, डेंगू के कारण हर साल एक मौत हुई। तब से, कोई मौत दर्ज नहीं की गई है। जिले के बाहर या राज्य के बाहर के व्यक्तियों की डेंगू से संबंधित मौतों की गणना उनके संबंधित जिलों या राज्यों में की जाती है। जिले में प्लेटलेट्स की कोई कमी नहीं है, वेनलॉक अस्पताल सहित निजी और सार्वजनिक दोनों अस्पतालों में पर्याप्त आपूर्ति है, जो एहतियात के तौर पर भंडार बनाए रखता है। हर शुक्रवार को जिले में लार्वा प्रजनन केंद्रों को नष्ट कर दिया जाता है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों को पानी के ड्रम, टैंक और बैरल को साप्ताहिक रूप से साफ करने का निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, पुराने टायर और अन्य सामान जो स्थिर पानी इकट्ठा कर सकते हैं, उन्हें त्याग दिया जाना चाहिए। उडुपी में, इस साल डेंगू के मामलों में चार गुना वृद्धि हुई है, अब तक 182 मामले सामने आए हैं। हालांकि डेंगू के मामलों के लिए कोई विशेष वार्ड नामित नहीं किया गया है, लेकिन प्रत्येक मामले की गंभीरता के आधार पर चिकित्सा उपचार प्रदान किया जा रहा है। पिछले साल इस अवधि में 45 मामले सामने आए थे। वर्तमान में चार लोग जिला अस्पताल में उपचार करा रहे हैं, जबकि 20 निजी अस्पतालों में उपचार करा रहे हैं। उडुपी जिले में 2099 लोगों की जांच की गई है, जिसमें 292 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। जिला अस्पताल में 125 लोगों का उपचार चल रहा है।

औद्योगिक क्षेत्र में 28 मामलों की पुष्टि

विशिष्ट मामलों की संख्या में उडुपी में 112, कुंदापुर में 43 और करकला में 27 मामले शामिल हैं। मणिपाल औद्योगिक क्षेत्र में 28 मामलों की पुष्टि हुई है और दो बार फॉगिंग की गई है। कोल्लूर और हिरेबेट्टू में भी फॉगिंग की गई है। जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में 21,000 यूनिट से अधिक रक्त स्टॉक में है। हालांकि डेंगू के लिए कोई विशिष्ट दवा नहीं है, लेकिन सभी आवश्यक सहायक दवाएं उपलब्ध हैं। बागवानी विभाग, केएसआरटीसी, स्थानीय प्रशासन और मत्स्य विभाग को एहतियाती निर्देश जारी किए गए हैं। जिला पंचायत सीईओ ने हर स्कूल में डेंगू के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक अलग टास्क फोर्स के गठन का निर्देश दिया है। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (पीएचसी) में लार्वा सर्वेक्षण कराया जा रहा है।

पावूर उलिया में अवैध रेत खनन को रोकने की अपील

जिला प्रभारी मंत्री को सौंपा ज्ञापन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

समान विचारधारा वाले संगठनों और कैथोलिक सभा मेंगलूरु प्रदेश (आर) के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें पावूर उलिया द्वीप में अवैध रेत खनन को स्थायी रूप से बंद करने का आग्रह किया गया। उन्होंने द्वीप के निवासियों की आजीविका की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया और खान एवं भूविज्ञान विभाग के उन अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आह्वान किया, जिन्होंने अवैध रेत खनन में शामिल व्यक्तियों के साथ मिलीभगत करते हुए जिला प्रशासन को कथित रूप से गलत जानकारी दी। उलाल तालुक के कोनाजे पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में स्थित पावूर उलिया में किसी भी प्रकार के रेत खनन के लिए आधिकारिक अनुमति न होने के बावजूद, प्रभावशाली रेत माफिया बड़े पैमाने पर अवैध रेत निकासी कर रहे हैं। इसने पूरे द्वीप को, जो लगभग 55 परिवारों का घर है और संवेदनशील कांडला वनस्पति से समृद्ध है, कटाव के खतरे में डाल दिया है।

वर्ष 2014 में, दक्षिण कन्नड़ के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर (डीसी) एबी इब्राहिम ने लगातार शिकायतों के जवाब में द्वीप के एक किलोमीटर के दायरे में सभी प्रकार के रेत खनन पर प्रतिबंध लगा दिया था, तथा 28 नवंबर, 2014 को इस आशय का आदेश जारी किया था। हालांकि, हाल के वर्षों में, स्थानीय पुलिस के मौन समर्थन से, कथित तौर पर इस क्षेत्र में अवैध रेत खनन फिर से शुरू हो गया है। जिन लोगों ने शिकायत दर्ज कराई है, उन्होंने बताया है कि पुलिस ने अपराधियों को उनके विवरण लीक कर दिए हैं। जमीनी हकीकत का आकलन करने के लिए, दो संगठनों के प्रमुख सदस्यों के साथ-साथ प्रमुख स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों वाले एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र का दौरा किया। बाद में उन्होंने दक्षिण कन्नड़ के डीसी से मुलाकात की तथा स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। खान एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों ने साइट का दौरा किया, कथित तौर पर अवैध रेत खनन में शामिल व्यक्तियों की नावों में यात्रा करते हुए जानकारी एकत्र की, तथा बाद में मीडिया को एक बयान जारी कर रिपोर्टों को पुराना फुटेज बताकर खारिज कर दिया तथा किसी भी मौजूदा अवैध रेत खनन या भूमि अतिक्रमण से इनकार किया। यह काफी शर्मिंदगी का विषय रहा है और इसके कारण इन अधिकारियों के निलंबन और गहन जांच के साथ-साथ उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठी है।

स्थानांतरण की अनुशंसा न करें

थाने में शिकायत दर्ज कराने आने वाले फरियादियों के साथ संयमित व्यवहार करें : आयुक्त दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कर्मियों को चेतावनी दी है कि वे स्थानांतरण के लिए किसी भी तरह की सिफारिश या दबाव न बनाएं। उन्होंने कहा पदोन्नति और स्थानांतरण दोनों पारदर्शी होंगे और काउंसलिंग के माध्यम से समान रूप से किए जाएंगे। किसी भी प्रलोभन में न आएं, स्थानांतरण सूची तैयार हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारे विभाग के अलावा अन्य विभागों में भी तबादले की प्रक्रिया चल रही है। एएसआई स्तर के अधिकारियों को पहले ही पीएसआई में पदोन्नत किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अब हेड कांस्टेबल से एएसआई और कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल में प्रमोशन की प्रक्रिया चल रही है। कमिश्नर ने शहर पुलिस की कार्यकुशलता और व्यावसायिकता की सराहना करते हुए कहा कि हाल के कुछ मामलों की जांच के कारण पुलिस की व्यावसायिकता की हर जगह सराहना हो रही है। यह एक सराहनीय बात है। शहर

के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को पहचान मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह टीम वर्क का प्रमाण है। इसी तरह उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें व्यावसायिकता, परिश्रम, समय की पाबंदी, इन सभी चीजों को बनाए रखने की जरूरत है। संपत्ति संबंधी अपराधों, विशेषकर आपराधिक मामलों के आरोपियों का पता लगाने के लिए कर्तव्य की भावना दिखायी जानी चाहिए। घर में चोरी, मोबाइल चोरी के मामले, चाहे वह पैसा हो, संपत्ति हो या जनता की संपत्ति हो, त्वरित कार्रवाई की जानी चाहिए। जो लोग चीजें खो देंगे उन्हें कष्ट होगा। उन्हें उनकी कठिनाइयों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे मामलों का पता लगाया जाए और आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए तो वे भविष्य में बड़े अपराधी बनने से बच सकते हैं। थाने में शिकायत दर्ज कराने आने वाले फरियादियों के साथ संयमित व्यवहार करें और ऊंची आवाज में बात न करें। राज्य में लागू हुए तीन नए कानूनों से सावधान रहें। इन कानूनों का ठीक से पालन किया जाना चाहिए ताकि चूक न हो। यदि कोई समस्या है तो वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर जानकारी लें, स्टेशनों के कर्मचारी इन तीनों कानूनों को सही तरीके से लागू करें। उन्होंने कहा प्रत्येक माह मासिक अभ्यास क्रियान्वित किया जाता है। सभी कार्मिकों को निरंतर अभ्यास में भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि यातायात, रात्रि गश्ती जैसी दैनिक ड्यूटी के अलावा थाने में ड्यूटी के साथ-साथ अभ्यास भी करना चाहिए। देवराज और परेड में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देता हूं जिन्होंने परेड में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री पद पर नजर रखने वाले ने मुडा घोटाला को किया उजागर: कुमारस्वामी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि मैसूरु शहरी विकास निगम (मुडा) घोटाला उस व्यक्ति द्वारा अब उजागर हुआ है, जो मुख्यमंत्री पद पर नजर रखता है। उन्होंने परोक्ष रूप से उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार का हवाला दिया।

केंद्रीय मंत्री का पद संभालने के बाद शुक्रवार को मैसूरु में चामुंडी पहाड़ी पर स्थित श्री चामुंडेश्वरी मंदिर में पहली बार दर्शन करने पहुंचे कुमारस्वामी ने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि सीडी फैक्ट्री अब बंद हो चुकी है। इस तरह, मुडा फैक्ट्री खुल गई है। घोटाले का खुलासा पहले क्यों नहीं हुआ? अब क्यों? जो व्यक्ति सोचता है कि मुख्यमंत्री का पद उसके लिए आरक्षित है, वही मुडा घोटाले के खुलासे के पीछे है। कुमारस्वामी ने कहा भाजपा नेता विरोध कर रहे हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं।

लेकिन, कांग्रेस के नेता इसके खुलासे के पीछे हैं।

उन्होंने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जो मुडा से 62 करोड़ रुपये का मुआवजा मांग रहे हैं, किसानों को मुआवजा दिलाने में मदद करें, जो असहाय हो गए हैं और अपनी जमीन खो रहे हैं। मुझे पता है कि सिद्धरामैया की पत्नी को जमीन कैसे मिली। मैं सही समय पर इसका खुलासा करूंगा। विकास के नाम पर, कर्नाटक में लाखों किसानों की जमीनें अधिग्रहित की गई हैं। वे किसान भूमिहीन और बेरोजगार हो गए हैं। उन्हें सालों तक संघर्ष करने और मुआवजा पाने के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। आप किसानों की जमीनों के लिए किस तरह की दर तय करते हैं? आप करोड़ों में मुआवजा मांगते हैं, जबकि किसान तड़प रहे हैं। आपको मुडा से पहले ही 14 प्रमुख आवासीय साइटें मिल चुकी हैं। इसके अलावा, आप अपनी पत्नी के पैसे मांग रहे हैं? यह कितना तर्कसंगत है? मुडा घोटाले पर सीएम के कानूनी सलाहकार के स्पष्टीकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए कुमारस्वामी ने कहा, सीएम के कानूनी सलाहकार ए एस पोनन्ना अब विधायक बन गए हैं। पोनन्ना सीएम के ऋणी हैं। इसलिए, वह मुख्यमंत्री के बचाव में लंबा भाषण देते हैं और आरोपों का मुकाबला करने के लिए मुआवजा मांगने का विचार देते हैं। कुमारस्वामी ने कहा कि सांसदों द्वारा जनता दर्शन के संबंध में राजनीति करना सही नहीं है, क्योंकि यह लोगों की मदद के लिए आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा चूंकि मैंने मांड्या में अपने जनता दर्शन के बारे में घो-षणा की थी, इसलिए सिद्धरामैया ने इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए कैबिनेट की बैठक बुलाई। राज्य सरकार के अधिकारियों को मेरी सहायता न करने के लिए कहा गया है। सीएम अधिकारियों को मुझसे दूर रख सकते हैं। लेकिन, क्या वह लोगों को मुझसे दूर रख सकते हैं, जिन्होंने मुझे भारी बहुमत से चुना है? उन्होंने कहा कि पूर्व सांसद डीके सुरेश बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में जनता दर्शन करते थे। उन्होंने पूछा कि तब सिद्धरामैया क्या कर रहे थे? कुमारस्वामी ने कहा लोकसभा चुनावों से पहले जब जनसम्पर्क हो रहा था, तब आप कहां थे? अब आप मांड्या में मेरे जनता दर्शन को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। इसे किसी भी कीमत पर रोका नहीं जा सकता।

घर से नकदी और सोने के आभूषण चोरी

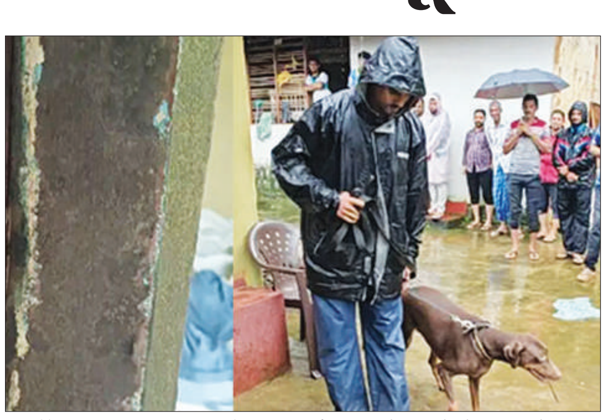

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुल्की पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले बालकुंजे नीरालीके में गुरुवार की सुबह एक घर में चोरी हो गई। नकदी और सोने के आभूषण चोरी हो गए।

घर शेखबा नामक व्यक्ति का है। रात के खाने के बाद शेखबा, उनकी पत्नी और बच्चे सोने चले गए। रात करीब 1 बजे शेखबा को अपने दामाद का फोन आया और सोने से पहले उन्होंने उससे बात की। उस समय चोरी नहीं हुई थी। हालांकि, सुबह करीब 4:30 बजे शेखबा की बेटी वॉशरूम जाने के लिए उठी और उसने देखा कि चोर घर में घुस आए हैं। परिवार के सदस्य घर के सामने वाले हिस्से में सो रहे थे। चोरों ने सामने के दरवाजे को बाहर से बंद कर दिया और पीछे के दरवाजे को खोलने के लिए रॉड का इस्तेमाल किया। घर में लूटपाट करने के बाद, वे लगभग 2 लाख रुपये के सोने के आभूषण और 5,000 रुपये नकद लेकर भाग गए। फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ, डॉग स्क्वायड और मुल्की पुलिस इंस्पेक्टर विद्याधर ने कांग्रेस नेता साहुल हामिद के साथ घर का दौरा किया। चोरों ने विजित शेट्टी के पड़ोसी घर की खिड़की से एक वैनिटी बैग भी चुरा लिया, जिसमें से कुछ नकदी भी ले गए।

मुडा घोटाले के बीच : कर्नाटक सरकार ने मैसूरु के डिप्टी कमिश्नर का किया तबादला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित भूमि घोटाले को लेकर उठे विवाद के बीच कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को मैसूरु के डिप्टी कमिश्नर के वी राजेंद्र का तबादला कर दिया। वरिष्ठ भाजपा नेता आर अशोक ने पहले आरोप लगाया था कि राजेंद्र ने मुडा को कई पत्र लिखे थे, जिसमें कहा गया था कि 50:50 अनुपात योजना के तहत आव-ासीय लेआउट बनाने के लिए उनसे अधिग्रहित भूमि के बदले भूमि खोने वालों को वैकल्पिक साइटों का आवंटन अनुचित था। राजेंद्र उन 21 आईएएस अधिकारियों में शामिल थे, जिनका सरकार ने नौकरशाही में फेरबदल करते हुए तबादला किया था। उन्हें बेंगलूरु में पर्यटन निदेशक के पद पर तैनात किया

गया है। राजेंद्र की जगह जी लक्ष्मीकांत रेड्डी को नियुक्त किया गया, जो वर्तमान में कर्नाटक शहरी अवसंरचना विकास और वित्त निगम बेंगलूरु के प्रबंध निदेशक हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता अशोक ने आरोप लगाया था कि राजेंद्र ने वैकल्पिक साइटों को आवंटित करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी मांगी थी, लेकिन मुडा ने जवाब देने की जहमत नहीं उठाई। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को भाजपा की उस मांग को खारिज कर दिया था जिसमें भूमि खोने वालों, जिनमें उनकी पत्नी पार्वती भी शामिल हैं, को मुडा द्वारा भूखंड आवंटित करने में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग की गई थी, क्योंकि उन्होंने किसी भी तरह की गड़बड़ी से साफ इनकार किया था।

भाजपा ने आरोप लगाया है कि मैसूरु के एक महंगे इलाके में पार्वती को वैकल्पिक भूखंड भी आवंटित किए गए थे, जिनकी संपत्ति का मूल्य उनकी भूमि के स्थान की तुलना में अधिक था, जिसे मुडा ने अधिग्रहित किया था, और उन्होंने उनका इस्तीफा मांगा। मुडा ने पार्वती को उनकी तीन एकड़ से अधिक भूमि के बदले में योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां मुडा ने एक आवासीय लेआउट विकसित किया था। विवादास्पद योजना में लेआउट बनाने के लिए अधिग्रहित अविकसित भूमि के बदले भूमि खोने वालों को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित करने की परिकल्पना की गई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि मुडा द्वारा भूमि खोने वालों को भूखंडों के वितरण में 4,000 करोड़ रुपये की अनियमितताएं हुई हैं। सिद्धरामैया ने कहा क्या उन्होंने (भाजपा ने) अपने कार्यकाल के दौरान कोई मामला (सीबीआई को) दिया है? मैंने सात मामले (सीएम के रूप में उनके पिछले कार्यकाल सहित) दिए हैं। यह ऐसा मामला नहीं है जिसे सीबीआई को दिया जाना चाहिए। हमने भी मांग की थी, क्या उन्होंने (सीबीआई को जांच के लिए कोई मामला) दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा था कि 2021 में जब भाजपा सत्ता में थी, तब मुडा ने उनकी पत्नी को प्लॉट दिए थे। सिद्धरामैया ने कहा वे (भाजपा) ही हैं जिन्होंने साइट दी, अब अगर वे खुद इसे अवैध कहते हैं, तो कोई इसे कैसे ले सकता है? हमने विजयनगर तीसरे या चौथे चरण (मैसूरु में) में साइट देने के लिए नहीं कहा। मुख्यमंत्री ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि कथित अनियमितताओं की जांच होने तक योजना के तहत मुडा द्वारा आवंटित आवास स्थलों को रोक दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा था कि वह इस्तीफा नहीं देंगे। इस मामले में मेरी क्या भूमिका है?

नितिन गडकरी का आह्वान

पार्टी कार्यकर्ता आपातकाल के बारे में लोगों को करें शिक्षित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से लोगों को यह बताने का आह्वान किया कि 1975 में देश में आपातकाल लगाकर संविधान को नुकसान पहुंचाने का पाप किसने किया। बेंगलूरु में भाजपा की कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को यह बताने की जरूरत है कि देश में लोकतंत्र का हत्यारा कौन था। उन्होंने कहा यह भाजपा ही थी जिसने संविधान

और लोकतंत्र की रक्षा करने का प्रयास किया। जब तक हम हैं, हम संविधान और लोकतंत्र की रक्षा को अटूट प्रतिबद्धता के साथ सुनिश्चित करेंगे। यह संदेश लोगों तक पहुंचना चाहिए। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा जब आपातकाल लागू हुआ, तो लोकतंत्र की हत्या कर दी गई, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निलंबित कर दिया गया और मीडिया को नियंत्रित कर दिया गया। लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं को आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (मीसा) के तहत दो साल तक जेल में रखा गया। पूर्व दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और दिवंगत नेता जॉर्ज फर्नांडिस को बेंगलूरु जेल में कैद किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आपातकाल लगाए जाने के खिलाफ लड़ाई लड़ी। हमारे कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र को बचाने के लिए बलिदान दिया।

उन्होंने कहा आज भारत को लोकतंत्र की जननी के रूप में देखा जाता है। 140 करोड़ की आबादी के साथ, हम इसके प्रति दृढ़ विश्वास रखते हैं। आपातकाल के दौरान संविधान में किए गए संशोधनों ने लोकतंत्र को खत्म कर दिया। जब जनता पार्टी केंद्र में सत्ता में आई, तो उन सभी संशोधनों को रद्द कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर झूठी कहानी फैलाने का आरोप लगाया कि भाजपा संविधान बदलने और आरक्षण समाप्त करने के लिए संसद में 400 से अधिक सीटें मांग रही है। उन्होंने कहा केशवानंद भारती मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा है कि बहुमत के बावजूद संविधान की मुख्य विशेषताओं में संशोधन नहीं किया जा सकता है। भाजपा ने कभी भी संविधान को नुकसान पहुंचाने और उसमें संशोधन करने में संलिप्तता नहीं दिखाई।

प्रेमिका से विवाद के बाद बस चालक ने यात्रियों को बीच रास्ते में छोड़ा

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर में एक अजीबोगरीब घटना घटी, जिसमें एक निजी बस चालक ने अपनी प्रेमिका से बहस के बाद बस को बीच में ही रोक दिया।

निजी बस उडुपी शहर से संथेकट्टे तक यात्रियों को ले जा रही थी। नित्तूर में बस चालक की प्रेमिका बस में चढ़ गई और उसने बहस शुरू कर दी। बहस जारी रहने के बावजूद चालक गाड़ी चलाता रहा।

कंडक्टर ने जोड़े को शांत करने की कोशिश की, लेकिन उनकी कोशिशें बेकार गईं क्योंकि वे अपनी तीखी बहस में लगे रहे। निराश होकर चालक ने आखिरकार आशीर्वाद थिएटर के पास बस रोकी, उतर गया और चला गया। उसकी प्रेमिका भी बस छोड़कर चली गई। चालक और उसकी प्रेमिका के बीच झगड़े के कारण फंसे हुए यात्री परेशानी में पड़ गए। आखिरकार कंडक्टर ने बस को संभाला और बस को चलाया।

तटीय-पर्वतीय क्षेत्र में भारी बारिश की संभावना, ऑरेंज अलर्ट जारी

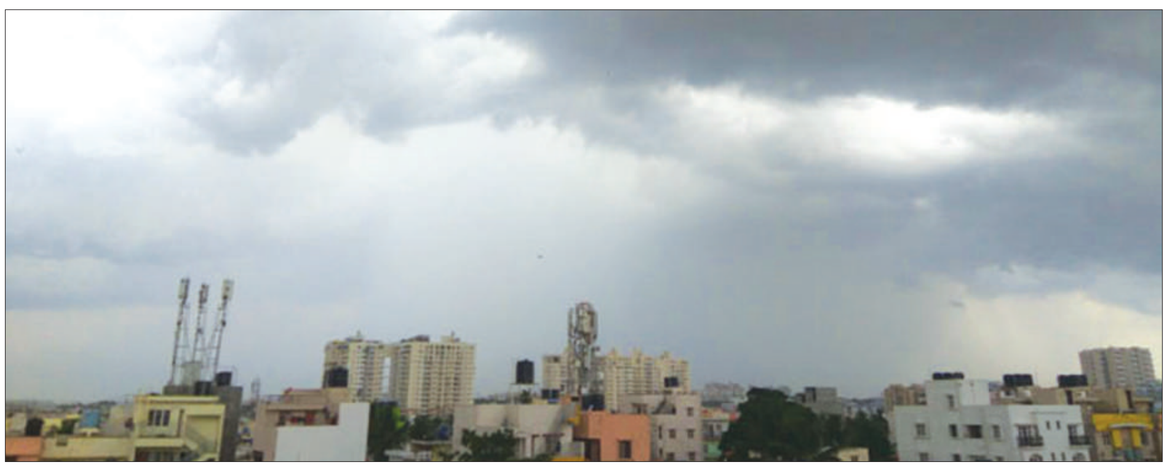

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वायुमंडल में बदलाव के कारण तटीय और पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, केरल के तट से लेकर दक्षिण गुजरात तक अरब सागर में उफान के कारण भारी बारिश हो रही है। अगले दो दिनों में भारी बारिश के पूर्वानुमान के कारण उत्तर कन्नड़, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी के तटीय जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट की घोषणा की गई है।

साथ ही 8 और 9 जुलाई को भारी बारिश की भी भविष्यवाणी की है। पिछले एक सप्ताह से तटीय और पहाड़ी इलाकों में अच्छी बारिश के कारण नदियाँ उफान पर हैं। कुछ जगहों पर भूस्खलन भी हुआ है। पेड़ और बिजली के खंभे गिर गये हैं। दक्षिणी आंतरिक जिलों में भारी बारिश की संभावना है और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, इसमें कहा गया है कि उत्तरी अंतर्देशीय जिलों में चार दिनों तक मध्यम बारिश होगी।

मासिक अमावस्या पर जप, तप एवं स्वाध्याय का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जैन दर्शन के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाणोत्सव के उपलक्ष में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी द्वारा इंगित प्रत्येक मासिक अमावस्या को जप, तप एवं स्वाध्याय की आठवीं मासिक कार्यशाला का विशेष आयोजन युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा स्थानीय तेरापंथ भवन राजाजीनगर में किया गया।

उपासक राजमल बोहरा ने सामूहिक नमस्कार महामंत्र का उच्चारण करवाते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

गुरुदेव तुलसी द्वारा लिखित जय महावीर भगवान की स्तुति की गई एवं जप का क्रम संपन्न किया।

स्वाध्याय करवाते हुए आचार्य महाप्रज्ञ जी द्वारा लिखित पुस्तक श्रमण महावीर से श्रमण भगवान महावीर स्वामी के बाल्यावस्था में संकल्प द्वारा अपने कर्मों की निर्जरा करते हुए अपने लक्ष्य की ओर कैसे आगे बढ़ सकते हैं, के बारे में बताया गया। स्वाध्याय के क्रम में उपासिका मंजू गन्ना ने आचार्य महाप्रज्ञ द्वारा लिखित पुस्तक महावीर का पूर्ण जन्म के 11वें अध्याय रूपांतरण का प्रतिनिधि ऋषि एवं प्रवक्ता उपासक महेंद्रकुमार दक ने 12वें अध्याय दो मिल्या तो दुख होए के बारे में विस्तार से समझाया। कार्यक्रम को मंगलपाठ से सम्पन्न किया गया।

इस अवसर पर सभा निवर्तमान अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी एवं सभा परिवार, महिला मंडल तेयुप से निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, तेयुप नव मनोनीत अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया एवं प्रबंध मंडल, एवं श्रावक-श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

केआरएस बांध 100 फीट के निशान को पार कर गया

केरल में बारिश के बाद काबिनी लगभग भर गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कावेरी नदी के पार मांड्या जिले में कृष्णराज सागर (केआरएस) जलाशय में जल स्तर शुक्रवार को अधिकतम 124.80 फीट के स्तर के मुकाबले 100 फीट के निशान को पार कर गया। सुबह 8 बजे जल स्तर 100.30 फीट था और प्रवाह की दर 9,686 क्यूसेक थी। यह पिछले साल इसी दिन जलाशय के स्तर 78.4 फीट के विपरीत है। ठीक एक सप्ताह पहले (28 जून) जलाशय का स्तर 90.28 फीट पर था। जलाशय के स्तर में वृद्धि से पहले कोडागु जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई थी, जिसमें भागमंडला भी शामिल है जो कावेरी नदी के जलग्रहण क्षेत्र का गठन करता है। 24 घंटे की अवधि में, भागमंडला

में 211 मिमी बारिश दर्ज की गई, और पिछले सप्ताह इस मौसम की पहली बाढ़ की सूचना मिली। इससे केआरएस में पानी का प्रवाह बढ़ने में मदद मिली, जिसने सात दिनों की अवधि में जल स्तर में 10 फीट की वृद्धि दर्ज की। कावेरी नीरावरी निगम लिमिटेड (सीएनएनएल) के अधिकारियों ने बताया कि 100 फीट के निशान तक जल स्तर में वृद्धि काफी तेज होगी। लेकिन, उसके बाद, बैकवाटर का दायरा बढ़ने के साथ-साथ वृद्धि धीरे-धीरे धीमी होती जाएगी। मैसूरु जिले के एच.डी. कोटे में, काबिनी बांध जलाशय के ऊपरी हिस्से में भारी बारिश के कारण लगभग भर गया है, मुख्य रूप से केरल के वायनाड क्षेत्र में। जलाशय में जल स्तर 2,281.5 फीट था, जबकि अधिकतम स्तर 2,284 फीट है। अंतर्वाह की दर 8,321 क्यूसेक थी और कुल बहिर्वाह 2,917 क्यूसेक था। अधिकारी सुरक्षा उपाय के रूप में काबिनी में 1.5 फीट से 2 फीट का बफर बनाए रखते हैं, और मानसून के दौरान जलाशय को पूरी तरह भरने की अनुमति नहीं देते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि वायनाड क्षेत्र में भारी बारिश के कारण अंतर्वाह में वृद्धि की स्थिति में, सभी शिखर द्वार खोलने पड़ते हैं, जिसके परिणामस्वरूप नीचे की ओर अचानक बाढ़ आ सकती है। लेकिन 2 फीट का बफर नीचे की ओर बाढ़ की संभावना को कम करने के लिए बहिर्वाह में धीरे-धीरे वृद्धि की सुविधा प्रदान करता है।

8 जुलाई से नहरों में छोड़ा जाएगा पानी

कृषि मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी, जो मांड्या जिले के प्रभारी हैं, ने कहा कि केआरएस की सिंचाई सलाहकार समिति 6 जुलाई को बेंगलूरु में बैठक करेगी और 8 जुलाई से बांध से नहरों में पानी छोड़ा जाएगा। सूखे के कारण 2023 में कोई पानी नहीं छोड़ा गया। इस साल अच्छे मानसून के संकेत और जलाशय का स्तर 100 फीट के निशान को पार करने के बाद, वादे के अनुसार किसानों को पानी छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वेश्वरैया नहर की मरम्मत पूरी हो चुकी है। इसलिए, किसानों को बुवाई और अन्य कृषि गतिविधियों को करने में सक्षम बनाने के लिए पानी छोड़ा जा सकता है।

महाप्रसादी के तहत हजारों लोगों को कराया भोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मैसूरु बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु (रजि.) द्वारा आयोजित 75वीं महाप्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें लगभग 4500 से भी अधिक जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। इस महाप्रसादी में सेवा देने वाले समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, उपाध्यक्ष अशोकचंद कोठारी, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, महामंत्री उगमराज चोपड़ा, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता, विनोद चोरड़िया, आशीष बाफना, प्रकाशचंद बाफना, रमेश चौपड़ा, अशोक कोठारी, राजेश आंचलिया, ऋषभ देवड़ा, गौतमचंद मरलेचा, उत्तमचंद चुत्तर, बाबू, सुरेश कातरेला, सुरेश मुथा, रितु संचेती, अनिल

पोकरणा, विनोद कोठारी, यशवंत सालेचा, महेंद्रचंद चौपड़ा, उगमराज चौपड़ा, महेंद्र मेहता, अनिल सकलेचा, सुधा रानी, कोदंडाराम, अशोक नागोरी, उत्तमचंद बांठिया, गौतमचंद मरलेचा, अनिल चौपड़ा, नितेश कवाड, चलपति, बाबू, राव, शेखर एवं मंजुनाथ राव आदि उपस्थित थे। महाप्रसादी का वितरण हर मास की अमावस्या पर मैसूरु बैंक सर्किल, एवेन्यू रोड पर होता है। महाप्रसादी का कार्यक्रम सभी गुरु भगवंतों की प्रेरणा से चल रहा है। उपरोक्त जानकारी समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष किरणचंद बोहरा ने दी एवं समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने कार्यक्रम में सेवा देने वालों को धन्यवाद दिया।

मुडा में कोई घोटाला नहीं हुआ है: मंत्री बैराती सुरेश

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नगर विकास मंत्री बैराती सुरेश ने कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण-मुडा में कोई घोटाला नहीं है। मुख्यमंत्री पहले ही स्पष्टीकरण दे चुके हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि दो आईएएस अधिकारियों के नेतृत्व में जांच चल रही है कि मुडा ने किसे जमीन दी है। इस बात का सत्यापन किया जा रहा है कि यह प्लॉट किसानों, निजी व्यक्तियों और एजेंटों को दिया गया है या नहीं। उन्होंने कहा कि यह घोटाला साबित होने के बाद आगे की चर्चा की जा सकती है। डीके शिवकुमार का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। वह बेंगलूरु के

शहरी विकास मंत्री हैं। मुडा में क्या हुआ, जो इसकी जांच सीबीआई से करायी जाये। अगर कोई घोटाला हुआ है तो उसे सीबीआई को सौंपा जाएगा। उन्होंने पूछा कि जब कुछ है ही नहीं तो सीबीआई जांच की क्यों मांग हो रही है। हमारे पास पुलिस अधिकारी हैं। भाजपा ने अपने कार्यकाल के दौरान कितने मामले सीबीआई को सौंपे हैं। मुडा मामले की जांच दो आईएएस अधिकारी कर रहे हैं। भाजपा का आरोप है कि जमीन किसानों को न देकर तीसरे पक्ष को दे दी गई। इसकी जांच कर रहे दो आईएएस अधिकारियों को चार सप्ताह का समय दिया गया है। इसके खत्म होने का इंतजार करें। भाजपा-जेडीएस जो कहें तो सरकार उस पर अमल करे, ऐसा जरुरी नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार अपने सिस्टम से काम करेगी। यह स्पष्ट करते हुए कि कांग्रेस में कोई गुट नहीं है, उन्होंने भाजपा विधान परिषद सदस्य एच. विश्वनाथ पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह रियल एस्टेट के ग्राहक हैं। मुझे एकवचन में भी बोलने का मौका मिलता है। उम्र के कारण मैं काफी समय से शांत हूं। वह सीडी मीडिया मंत्री विश्वनाथ हैं, उनका बेटा मेरे पास आया और जगह मांगी। मेरे पास उसका एक फोटो है। उन्होंने कहा कि समय आने पर रिहा कर दूंगा।

तलपडी टोल प्लाजा के पास की दुकानों को 20 जुलाई तक खाली करने का निर्देश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नवयुग उडुपी टोलवे प्राइवेट लिमिटेड ने शुक्रवार को तलपडी टोल गेट के पास की दुकानों को खाली कराने के प्रयास शुरू कर दिए। स्थानीय निवासियों और तलपडी ग्राम पंचायत के सदस्यों ने अधिकारियों से कार्रवाई बंद करने की अपील की है।

नतीजतन, टोल प्लाजा के अधिकारियों ने दुकानों को खाली कराने के लिए 20 जुलाई की समय सीमा तय की है। साथ ही अनुपालन न करने पर ध्वस्तीकरण की धमकी दी है। मार्च 2024 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, कुंडापुरा से तलपडी तक सड़क किनारे की दुकानों को खाली करना आवश्यक है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा मार्च में शुरू में नोटिस जारी किए गए थे, जो उन विक्रेताओं को लक्षित कर रहे थे जिन्होंने अनुपालन नहीं किया था। कुछ विक्रेताओं ने प्रवर्तन की उम्मीद में अपनी जगहों को किराए पर दे दिया था या बेच दिया था।

नवयुग उडुपी टोलवे के वरिष्ठ प्रबंधक तिम्मिया ने कहा सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, राजमार्ग से 60 से 90 फीट के भीतर की दुकानों को खाली किया जाना चाहिए। कई नोटिसों के बाद, यह अंतिम समय सीमा है। यदि आवश्यक हुआ तो हम ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेंगे। गदीनाडु रक्षणा वेदिके के सिद्दीक तलपडी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा तलपडी प्लाजा के पास जबरन बेदखली के प्रयास शुरू हो गए हैं। हम नरमी बरतने का अनुरोध करते हैं, खासकर 22 वर्षों से चल रही दूध की दुकान जैसे लंबे समय से चल रहे व्यवसायों के लिए। कंपनी बुनियादी ढांचे को उन्नत करने की योजना बना रही है, जिसमें स्ट्रीट लाइट को एलईडी में बदलना और मानसून के बाद सर्विस रोड और ड्रेनेज का काम करना शामिल है। बेदखली आदेश के निष्पक्ष कार्यान्वयन के बारे में सामुदायिक चिंताएँ, विशेष रूप से सरकारी भूमि पर रहने वालों के संबंध में, उठाई गई हैं। स्थिति गतिशील बनी हुई है क्योंकि हितधारक कानूनी निर्देशों और सामुदायिक आजीविका के बीच संतुलन पर बातचीत करते हैं।

केजरीवाल की जमानत याचिका पर उच्च न्यायालय का सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति कथित घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर शुक्रवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की एकल पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सीबीआई को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया।

एकल पीठ ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 17 जुलाई की तारीख मुकर्रर की है। इसी दिन केजरीवाल की गिरफ्तारी और उन्हें सीबीआई की हिरासत में सौंपने के विशेष अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर भी सुनवाई होनी है। इस मामले में पीठ ने आरोपी की याचिका पर दो जुलाई को केंद्रीय जांच एजेंसी को नोटिस जारी कर मामले को 17 जुलाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था। मुख्यमंत्री केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए एकल पीठ ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता ने सीबीआई के इस मुकदमे में पहले निचली अदालत का रुख करने के बजाय और सीधे उच्च न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया, इस सवाल पर बाद में विचार किया जाएगा।

केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने न्यायिक हिरासत तिहाड़ जेल में बंद श्री केजरीवाल से अदालत की अनुमति पर 25 जून को पूछताछ की और अगले दिन 26 जून को गिरफ्तार किया, जबकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति से संबंधित कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले मामले में उन्हें 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। आरोपी मुख्यमंत्री दोनों मामले में न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल बंद हैं।

श्री केजरीवाल ने जमानत याचिका से पहले अपनी गिरफ्तारी के अलावा विशेष अदालत के केंद्रीय जांच एजेंसी को उन्हें हिरासत में देने के आदेश के साथ ही गिरफ्तारी को उचित बताने की टिप्पणी पर अपनी याचिका में सवाल किया है। सीबीआई ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकदमे में मार्च से न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल बंद आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को 26 जून को गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत ने उसी दिन सीबीआई की गुहार पर उन्हें इस केंद्रीय जांच एजेंसी की तीन दिनों की हिरासत में भेज दिया था। हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद विशेष अदालत ने शनिवार 29 जून को उन्हें 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। राऊज एवेन्यू स्थित अवकाशकालीन विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा ने सीबीआई की ओर से केजरीवाल की हिरासत अवधि बढ़ाने की मांग नहीं करने और 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने के आग्रह के बाद यह आदेश पारित किया था।

सीबीआई की ओर से तब विशेष अदालत में दलील दी गई थी कि केजरीवाल एक प्रभावशाली राजनेता हैं। वह हिरासत में नहीं रहने पर सबूतों से छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

राऊज एवेन्यू स्थित अवकाशकालीन विशेष न्यायाधीश अमिताभ रावत की अदालत ने 26 जून को श्री केजरीवाल को सीबीआई की तीन दिनों की हिरासत में भेजने का आदेश दिया था।

इससे पहले ईडी की ओर से दर्ज मामले में विशेष अदालत ने 20 जून को केजरीवाल को जमानत दी थी। इस जमानत आदेश पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने ईडी की याचिका पर 21 जून के अंतरिम रोक और 25 जून को निलंबित करने का आदेश पारित किया था।

पुराने वीडियो डाल कर रेलकर्मियों को हतोत्साहित करना चाहता है विपक्ष : वैष्णव

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गरीब एवं अल्प आय वर्ग के यात्रियों का ख्याल रखने का वादा करते हुए शुक्रवार को कहा कि विपक्षी दल सोशल मीडिया में पुराने वीडियो डाल कर रेलवे के 12 लाख कर्मचारियों को हतोत्साहित करना चाहते हैं लेकिन हम उनका नैरेटिव विफल करेंगे।

श्री वैष्णव ने यहां रेल भवन में एक कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से बातचीत में यह आरोप लगाया।

सोशल मीडिया में यात्रियों को अमानवीय परिस्थितियों में यात्रा करते हुए दिखाए जाने वाले वीडियो वायरल होने के बारे में पूछे जाने पर रेल मंत्री ने कहा, विपक्षी दल रेलवे के 12 लाख कर्मचारियों को हतोत्साहित करने की कोशिश कर रहे हैं। वे पुराने वीडियो का उपयोग कर रहे हैं। हां, रेलवे नेटवर्क बहुत बड़ा है और टीमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं।

रेलवे देश की जीवन रेखा है और हम इस जीवन रेखा को बनाए रखेंगे और विपक्ष की इस नैरेटिव को विफल करेंगे।

रेल मंत्री ने गरीब एवं कम आमदनी वाले यात्रियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि रेलवे ने एक विशेष अभियान के तहत ढाई हजार जनरल कोचों का निर्माण शुरू किया है तथा 10 हजार ऐसे ही कोच और बनाये जाएंगे ताकि हर यात्री को किसी भी परिस्थिति में आरामदेह यात्रा की सुविधा मिल सके।

उन्होंने कहा, एक विशेष अभियान के तहत 2500 जनरल कोचों का निर्माण किया जा रहा है, इसके अलावा 10 हजार और जनरल एवं स्लीपर कोचों के लिए मंजूरी दी गई है। ताकि जनरल एवं स्लीपर श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को आरामदेह यात्रा करने की सुविधा मिल सके।

उन्होंने बताया कि रेलवे इस गर्मी के मौसम में भारी मांग को पूरा करने के लिए लगभग 10 हजार विशेष ट्रेनें चला रहा है। हम सेवाओं, सुरक्षा, स्वच्छता पर केंद्रित होकर काम कर रहे हैं। श्री मोदी ने पिछले साल दो अमृत भारत ट्रेनों की शुरुआत की थी, 50 और अमृत भारत ट्रेनों का निर्माण शुरू हो चुका है। 150 और अमृत भारत ट्रेनों के निर्माण की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। पिछले साल, 5300 किलोमीटर नए ट्रैक जोड़े गए, इस साल भी 800 किलोमीटर से ज्यादा ट्रैक जोड़े गए। इसके साथ ही रेल टक्कर रोधी सुरक्षा प्रणाली कवच को भी तेजी से लगाया जा रहा है।

राष्ट्रपति ने 36 जांबाजों को वीरता पदकों से किया सम्मानित

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए सशस्त्र बलों, केन्द्रीय पुलिस बलों और राज्य पुलिस बलों के सर्वोच्च बलिदान देने वाले 36 जांबाजों को शुक्रवार को यहां वीरता पदकों से सम्मानित किया, दस जांबाजों को कीर्ति चक्र तथा 26 को शौर्य चक्र प्रदान किए गए। सात कीर्ति चक्र और सात शौर्य चक्र मरणोपरांत दिए गए हैं।

कीर्ति चक्र से सम्मानित किये जाने वाले रणबांकुरों में केन्दीय रिजर्व पुलिस बल के निरीक्षक दिलीप कुमार दास, हैड कांस्टेबल राजकुमार यादव, सिपाही बबलू राभा, सिपाही शंभू राय शामिल हैं। इन सभी को यह सम्मान मरणोपरांत दिया गया। इसके अलावा राष्ट्रीय राइफल्स के सिपाही पवन कुमार और सेना मेडिकल कोर के कैप्टन अंशुमान सिंह तथा सेना की पैराशूट रेजिमेंट के हवलदार अब्दुल माजिद को भी मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

सेना की पैराशूट रेजिमेंट के मेजर दिग्विजय सिंह रावत, सिख रेजिमेंट के मेजर दीपेन्द्र विक्रम बसनेत और महार रेजिमेंट के नायब सूबेदार पवन कुमार यादव को भी कीर्ति चक्र प्रदान किया गया। जम्मू कश्मीर पुलिस के सिपाही सैफुल्ला कादरी, सेना के मेजर विकास भांभू, मेजर मुस्तफा बोहरा, राष्ट्रीय राइफल्स के राइफलमैन कुलभूषण मांता, राजपुताना राइफल्स के हवलदार विवेक सिंह, असम राइफल्स के राइफलमैन आलोक राव और राष्ट्रीय राइफल्स के कैप्टन एम वी प्रांजल को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साथ अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

मध्यप्रदेश विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, सत्र संपन्न

भोपाल, 05 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश विधानसभा में शुक्रवार देर शाम वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पारित होने और अन्य शासकीय कार्य पूर्ण होने पर सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी और मानसून सत्र संपन्न हो गया।

यह सत्र सोमवार को प्रारंभ हुआ था और यह 19 जुलाई तक प्रस्तावित था। इस अवधि में 14 बैठकें प्रस्तावित थीं। लेकिन वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पारित होने के बाद कार्यसूची में शामिल अन्य शासकीय कार्यों को पूर्ण किया गया और इसके बाद अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सदन की कार्यवाही अनिश्चिकाल के लिए स्थगित कर दी।

इस सत्र में कुल पांच बैठकें हुयीं और आज बजट से जुड़ी विभिन्न विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा हुयी।

चार लोगों के हत्यारे की फांसी की सजा पर सुनवाई पूरी, निर्णय सुरक्षित

नैनीताल, 05 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में लगभग दस साल पहले दीपावली के दिन अपने परिवार के चार लोगों की निर्मम हत्या करने वाले हरमीत की सजा-ए-मौत के मामले में उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को सुनवाई पूरी कर ली है और निर्णय सुरक्षित रख लिया है। न्यायमूर्ति ऋतु बाहरी और न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की युगलपीठ में इस मामले में सुनवाई हुई।

मामला देहरादून के कैंट थाना के आदर्श नगर का है। यहां वर्ष 2014 में 23 अक्टूबर को एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या की सनसनीखेज घटना सामने आयी थी। चाकू से गोद कर चारों की बेहद निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी गयी थी। सभी के शरीर पर चाकू के 85 निशान थे। हत्या का आरोप हरमीत पर लगा था। आरोप है कि हरमीत ने संपत्ति विवाद में अपने जय सिंह, सौतेली मां कुलवंत कौर, गर्भवती बहिन हरजीत कौर, भांजी सुखमणि की रात में सोते हुए निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी थी। इस घटना में उसका भांजा कंवलजीत किसी तरह से बच निकलने में कामयाब हो गया था।

बताया जा रहा है कि कंवलजीत की गवाही इस मामले में अहम साबित हुई। यह भी आरोप है कि हरमीत अपने पिता से नाराज था और उसे शक था कि उसके पिता पूरी संपत्ति को उसकी बहन के नाम कर देगा। वह पहले भी अपने परिवार को जान से मारने की धमकी दे चुका था। अगले दिन जब घर में काम करने वाली नौकरानी आयी तो इस घटना की खबर लग पायी। उसने आस पड़ोस के लोगों को इस घटना की जानकारी दी। मृतक जय सिंह के भाई अजीत सिंह ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो मौके पर खूब बिखरा पड़ा हुआ था। अलग-अलग कमरों में चारों के शव पड़े थे। आरोप है कि पुलिस से बचने के लिये हरमीत ने अपने को भी घायल कर लिया था। पुलिस ने हत्या के शक में उसे गिरफ्तार कर लिया। साथ ही शवों को कब्जे में लेकर उसके खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया।

इस मामले में पुलिस ने कई अहम सुबूत पेश किये। लंबे चले मामले के बाद देहरादून के अपर जिला जज (पंचम) आशुतोष मिश्रा की अदालत ने पांच अक्टूबर, 2021 को इस घटना को जघन्य मानते हुए आरोपी को फांसी की सजा सुना दी और उस पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगा दिया। साथ ही अदालत ने फांसी की सजा की पुष्टि के लिये उच्च न्यायालय को भेज दिया। तब से यह मामला उच्च न्यायालय में लंबित था। देखना है कि अदालत इस मामले में क्या फैसला सुनाती है।

कांग्रेस सरकार ने घोटालों की झड़ी लगाई: जयराम

नालागढ़, 05 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि कांग्रेस सरकार के घोटाले सामने आने शुरू हो गए हैं। हर दिन नए नए मामले उजागर हो रहे हैं। ये तो अभी शुरुआत है। कांग्रेस सरकार प्रदेश में घोटालों का रिकॉर्ड बनाने वाली है।

श्री ठाकुर ने नालागढ़ में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी केएल ठाकुर के प्रचार अभियान के दौरान कहा कि हिमाचल प्रदेश इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड में 60 करोड़ रुपये से ज्यादा के घोटाले का मामला सामने आया है। सरकार ने अपने चहेतों को फायदा पहुंचाने के लिए 175 करोड़ के टेंडर को 240 करोड़ रुपए में आवंटित किया है। करीब 60 करोड़ रुपए का यह घोटाला किसे लाभ पहुंचाने के लिए, किसके इशारे पर किया गया। सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। ये कांग्रेस सरकार का कोई पहला घोटाला नहीं है। इसके पहले भी कई घोटाले सामने आ चुके हैं। जहां अपने चहेतों को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार ने नियमों की अनदेखी की और अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना की। मुख्यमंत्री को इन सवालों के जवाब देना चाहिए। सरकार प्रदेश के विकास की बजाय प्रदेश को पीछे ले जाने का काम कर रही है। प्रदेश सरकार की रूचि सिर्फ घोटालों में है सरकार का प्रदेश के लोगों से कोई सरोकार नहीं रह गया है।

श्री ठाकुर ने कहा की सत्ता में आने के लिए कांग्रेस ने झूठी गारंटियों की झड़ी लगा दी थी और अब जब सरकार में आ गए हैं तो घोटालों की झड़ी लगा रहे हैं। अभी तो मात्र डेढ़ साल हुए हैं, आने वाले समय में सरकार क्या कारनामा करती है यह वक्त ही बताएगा। प्रदेश में युवा परीक्षा परिणाम घोषित करने के लिए सड़कों पर हैं, सरकार की गारंटी याद दिलाने के लिए सड़कों पर हैं। किसान, बागवान, नारी शक्ति सभी के साथ इस सरकार ने धोखा करने का काम किया है। आज बागवान अपना प्रोडक्ट्स बाजार में नहीं बेच पा रहे हैं लेकिन सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। मुख्यमंत्री सिर्फ झूठ बोलकर सरकार चलाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश में भारी बारिश से हुई आपदा को एक साल का समय बीत चुका है लेकिन अभी तक सरकार पीड़ितो को राहत नहीं पहुंचा सकी है।

उन्होंने कहा कि नालागढ़ के साईं चडोग और लुणस में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि नालागढ़ के लोगों ने फ़ैसला कर लिया है वह भाजपा प्रत्याशी केएल ठाकुर के साथ हैं। नालागढ़ के लोग सरकार की दमनकारी नीतियों से नहीं डरते हैं। नालागढ़ समेत प्रदेश के लोगों ने हिमाचल की कांग्रेस सरकार को पहले उपचुनाव में भी नकार दिया है, आने वाले समय में प्रदेश ने कांग्रेस सरकार का कोई भविष्य नहीं है। भाजपा तीनों सीटों को भारी मतों से जीतेगी।

ड्रग रैकेट का भंडाफोड़, 169 ग्राम हेरोइन जब्त, पंजाब के चार तस्कर गिरफ्तार

शिमला, 05 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला पुलिस ने एक अंतरराज्यीय ड्रग रैकेट का खुलासा किया है, जिसमें 169 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। मामले में चार ड्रग तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। चिट्टे की कीमत पांच से छह लाख रुपये बताई जा रही है। चारों आरोपी पंजाब के रहने वाले हैं।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पंजाब के युवा चिट्टे की तस्करी करके संजौली और आस-पास के क्षेत्र के युवाओं को बेच रहे हैं।

सूचना के आधार पर पुलिस की टीमों ने जगह-जगह नाकाबंदी की। इससे पहले ही आरोपी चिट्टे की नशे के आदी युवाओं को सप्लाई करते पुलिस ने चारों आरोपियों को धर दबोचा।

शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने बताया कि यह प्रतिबंधित पदार्थ अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों के गिरोह से जब्त किया गया है। ये लोग पंजाब के निवासी हैं जिनके कब्जे से 169 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

उन्होंने कहा कि पिछले 15 महीनों में शिमला पुलिस ने 600 मामले दर्ज किए हैं और लगभग 1,000 तस्करों को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ शिमला पुलिस पूरी मुस्तैदी से कार्रवाई कर रही हैं। दोषियों की संपत्ति को जब्त किया जा रहा हैं। शिमला पुलिस ने एक हफ्ते में 20 पैडलर्स को पकड़ा है। एक हफ्ते में शिमला पुलिस ने साढ़े छह किलो अफीम 150 ग्राम चिट्टा और इसी मात्रा में चरस भी बरामद की है। शिमला पुलिस सख्त कार्रवाई करते हुए इन आरोपियों के वाहन व संपत्ति को भी सीज़ कर रहे है। इन नशा तस्करों में से 30 प्रतिशत आरोपी दूसर राज्यों व 70 प्रतिशत आरोपी हिमाचल से ही हैं।

कुएं में उतरे 5 लोगों की जहरीली गैस की वजह से मौत

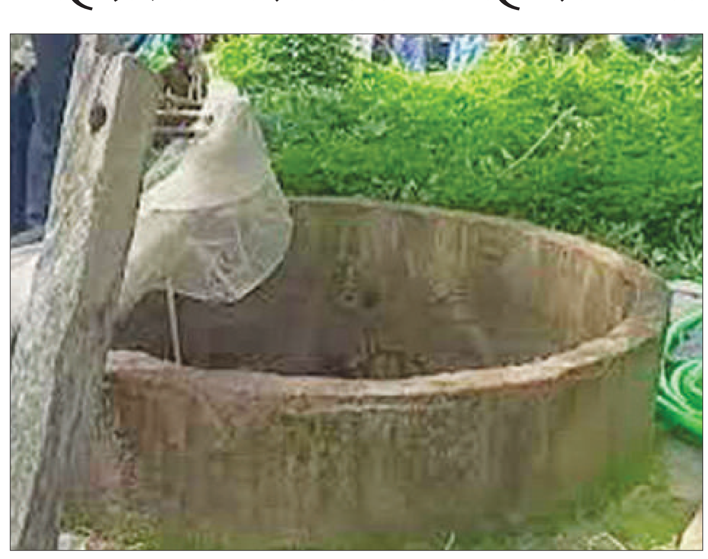

जांजगीर-चांपा, 05 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चाम्पा जिले के बिर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव किकिरदा में लंबे समय से ढके होने के कारण कुएं में बनी जहरीला गैस की वजह से उतरे 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में रामचंद्र जायसवाल, रमेश पटेल, जितेंद्र पटेल, राजेंद्र पटेल और टिकेश्वर चंद्रा शामिल हैं।

घटना की सूचना मिलने पर मौके पर बिर्रा पुलिस पहुंच गई है। इसके साथ एसडीआरएफ और एफएसएल की टीम बुलाई गई है। एसडीआरएफ की टीम आने पर पांचों के शव को कुएं से निकाले गए। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ भी जुट गई। पुलिस के अनुसार आज सुबह एक लकड़ी कुएं में गिर गई थी उसे निकालने के लिए रामचरण जायसवाल नामक शख्स कुएं में उतरा। अंदर जहरीली गैस से उसका दम घुटने लगा फिर वह पानी में डूब गया। उसे बचाने के लिए पड़ोसी रमेश पटेल नीचे उतरा तो उसका भी दम घुटने लगा । इसके बाद उसके बेटे राजेंद्र और जितेंद्र पटेल कुएं में उतरे तो उनका भी दम घुट गया और वे भी डूब गए। एक अन्य पड़ोसी टिकेश चंद्रा कुएं में उतरा और उसकी भी मौत हो गई। गिरी लकड़ी को निकालने के फेर में एक शख्स कुएं में उतरा पर बाहर नहीं निकला, जिसे निकालने के फेर में कुएं में एक-एक उतरे चार लोग भी मौत के गाल में समा गए। घटना को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शोक जताया है।

झारखंड से कुशासन का अंत करना हमारा संकल्प :शिवराज

रांची, 05 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री सह भाजपा के झारखंड चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि झारखंड की इस पवित्र धरा पर आने का अवसर मिला और यहां की गठबंधन की सरकार के कुशासन का अंत करना हमारा संकल्प है। श्री चौहान ने आज कहा कि झारखंड अद्भुत प्रदेश है और इसमें जबरदस्त सामर्थ्य है। इसी संकल्प के साथ कार्यकर्ताओं के बीच आया हूं।

भारतीय जनता पार्टी की आत्मा विचार है हमारे एकात्म मानव दर्शन का, तो कार्यकर्ता हमारे प्राण हैं, इसलिए कल भी बूथ अध्यक्ष रिंकू पासवान के यहां मैंने चाय पी, फिर हमारे मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत जी के घर मैंने भोजन किया और आज भी मंडल अध्यक्ष दिलीप जी के यहां मैंने नाश्ता किया आनंद आ गया।

श्री चौहान ने कहा कि झारखंड का पंरपरागत नाश्ता छिलका, धुसका, मडुआ, घुघनी, रागी, चने की सब्जी, यहां का पंरपरागत भोजन बहुत स्वादिष्ट है। कार्यकर्ताओं से मिलकर मन आनंद से भर गया और यह नाश्ता करके मैं तृप्त हो गया। हमारे अद्भुत कार्यकर्ता है सहज, सरल परिश्रमी हैं इन्हीं कार्यकर्ताओं के बल पर हम यहां भाजपा की सरकार बनाएंगे। अब तो सबसे बड़ी बात यह है कि, असली चेंज होगा विधानसभा के चुनाव में भ्रष्ट, बेईमान, अराजक सरकार जायेगी और भारतीय जनता पार्टी आयेगी।

सरकारी कार्यालयों का करें औचक निरीक्षण, विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति जांचें : सीएम योगी

- मुख्यमंत्री ने बस्ती मंडल के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ की समीक्षा बैठक
- विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर मुख्यमंत्री ने दिये दिशा-निर्देश

बस्ती, 05 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार पूर्वाह्न बस्ती पहुंचे। यहां पुलिस लाइन हेलीपैड पर उनका स्वागत जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। सीएम योगी ने सबसे पहले सर्किट हाउस में मंत्री, सांसदों, विधायकों और ब्लॉक प्रमुखों से मुलाकात की। इसके उपरांत मंडलायुक्त कार्यालय परिसर में वन महोत्सव-2024 वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत उन्होंने पारिजात का पौधा रोपित किया। मुख्यमंत्री इसके बाद मंडलायुक्त कार्यालय के सभागार में मंडलीय समीक्षा बैठक की, जिसमें संत कबीरनगर तथा सिद्धार्थनगर जिलों के जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े रहे। मुख्यमंत्री ने मंडल में चल रहे महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले स्कूल चलो अभियान की समीक्षा करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों का नामांकन ससमय कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति ससमय भी सुनिश्चित की जाय। इसके लिए अधिकारीगण विद्यालयों का औचक निरीक्षण भी करें। उन्होंने निर्देश दिया कि बच्चों के यूनिफार्म, कापी-किताब समय से उपलब्ध करा दिया जाए।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि अस्पतालों में समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, अगर डाक्टरों की कमी है तो स्थानीय स्तर पर जिलाधिकारी के माध्यम से योग्य चिकित्सकों की तैनाती की जाए। उन्होंने दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने का भी निर्देश दिया। बाढ़ से बचाव की समीक्षा करते हुए उन्होंने समस्त जनपदों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील और अतिसंवेदनशील तटबंधों की निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ आने से पूर्व ही समस्त तैयारिया पूर्ण कर ली जाए, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता ना बरती जाए। उन्होंने कहा कि राहत सामग्री वितरण के लिए जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाये। सर्पदंश के मामलों में पीड़ित को तत्काल उपचार दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण महाअभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि जनपद में लक्ष्य के सापेक्ष पौध रोपण किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि पौधों का वितरण जिम्मेदार व्यक्तियों को किया जाए, जो पौधरोपण करने के साथ-साथ इनका देख-भाल कर सकें। उन्होंने जनसहभागिता सुनिश्चित कराने हेतु पौधों को गोद लेने को कहा। पौधरोपण करते समय अपने नाम की पट्टिका लगायी जाए और यह प्रण लिया जाय हम इसकी देखभाल करेंगे।

मुख्यमंत्री ने राजस्व वादों का निस्तारण, मुकदमा, पैमाइश की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि 1 से 3 वर्ष, 3 से 5 वर्ष व 5 वर्ष से अधिक लम्बित मुकदमों का निस्तारण समयबद्धता के साथ मेरिट के आधार पर किया जाए। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही है, अन्यथा की स्थिति में संबंधित की जवाबदेही तय करते हुए कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत निर्देश दिया कि अभी से ही कार्ययोजना बना ली जाए। उन्होंने कहा कि मोहर्रम में अस्त्र-शस्त्र पूर्णत: प्रतिबन्ध रहेगा। मोहर्रम के दौरान जूलुस पर कड़ी निगाह रखें तथा लिखित रूप में अनुमति ले ली जाए। उन्होंने कहा कि नयी परम्परा ना शुरू हो, इसका ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि कावड़ यात्रा के दौरान डीजे के आवाज की ऊंचाई मानक के अनुसार ही रखी जाए।

मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाए। पीड़ित की तरफ से एफआईआर दर्ज करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाए। उन्होंने महिला सुरक्षा के लिए निर्देशित किया कि भीड़ वाले स्थानों पर वर्दी में तथा बिना वर्दी में पुलिस की तैनाती की जाए। उन्होने निरंतर पेट्रोलिंग करने के भी निर्देश दिए।

कृषि विज्ञान केन्द्र की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि किसानों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाय। उन्होंने निवेश मित्र, एक जनपद एक उत्पाद, विश्वकर्मा श्रम सम्मान की समीक्षा किया। उन्होंने कहा कि पात्र उद्यमियों को चिन्हित करते हुए ऋण वितरण किया जाय। उन्होंने कहा कि बैंक के साथ बैठक में जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाय। अधिक निवेश होने से जनपद की जीडीपी भी बढ़ेगा। जलजीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि कार्य को गुणवत्तापूर्ण किया जाए। पाईप डालने हेतु सड़क के किनारे खोदे गये गड्ढे को कार्य समाप्त हो जाने के बाद तत्काल मिट्टी भरायी करा दिया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों से अतिक्रमण हटाया जाए तथा अवैध टैक्सी स्टैण्ड वसूली ना होने पाए। उन्होंने सड़कों को गड्ढामुक्त करने का निर्देश पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को दिया।

उन्होंने मण्डलायुक्त, तीनों जनपद के जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि जनता दर्शन में फरियादियों की समस्या को सुनें। अगर कोई अधिकारी किसी काम से बाहर रहता है, तो उसके स्थान पर दूसरे अधिकारी को नामित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि समय-समय पर कार्यालयों का निरीक्षण किया जाय। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों की समस्याओं को गहनता से सुने तथा उसका निराकरण किया जाए।

बाढ़ से पहले योगी सरकार की तैयारियां मुकम्मल 612 बाढ़ चौकियां स्थापित

सीएम योगी के निर्देश के बाद आधिकारियों ने बाढ़ को लेकर तैयारियां की पुख्ता

बाढ़ से प्रभावित होने वाले संभावित 39 जिलों में खाद्यान्न टेंडर प्रक्रिया पूरी, 25 जिलों में मॉकड्रिल

लखनऊ, 05 जुलाई (एजेंसियां)। योगी सरकार ने प्रदेश में बाढ़ की आशंकाओं को देखते हुए इससे निपटने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली हैं। सीएम योगी के निर्देश पर बाढ़ से निपटने एवं जनहानि-धनहानि को न्यूनतम करने के लिए 24 अतिसंवेदनशील और 16 संवेदनशील इलाकों में बाढ़ चौकियों की स्थापना कर ली गयी है, जहां पर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की टुकड़ियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को राहत देने के लिए 40 जिलों में से 39 जिलों में खाद्यान्न टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। बता दें कि सीएम योगी ने हाल में ही बाढ़ पूर्व तैयारियों को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये थे, जिसके बाद अधिकारियों ने मिशन मोड में महज चार से पांच दिन के अंदर तैयारियों को अंजाम दिया है।

प्रमुख सचिव राजस्व पी गुरु प्रसाद ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अलर्ट रहने के साथ तैयरियों को पुख्ता करने के निर्देश दिये थे। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरुप प्रदेश के अतिसंवेदनशील और संवेदनशील क्षेत्रों में 612 बाढ़ चौकियों की स्थापना की जा चुकी है। वहीं इन क्षेत्रों में अतिरिक्त बाढ़ चौकियों की स्थापना की कार्रवाई चल रही है। इन बाढ़ चौकियों में एनडीआरएफ की 7 टीमें, एसडीआरएफ की 18 टीमें और पीएसी की 17 टीमें तैनात कर दी गयी हैं। इसके साथ ही आपदा मित्रों को भी तैनात किया गया है। इसके अलावा सभी बाढ़ प्रभावित जनपदों में नावों का चिन्हीकरण और नाविक तैनात कर दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एक वर्ष में 4700 राहत चौपालों को आयोजन किया गया, जिसमें लोगों को बाढ़ के दौरान अपनी और अपने मवेशियों की किस तरह सुरक्षा करनी है, इसकी जानकारी दी गयी। वहीं बाढ़ पूर्व तैयारियों के तहत एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और पीएसी की ओर से 25 जनपदों में मॉकड्रिल की गयी।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि बाढ़ प्रभावित जनपदों के लिए 10 करोड़ की धनराशि जारी की जा चुकी है। इस धनराशि से बाढ़ प्रभावित जनपदों में विभिन्न आवश्यक खरीदारी पूरी कर ली गयी है। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित 40 जिलों में से 39 जिलों में खाद्यान्न पैकेट की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। वहीं गाजीपुर में खाद्यान्न पैकेट का टेंडर एक दो दिन में पूरा कर लिया जाएगा। बाढ़ प्रभावित इलाकों में दो खाद्यान्न पैकेट वितरित किये जाएंगे। इनमें पहले पैकेट में प्रति परिवार को ढाई-ढाई किलोग्राम के दो लाई के पैकेट, 2 किलो भुना चना, प्लास्टिक के पैकेट में 1 किग्रा. गुड़, बिस्किट के 10 पैकेट, माचिस और मोमबत्ती के एक पैकेट, 2 पीस नहाने का साबुन, एक 20 लीटर का जरीकेन, 12 गुणे 10 वर्ग फिट मोटाई का एक तिरपाल, जिसका जीएसएम 110 से कम न हो आदि सामान वितरित किया जाएगा।

चिकित्सा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और व्यवहार दोनों का उत्कृष्ट होना जरूरी : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने किया हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल में सिंकाई की चतुर्थ अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी मशीन का लोकार्पण

गोरखपुर, 05 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी चिकित्सा संस्थान की उपादेयता और सफलता के लिए प्रौद्योगिकी और व्यवहार दोनों का उत्कृष्ट होना जरूरी है। प्रौद्योगिकी समय के अनुरूप होनी चाहिए और समय से दस कदम आगे चलने का सामर्थ्य होना चाहिए। साथ ही चिकित्सा व्यवस्था से जुड़ी पूरी टीम को संवेदना से परिपूर्ण होना चाहिए।

सीएम योगी शुक्रवार शाम गीता वाटिका स्थित हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल एवं शोध संस्थान में कैंसर सिंकाई की चतुर्थ अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी मशीन (वरिआन हेलक्यान) का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति हो या संस्थान, यदि वह समय के अनुरूप नहीं चलेगा तो समय ही उसे पीछे धकेल देता है। समय के अनुरूप न चलने वालों की पहचान समाप्त हो जाती है और वे काल के गाल में समा जाते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हममें समय से दस कदम आगे चलने का सामर्थ्य होना चाहिए ताकि हम अपने क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कर सकें।

सीएम योगी ने कहा कि चिकित्सा संस्थान मेडिकल-हेल्थ के क्षेत्र में नित हो रहे नए अनुसंधान के साथ नहीं जुड़ेंगे तो पिछड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज के समय मे लोगों की भुगतान क्षमता बढ़ी है। साथ ही सरकार के स्तर पर तमाम सुविधाएं मिल रही हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री राहत कोष की सहायता राशि से लाखों लोगों को लाभ हुआ है। ऐसे में लोग अच्छी सुविधा भी चाहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा संस्थान के लिए दो बातें महत्वपूर्ण होती हैं। पहला अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और दूसरा मानवीय व्यवहार। संस्थान में चिकित्सक, पैरामेडिकल, नर्सिंग और हर व्यवस्था से जुड़े स्टाफ में रोगी के प्रति संवेदना का भाव होना चाहिए। मरीज के दुख को अपना दुख मानकर सेवा करने का जज्बा होना चाहिए। इसके साथ ही संस्थान में समय की गति से आगे चलने का सामर्थ्य होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी बीमारी के इलाज में तो समय से आगे चलने का सामर्थ्य संस्थान के लिए और भी महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए अनुसंधान का लाभ नागरिकों को मिले, इसकी निरंतर पहल होती रहनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल की इस बात के लिए सराहना की कि इस अस्पताल ने समय की गति को पकड़ा और उसके अनुरूप प्रौद्योगिकी को अपनाया। उन्होंने कहा कि यह कैंसर अस्पताल 2013 से लगातार नई प्रौद्योगिकी को अपनाते हुए एक के बाद एक चार अत्याधुनिक मशीन लगाकर मरीजों को इलाज की उत्कृष्ट सुविधा उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे ही एक टेक्नोलॉजी थोड़ी पुरानी हो रही है, नई टेक्नोलॉजी को अपनाया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में नई पहचान बनाने वाले हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल अगले वर्ष 50 वर्ष पूर्ण कर स्वर्ण जयंती समारोह मनाएगा। यह अवसर होगा उपलब्धियों को संजोने और भविष्य में और बेहतर करने की कार्ययोजना बनाने का। उन्होंने कहा कि सरकार अस्पताल के किसी भी महत्वपूर्ण अभियान में भरपूर मदद करने को तत्पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जब किसी व्यक्ति को कैंसर होता था तो उसका पूरा परिवार त्रासद में आ जाता था। जब तक मरीज को पता चलता था तब तक कैंसर की लास्ट स्टेज होती थी। आज लोगों के पास उत्तम आरोग्यता प्राप्त करने की क्षमता है, साथ ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री राहत कोष की सहायता भी।

सेवा के साथ स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करते हैं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा केंद्र : सीएम योगी

एक सौ बेडेड हॉस्पिटल से 500 लोगों को मिलता है रोजगार : मुख्यमंत्री

अन्नपूर्णा मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का सीएम योगी ने किया उद्घाटन

गोरखपुर, 05 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य एवं चिकित्सा केंद्र सेवा के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराकर स्वावलंबन का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। एक सौ बेडेड हॉस्पिटल के खुलने से 500 लोगों को रोजगार मिलता है। ऐसा अस्पताल 500 परिवारों की आजीविका का माध्यम बनता है।

सीएम योगी शुक्रवार अपराह्न सिविल लांइस के जजेज कंपाउंड के समीप अन्नपूर्णा मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अस्पताल स्वास्थ्य के उत्तम केंद्र साथ लोगों के विश्वास और रोजगार का भी बड़ा केंद्र होता है। अस्पताल के निर्माण से स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन होता है। यह मेडिकल, पैरामेडिकल तथा नर्सिग में अपना कैरियर बनाने वाले छात्रों तथा बालिकाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराता है। इससे उनके मन में समाज एवं व्यवस्था के प्रति विश्वास पैदा होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सभ्य एवं सुसंस्कृत समाज के लिए अच्छी शिक्षा जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण है उत्तम आरोग्य की सुविधा। बढ़ती हुई आबादी, व्यस्त दिनचर्या एवं जलवायु परिवर्तन के कारण आज तमाम नई बीमारियों ने जन्म ले लिया है। इन बीमारियों के इलाज के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के अच्छे केंद्र जरूरी हैं।

सीएम ने कहा, सरकार के स्तर पर ही सभी सुविधा उपलब्ध हो, यह कठिन कार्य है लेकिन यदि सरकार, निजी क्षेत्र और धर्मार्थ संस्थाएं मिलकर इस दिशा में प्रयास करते हैं तो इसके परिणाम बहुत अच्छे आते है। उन्होंने कहा कि सरकार के अलावा निजी एवं धर्मार्थ संस्थाओं ने भी शिक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए अपना सहयोग सदैव प्रदान किया है। इन संस्थानो ने शिक्षा के अलावा लाखों लोंगो को रोजगार भी उपलब्ध कराया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर गरीब व्यक्ति भी चाहता है कि उसको अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिले। स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर सरकार संवेदनशील है। गरीब के स्वास्थ्य को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई योजनाएं चलाई हैं। आयुष्मान योजना के तहत 2019 से देश मे करोड़ो लोग इस सुविधा से लाभान्वित हुए है। उन्होंने कहा कि आज से सात वर्ष पहले तक पूर्वी उत्तर प्रदेश चिकित्सा के बड़े केंद्र के रूप में सिर्फ में बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही था जो खुद बीमार अवस्था में था। पर, आज गोरखपुर में बीआरडी मेडिकल कॉलेज उच्च चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहा है। आज गोरखपुर में एम्स भी है जो बेहतरीन चिकित्सा सेवा उपलब्ध करा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि देवरिया, सिद्धार्थनगर, बस्ती में भी मेडिकल कॉलेज सेवाएं दे रहे हैं। कुशीनगर और महराजगंज और कुशीनगर में भी मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। प्रदेश के लगभग सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज या तो बन गए हैं या बन रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि अन्नपूर्णा मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के रूप में गोरखपुर को एक नए चिकित्सा केंद्र की सौगात मिली है। इसके लिए उन्होंने हॉस्पिटल प्रबंधन और नागरिकों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण लगाये गये है तथा उनके संचालन के लिए प्रशिक्षित स्टाफ की भी व्यवस्था प्रबंधन ने की है। इस हॉस्पिटल का निर्माण यह बताता है कि यदि करने की इच्छाशक्ति हो तो व्यक्ति कुछ भी कर सकता है। सीएम ने कहा गोरखपुर में 2000 से पहले आईसीयू की सुविधा नही थी। ब्लड कम्पोनेंट सेपरेटर मशीन नहीं थी। जबकि आज गोरखपुर में एम्स, बीआरडी मेडिकल कॉलेज जैसे अत्याधुनिक चिकित्सा के केंद्र के साथ ही निजी क्षेत्र के कई मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल हैं जो सभी प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश व प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई स्वस्थ प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा समाज को विकास की ऊंचाईयों की ओर ले जाती है। जबकि नकारात्मकता समाज को पीछे करती है इसलिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को हम सबको आगे बढ़ाते रहना है। इसी अच्छी प्रतिस्पर्धा के कारण आज उत्तर प्रदेश एवं गोरखपुर विकास के पथ पर अग्रसर हैं। देश और दुनिया में इसकी छवि में बदलाव आया है। इस बदलाव और नजरिए को आगे बढ़ाने के लिए हम सबको आगे भी लगातार कार्य करना होगा।

लोकार्पण समारोह के अन्नपूर्णा मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के संचालक डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. मीनाक्षी गुप्ता, डॉ. ऋषभ गुप्ता, डॉ. नीलिका गुप्ता, डॉ. तान्या गुप्ता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, कालीबाडी के महंत रविंद्रदास दास समेत बड़ी संख्या में चिकित्सक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

सामूहिक त्रासदी के गुनहगार

उप्र के हाथरस जिले में कथित 'भोले बाबा' का सत्संग सामूहिक मौत में तबदील हो गया। सत्संग एक स्वयंभू बाबा का था, जिनके श्रद्धालुओं में मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, अफसर भी शामिल हैं। हाथरस जिले के सत्संग में तब भगदड़ मच गई, जब गरीब, आम आदमी, महिलाएं आदि भक्त 'भोले बाबा' के पांव छूना चाहते थे। वह आस्था थी या धर्मान्धता थी, हम इस पर टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन एक औसत इनसान 'भगवान' नहीं हो सकता। सत्संग की भीड़ में बाबा का आशीर्वाद लेने की होड़ लगी थी। वह होड़ ही भगदड़ में तबदील हो गई। वहां कुछ फिसलन थी, गड्ढा था, लिहाजा लोग फिसल कर एक के ऊपर एक गिरने लगे। वे आपस में रौंद भी रहे थे। भीड़ में इतनी हड़बड़ी थी कि लोगों ने इनसानों को ही कुचल दिया। अंततः सत्संग 121 मौतों के साथ त्रासदी में बदल गया। करीब 35 घायल हो गए और 20 लापता बताए गए हैं। ये आंकड़े ज्यादा भी हो सकते हैं। कितने घर अनाथ हो गए। कितने घरों की 'देवियां' नहीं रहीं। बताया गया है कि 108 महिलाओं की मौत हुई है। सवाल यह है कि क्या कथित 'भोले बाबा' और उनके सेवादार आयोजकों के खिलाफ 'गैर इरादतन हत्या' का केस दर्ज किया गया है अथवा कोई संभावना है? मुख्य सेवादार और कुछ अन्य पर प्राथमिकी तो दर्ज की गई है। प्राथमिकी में 'भोले बाबा' का नाम क्यों नहीं है? बताया जाता है कि करीब 1.25 लाख की भीड़ सत्संग में आई थी। दूसरा पक्ष 2.5 लाख की भीड़ का दावा कर रहा है। संख्या को लेकर राज्य के मुख्य सचिव, इलाके के आईजी, डीएम और एसडीएम आदि के अलग-अलग बयान हैं। सवाल हैं कि यदि स्थानीय प्रशासन ने सत्संग की अनुमति दी थी, तो क्या पर्याप्त बंदोबस्त देखे गए थे? जल, चिकित्सा, दवाई, डॉक्टर, एम्बुलेंस और प्रवेश-निकास दरवाजों आदि की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया था? क्या पर्याप्त संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था? एडीजी ने दावा किया है कि मौके पर 40 पुलिस वाले थे। क्या इतनी भीड़ के लिए 40 पुलिस वाले पर्याप्त थे? क्या छोटे से गांव में भीड़ का सैलाब देखकर प्रशासन और पुलिस सतर्क नहीं हुए, लिहाजा बंदोबस्त नहीं किए जा सके। एसडीएम दफ्तर का कहना है कि 50 हजार की भीड़ बताई गई थी, लेकिन 80 हजार से ज्यादा लोग पहुंच गए। स्थानीय पुलिस का कहना है कि हमें कार्यक्रम का जो पत्र मिला था, उसमें भीड़ का कॉलम खाली था। राज्य के सर्वोच्च अधिकारी मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के बयान कुछ और ही हैं। प्रशासन के स्तर पर ये विरोधाभास क्यों हैं? आखिर किसकी जवाबदेही और जिम्मेदारी है? ऐसे धार्मिक और बाबाओं के आयोजनों में लोग आस्था और कष्टनिवारण की भावना से आते हैं। बेशक धर्मगुरु हों, सामाजिक नेता हों, प्रभावी लोग या आयोजक, हजारों-लाखों की भीड़ जुटा कर उन्हें उनके ही हाल पर छोड़ देते हैं। सरकारें और प्रशासन भी इन कथित बाबाओं पर हाथ नहीं डालते। कोरोना महामारी के दौरान इसी 'भोले बाबा' ने उप्र के फर्रुखाबाद में सत्संग किया था। उसमें भी खूब भीड़ जुटाई गई थी। सरकार और प्रशासन ने उस सत्संग की इजाजत कैसे दे दी थी? घटनास्थल का दृश्य इतना भयावह, हृदयविदारक, विचलित करने वाला था कि एक पुलिस कर्मी रवि यादव को दिल का दौरा पड़ा और उनकी मौत हो गई। हम कथित 'भोले बाबा' को बुनियादी गुनहगार मानते हैं। वह और उनके सेवादार तो अस्पताल तक नहीं पहुंचे कि उनके श्रद्धालु जीवित हैं अथवा दिवंगत हो चुके हैं! मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 24 घंटे में हादसे की रपट मांगी थी। वह उन्हें मिल चुकी होगी! वह खुद घटनास्थल पर पहुंचे और अस्पताल में घायलों का हाल-चाल पूछा। बाबा कहां हैं, किसी को कोई जानकारी नहीं। वह कब तक भूमिगत रहेंगे? आखिर प्राथमिकी में उनका नाम क्यों नहीं है? एक इनसान और देश के नागरिक की कीमत 2-4 लाख रुपए नहीं है। मुद्दा और सवाल समुचित व्यवस्था और संवेदनशीलता का है। अंधविश्वास को लेकर हम किसी को कुछ भी राय नहीं दे सकते। आखिर बाबा के पांव की धूल में कौनसा कल्याण निहित है? हमारे देश में बाबाओं की भरमार भी इसलिए है क्योंकि यहां अंधभक्तों की कमी नहीं है, विशेषकर महिलाओं को जागरूक होना होगा।

हाथरस जिले के सत्संग में तब भगदड़ मच गई, जब गरीब, आम आदमी, महिलाएं आदि भक्त 'भोले बाबा' के पांव छूना चाहते थे। वह आस्था थी या धर्मान्धता थी, हम इस पर टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन एक औसत इनसान 'भगवान' नहीं हो सकता। सत्संग की भीड़ में बाबा का आशीर्वाद लेने की होड़ लगी थी। वह होड़ ही भगदड़ में तबदील हो गई। वहां कुछ फिसलन थी, गड्ढा था, लिहाजा लोग फिसल कर एक के ऊपर एक गिरने लगे। वे आपस में रौंद भी रहे थे। भीड़ में इतनी हड़बड़ी थी कि लोगों ने इनसानों को ही कुचल दिया। अंततः सत्संग 121 मौतों के साथ त्रासदी में बदल गया। करीब 35 घायल हो गए और 20 लापता बताए गए हैं। ये आंकड़े ज्यादा भी हो सकते हैं। कितने घर अनाथ हो गए। कितने घरों की 'देवियां' नहीं रहीं। बताया गया है कि 108 महिलाओं की मौत हुई है।

हाथरस में सत्संग समागम हादसा, 121 की मौत

मौत का सत्संग

प्रमोद भार्गव

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के ग्राम पुलराई में नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग समागम में मची भगदड़ में 120 से ज्यादा श्रद्धालुओं की असमय मौत हो गई। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। मौत की यह भयावह त्रासदी कोई पहली घटना नहीं है। अंधभक्त धर्मपरायण देश में ब्रह्मज्ञान देने के आयोजन निरंतर होते रहते हैं, उसी अनुपात में दुर्घटनाएं भी घटती रहती हैं। तीर्थस्थलों की आवाजाही में होने वाली वाहन दुर्घटनाओं में भी बड़ी संख्या में लोग हर साल काल के गाल में समा जाते हैं। पिछले माह संपन्न हुई हज यात्रा में भी एक हजार के करीब लोग भीशण गर्मी के चलते मक्का में मौत की नींद सो गए थे। इसमें 78 भारतीय थे। आजकल राजनेताओं और फिल्म जगत की बड़ी हस्तियों द्वारा बाबाओं की शरण में जाने से आम आदमी यह सोचने लगा है कि ब्रह्म और भविश्य के इन अलौकिक ज्ञाताओं के पास वाकई अदृश्य शक्तियां नियंत्रण में हैं। गोया, बाबा बाघेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री और सीहोर के प्रदीप मिश्रा भी आसानी से अपने प्रवचनों के लिए लाखों की भीड़ जुटा लेते हैं। भीड़ उम्मीद से ज्यादा हो जाती है और प्रशासन प्रबंधन में अकसर चूक जाता है। फलतः भगदड़ में ही सैंकड़ों लोग मर जाते हैं। आज कल नेता बाबाओं की इस भीड़ को मतदाता समझने लगे हैं। अतएव वोट के लालच में इन समागमों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं और श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं का दोहन कथित बाबाओं के मध्ययम से स्वयं एवं अपने दल के लिए दोहन करने में कोई संकोच नहीं करते हैं। वैभव और विलास में डूबे बाबा भी इन नेताओं की पैरवी करने लग जाते हैं। नतीजतन उचित प्रबंधन की प्रशासन अनदेखी कर देता है। उत्तर प्रदेश की पुलिस सेवा में आरक्शक रहे सूरजपाल जाटव को एकाएक आध्यात्मिक ज्ञान हो गया और वे नारायण साकार उर्फ भोले बाबा के रूप में सत्संग कर ब्रह्मज्ञान की रसधारा बहाने लग गए। सूरजपाल

ने 1997 में नौकरी से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर आध्यात्मिक मार्ग पर चल पड़े थे। बाबा कांसीनगर में पटियाली तहसील के बहादुर नगर के रहने वाले हैं। यही उन्होंने अपने घर को आश्रम का रूप दे दिया और प्रवचन शुरू कर दिए। बीते कुछ सालों में ही उन्होंने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में अपने असंख्य भक्त बना लिए। चमत्कारी बाबा के रूप में प्रसिद्धि मिल गई तो उनकी पत्नी भी माताश्री कही जाने लगी। भोले बाबा के सत्संग में लोग अपनी परेशानियां लेकर पहुंचने लगे। उनके द्वारा हाथ से छूकर बीमारियों को दूर करने का चमत्कार जुड़ गया। अतएव चमत्कार से वशीभूत उनके अनुयायियों का कारवां बढ़ता चला गया। वे काशी नगर के अलावा अनेक जगह बुलावे पर प्रवचन देने जाने लगे। पुलराई में जहां यह त्रासदी घटी है, वहां 80,000 से ज्यादा भक्त पहुंचे थे। जबकि प्रशासन को सूचना 50,000 लोगों के पहुंचने की दी गई थी। सत्संग जब समाप्त हुआ तो अनुमान से ज्यादा पहुंचे भक्त बाबा के चरण छूने की होड़ में लग गए और एक-दूसरे को मची भगदड़ में कुचलने लग गए। ऐसे मामलों में कभी कोई कठोर कार्यवाही हुई हो अब तक देखने में नहीं आया है। गोया, यह मामला भी कुछ दिन चर्चा में रहने के बाद शून्य में बदल जाएगा। 2018 में अमृतसर में रावण दहन के अवसर पर हुए रेल हादसे में 61 लोग मारे गए थे। सीधे-सीधे यह प्रशासनिक लापरवाही थी। देश में धार्मिक मेलों और सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान भीड़ में भगदड़ मचने से होने वाले हादसों का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है। ठीक इसी किस्म की लापरवाही केरल में कोल्लम के पास पुत्तिंगल देवी मंदिर परिसर में हुई त्रासदी के समय देखने में आई थी। इस घटना में 110 लोग मारे गए थे और 383 लोग घायल हुए थे। यह ऐसी घटना थी, जिसे मंदिर प्रबंधन और जिला प्रशासन सचेत रहते तो टाला जा सकता था। क्योंकि मलयालम नववर्श के उपलक्श में हर वर्श जो उत्सव होता है, उसमें बड़ी मात्रा में आतिशबाजी की जाती है और इसका भंडारण मंदिर परिसर में ही किया जाता है। आतिशबाजी चलाने के दौरान एक चिंगारी भंडार में रखी आतिशबाजी तक पहुंच गई और भीशण त्रासदी में लोगों की दर्दनाक मौतें हो गईं। यह हादसा इतना बड़ा और हृदयविदारक था कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिकित्सकों का दल लेकर कोल्लम पहुंचना पड़ा था। लेकिन इस तरह से संवेदना जताकर और मुआवजा देने की खानापूर्ति कर देने भर से मंदिर हादसों का क्रम टूटने वाला नहीं हैं। जरूरत तो शीर्श न्यायालय के उस निर्देश का पालन करने की है, जिसमें मंदिरों में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राश्ट्रव्यापी समान नीति बनाने का उल्लेख है। यदि प्रधानमंत्री इस हादसे से सबक लेकर इस नीति को बनाने का काम करते तो शायद यह हादसा नहीं हुआ होता ? दर्शनलाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला जारी है। धर्म स्थल हमें इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम कम से कम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती। इसलिए उनकी जो सजगता घटना के पूर्व सामने आनी चाहिए, वह अकसर देखने में नहीं आती। लिहाजा आजादी के बाद से ही राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है

तीर्थस्थलों की आवाजाही में होने वाली वाहन दुर्घटनाओं में भी बड़ी संख्या में लोग हर साल काल के गाल में समा जाते हैं। पिछले माह संपन्न हुई हज यात्रा में भी एक हजार के करीब लोग भीशण गर्मी के चलते मक्का में मौत की नींद सो गए थे। इसमें 78 भारतीय थे। आजकल राजनेताओं और फिल्म जगत की बड़ी हस्तियों द्वारा बाबाओं की शरण में जाने से आम आदमी यह सोचने लगा है कि ब्रह्म और भविश्य के इन अलौकिक ज्ञाताओं के पास वाकई अदृश्य शक्तियां नियंत्रण में हैं।

दृष्टि कोण

राजनीतिक अविश्वास से उपजा सत्ता पलट

बिहार के सहरसा में जन्मे गिरिजा प्रसाद कोइराला नेपाल में चार बार प्रधानमंत्री रहे। मई, 2008 में जब वह अंतरिम सरकार के कार्यकारी प्रधानमंत्री थे, तब भी अपनी इकलौती संतान सुजाता कोइराला को प्रधानमंत्री बनते देखना चाहते थे, लेकिन उनका यह सपना उनके साथ ही चला गया। नेपाली कांग्रेस की राजनीति आज भी स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला को केंद्र में रखकर की जाती है। उसका उदाहरण मंगलवार को तब देखने को मिला, जब कोइराला की 100वीं जयंती के अवसर पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। 'क्रांति से शांति तक' नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर 'पीएम इन वेटिंग', केपी शर्मा ओली भी पधारे। उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है। मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की, कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोड़ूंगा। एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं। तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है। आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी। उसके आठ मंत्री सरकार में थे, उन्होंने भी त्यागपत्र दे दिया। एमाले ने चौबीस घंटे के भीतर प्रचंड से प्रधानमंत्री पद छोड़ने को कहा है। प्रचंड ने सुबह ही मना कर दिया था कि फ्लोर टेस्ट के बाद ही सब तय होगा। संविधान के अनुच्छेद 100 (2) में कहा गया है कि यदि गठबंधन में कोई राजनीतिक दल अपना समर्थन वापस ले लेता है, तो प्रधानमंत्री 30 दिन के भीतर विश्वास मत के लिए प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश करेंगे। अब सबको लग गया है कि प्रचंड आसानी से पद छोड़ने वाले नहीं। सोमवार को जब 'सूर्य अस्त, नेपाल मस्त' था, तब रात सवा बारह बजे काठमांडो के बूढ़ा नीलकंठ स्थित चपली हाइट रिसोर्ट में नेकपा-एमाले (यूएमएल) और नेपाली कांग्रेस ने सत्ता परिवर्तन का समझौता किया था। चपली समझौते में तय हो गया कि बचे हुए टर्म के आधे कालखंड में केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री रहेंगे, और शेष समय शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालेंगे। लिखित सहमति के अनुसार, 'ओली नेपाली कांग्रेस और अन्य सीमांत दलों के समर्थन से नई सरकार का नेतृत्व करेंगे। संविधान संशोधन किया जायेगा। समानुपातिक चुनाव प्रणाली बदली जाएगी, नेपाली कांग्रेस गृह सहित 10 मंत्रालयों का नेतृत्व करेगी। यूएमएल को वित्त सहित नौ मंत्रालय मिलेंगे। कांग्रेस और यूएमएल तीन-तीन प्रांतीय सरकारों का नेतृत्व करेंगे, मगर मधेश में सरकार का नेतृत्व एक क्षेत्रीय पार्टी करेगी।' चपली हाइट रिसोर्ट से ही सन्देश जारी किया गया कि इस समझौते का अनुमोदन हम मंगलवार से करने जा रहे हैं, राष्ट्रीय सहमति की सरकार में माओवादियों को छोड़कर, जो शेष दल आना चाहते हैं, उनका स्वागत है। 'चपली समझौते' को सत्ता पलट का प्रयास कहा जाये, तो अनुचित नहीं होगा। ओली ने यह ब्रह्मास्त्र चलाया क्यों, उसके पीछे की वजह अविश्वास है। प्रचंड अलग-अलग ठिकानों पर नेपाली कांग्रेस के नेताओं से बात कर रहे थे, यह खबर केपी शर्मा ओली को थी। एमाले के नेता प्रदीप कुमार ज्ञावाली ने बुधवार को कहा, 'पीएम प्रचंड राष्ट्रीय सर्वसम्मति वाली सरकार बनाने के लिए पिछले एक महीने से नेपाली कांग्रेस के नेताओं के साथ बातचीत कर रहे थे, जिससे अविश्वास की स्थिति पैदा हो गई। इसने अंततः हमें नेपाली कांग्रेस के साथ बातचीत शुरू करने के लिए मजबूर किया।' लेकिन केवल यही बात नहीं थी, राजदूतों की नियुक्तियों में भी दोनों नेताओं में तू-तू, मैं-मैं हुई थी। पांच टर्म प्रधानमंत्री रह चुके शेर बहादुर देउबा 26 दिसंबर, 2022 को सत्ता से बाहर हुए थे, उसी दिन केपी शर्मा ओली की पार्टी 'नेकपा-एमाले' की मदद से प्रचंड प्रधानमंत्री बन गए। लेकिन, ओली से पटरी बैठना प्रचंड के लिए भी आसान नहीं था। मंत्रालयों की फाइलें और राजदूतों की नियुक्तियां मतभेद का कारण बनती चली गईं। देश आर्थिक रूप से जर्जर और ज़रूरी वस्तुओं से अभावग्रस्त होने लगा। इंडस्ट्री धड़ाधड़ बंद होने लगी, मगर दोनों नेताओं में अहं का टकराव चरम पर था। ओली और दाहाल के बीच दरार की सबसे बड़ी वजह नेपाल प्रतिभूति बोर्ड (सेबन) में अध्यक्ष की नियुक्ति, झापा स्थित गिरीबन्धु चाय बगान भूमि स्कैंडल में फंसे ओली, और भूटानी शरणार्थियों की कबूतरबाज़ी का मामला भी रहा है। तीन महीने से अधिक समय से सेबन चेयरमैन का पद ख़ाली है, जिससे अरबों रुपये के प्रतिभूति के आवेदन अटके पड़े हैं। दोनों नेता अपने भरोसे के आदमी को शिखर पर बैठाना चाह रहे थे। पांच उम्मीदवार शॉर्टलिस्ट किए गए। लेकिन जब कोई निष्कर्ष नहीं निकला, तो शुक्रवार को वित्त मंत्रालय ने 'सेबन' में अध्यक्ष की नियुक्ति को रद्द करने की घोषणा कर दी।

कुछ अलग

भटकती गुलामी...

चिंता न करें, इस देश की समस्याओं को हल करने का एक नया तरीका तलाश लिया गया है। अंग्रेज जब भारत छोड़ कर गए थे, तो लगभग पौन सदी पहले जो देश आजाद कहलाता हुआ हमारे राष्ट्र निर्माताओं को नवनिर्माण के लिए मिला था, उसके पास अपने सांस्कृतिक गौरव के सिवा तब अभिमान करने के लिए संभवतः कुछ भी नहीं था। उस समय भारत के सीने पर एक लकीर खींच दी गई। करोड़ों लोगों को घरबार जमा जत्था छोड़ कर अपने पूर्वजों की धरती से निष्कासित हो नई धरती, नई मिट्टी को गले लगाना पड़ा था या उसे चंदन समझ माथे पर लगाना पड़ा था। तब देश के दो टुकड़े हो गए, अब टुकड़े-टुकड़े हो रहे हैं। तब आर्यवर्त बना, भारत, पाकिस्तान बना। जो लोग पीछे रह गए थे, वे विदेशी हो गए, शत्रु बने, युद्धों में उलझे और अब सरहदों का अतिक्रमण कर आतंकी हो सबका जीवन दूभर कर रहे हैं। तब दुनिया का सबसे बड़ा निष्क्रमण जो पाकिस्तान से भारत में हुआ, अपने देश में आ सिर छिपाने का आसरा तलाशने वाले शरणार्थी कहलाए, लेकिन अपना राज्य, अपना लोकतंत्र आजादी से सिर ऊंचा करके जीने की तमन्ना आज भी नहीं मिली। गर्व के न जाने कितने नए धरातल तब उभर आए थे। आजाद भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दुनिया का सबसे बड़ा समाजवादी देश बनेगा। अमीर और गरीब में कोई अंतर नहीं रहेगा। ठीक है दो सौ बरस की गुलामी के कारण बहुत पिछड़ गया था अपना देश। इसे योजनाबद्ध आर्थिक विकास की पटरी पर कुछ इस प्रकार सरपट भगाया जाएगा कि सदियों की भूख, बेकारी, बीमारी और दरिद्रता दूर हो जाएगी। विश्व की चुनिंदा महाशक्तियों में एक बनेगा हमारा भारत। वह दिन भी आएगा, जब यह भारत सांस्कृतिक समृद्धि ही नहीं, भौतिक प्रगति की दृष्टि से भी दुनिया का नंबर एक राष्ट्र बनेगा। बरस दर बरस गुजरे, योजना आयोग का स्पूतनिक इंजन सपनों से पल्लवित विकास की गाड़ी को बारह पांचवर्षीय आर्थिक विकास योजनाओं के नाम से देश की सरपट भगाने की घोषणाओं के साथ भगाता चला गया, लेकिन सपनों के कांच टूटते गए। जब छह वर्ष पहले अच्छे दिन आने का कल्पतरु लेकर नए मसीहा देश की गद्दियों पर आसीन हुए तो पता चला कि परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण कर लेने का दावा करने वाला देश 33 करोड़ से एक सौ तैंतीस करोड़ हो चुका था और अभी इस संख्या के नियंत्रित होने की कोई उम्मीद नहीं थी। देश के मसीहाओं ने अपने परिवार नियोजन कार्यक्रमों की असफलता को स्वीकार करने के स्थान पर इस बीच इसे दुनिया की सबसे बड़ी कार्यशील युवा शक्ति वाला देश कह कर सबका दिल बहलाना चाहा। लेकिन यह कैसी कार्यशील जनता थी कि जिसके पास कोई काम नहीं था। आबादी के लिहाज से हम चीन को पछाड़ दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने जा रहे हैं, लेकिन किसी ने भी इन चिल्लाहट भरी विजय घोषणाओं के बीच यह नहीं बताया कि यह देश दुनिया की सबसे अधिक बेकार शक्ति का देश भी बनता जा रहा है। इस बीच दिल को बहलाने के लिए उपलब्धि और संतोष का एहसास प्राप्त करने के लिए हमने ऐसे नए-नए तरीके ईजाद कर लिए हैं कि आम लोगों को भी बारात जीमने का एहसास होने लगा है। बारह पंचवर्षीय योजनाओं ने सामाजिक और अर्थिक कायाकल्प के स्थान पर देश को आर्थिक मंदी का उपहार दे दिया, तो हमने योजना आयोग को विकास का स्पूतनिक इंजन के स्थान पर सफेद हाथी कह कर नकार दिया। इसी सफेद हाथी से छुटकारा पाकर नीति आयोग बनाया जो अभी तक अपने लिए किसी नई आर्थिक नीति की तलाश कर रहा है। पंचवर्षीय योजनाओं की रेलगाड़ी भारत की अधबनी अधूरी विकास यात्रा के किसी वीरान स्टेशन पर शंटिंग कर रही है और अभी तक अपने लिए किसी सही विकास अवधि की तलाश कर रही है।

देश दुनिया से

आस्था, निश्चय और अध्यात्म

भजन गाते-गाते अक्सर भाव विभोर होकर नाचने लगते। उनके बारे में मशहूर था कि जब कभी भी वे नाचते थे तो बारिश होने लगती थी। गांव की अधिकांश आबादी किसानों की थी जिनका काम ही खेती करना था। अपनी फसलों के लिए जब कभी भी उन्हें बारिश की जरूरत होती तो वे संत जी से प्रार्थना करते, संत नाचना शुरू करते, उमड़-घुमड़ करते बादल आ जाते और बारिश शुरू हो जाती। एक बार उस गांव में पास के एक शहर से दो युवक आए। गांव के लोगों से बातचीत में उन्हें संत की इस खूबी के बारे में पता चला तो उनका मन अविश्वास से भर गया। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि भला किसी व्यक्ति के नाचने भर से बारिश कैसे हो सकती है।

प्राचीन समय की बात है कि एक गांव में एक संत का निवास था। मस्त मलंग संत थे। भजन गाते-गाते अक्सर भाव विभोर होकर नाचने लगते। उनके बारे में मशहूर था कि जब कभी भी वे नाचते थे तो बारिश होने लगती थी। गांव की अधिकांश आबादी किसानों की थी जिनका काम ही खेती करना था। अपनी फसलों के लिए जब कभी भी उन्हें बारिश की जरूरत होती तो वे संत जी से प्रार्थना करते, संत नाचना शुरू करते, उमड़-घुमड़ करते बादल आ जाते और बारिश शुरू हो जाती। एक बार उस गांव में पास के एक शहर से दो युवक आए। गांव के लोगों से बातचीत में उन्हें संत की इस खूबी के बारे में पता चला तो उनका मन अविश्वास से भर गया। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि भला किसी व्यक्ति के नाचने भर से बारिश कैसे हो सकती है। वे जानते थे कि यह बात प्रकृति के नियमों के अनुकूल नहीं है। लेकिन गांव वालों ने उन्हें विश्वास दिलाया कि ऐसा होता है, हर बार होता है, लगातार होता है, बिना किसी अपवाद के होता है। गांव भर के बहुत से अलग-अलग लोगों ने जब इसकी गवाही दी तो उन्हें ये तो मानना ही पड़ा कि संत के नाचने की बात झूठ नहीं हो सकती, लेकिन वे फिर भी ये नहीं समझ पाए कि इसका रहस्य क्या है। आखिरकार एक युवक ने कहा कि हो सकता है कि यहां की मिट्टी में कोई खास बात हो जिसके कारण जब भी कोई नाचे तो बारिश होने लगे या यह गांव ही पृथ्वी पर किसी ऐसे कोण पर बसा हो जिसमें किसी के नाचने से बादलों को आकर्षित कर पाना संभव हो। यह बात दूसरे युवक को भी जंच गई। अब उन्होंने गांव वालों से कहा कि अगर एक संत के नाचने से बादल आ जाते हैं और बारिश होने लगती है, तो हमारे नाचने से भी वैसा ही होगा, और अगर हम नाचेंगे तो भी बारिश होगी ही होगी। गांव वाले उनकी बात सुन कर हंस पड़े, पर दोनों युवक अपनी बात पर अड़े रहे। आखिरकार गांव के मुखिया ने उन युवकों से कहा कि अगर आपके नाचने से बारिश हो जाए तो मैं मुखिया का पद छोड़ दूंगा और आप दोनों में से जो भी चाहे, वह गांव का मुखिया बन जाएगा। दोनों युवकों ने शर्त मंजूर कर ली और नाचना आरंभ कर दिया। समय बीतता गया, पर बादलों का कहीं अता-पता नहीं था। सवेरे से दोपहर हो गई। दोनों युवक थक कर चूर हो गए। भूख, प्यास और थकावट से परेशान होकर आखिरकार उन्होंने हार मान ली, लेकिन उन्होंने कहा कि अगर हमारे नाचने से बारिश नहीं हुई है तो हमें प्रमाण दीजिए कि संत के नाचने से बारिश हो जाती है। गांव के लोगों ने इक्ट्ठे होकर संत से प्रार्थना की कि वे नाचें और अपनी साधना से बादलों को बुलाएं, ताकि बारिश हो जाए। संत ने हमेशा की तरह भाव विभोर होकर भजन गाना शुरू किया और जैसे-जैसे तान बढ़ी, उनके शरीर में हिलोरें उठने लगीं और वे मस्त होकर नाचने लगे। दोपहर से शाम होने को आई, लेकिन इस बार भी बादलों का नामोनिशान नहीं था, पर संत थे कि मस्त होकर गाए जा रहे थे और नाचे जा रहे थे। उनकी गति में, उनके उत्साह में कहीं कोई कमी नहीं पड़ी। कुछ देर और गुजरी, सूरज छुपने को आया कि तभी बादलों के झुंड के झुंड आ गए और झमाझम बारिश होने लगी। गांव वाले खुश होकर तालियां बजाने लगे और दोनों युवकों को स्वीकार करना पड़ा कि संत जी के बारे में कही गई बात गलत नहीं है। संत ने जब नाचना बंद किया तो दोनों युवकों ने उन्हें दंडवत प्रणाम किया और उनसे पूछा कि उनके नाचने और बारिश आने का रहस्य क्या है? संत जी ने उनकी शंका का समाधान करते हुए उत्तर दिया कि बारिश आने के दो कारण हैं। पहला तो यह कि मुझे विश्वास है कि मैं नाचूंगा तो बारिश आएगी ही, और दूसरा यह कि कुछ भी हो जाए मैं तब तक नाचता ही रहूंगा, जब तक कि बारिश आ ही न जाए। आस्था और निश्चय के इस मेल को ही भक्त शिरोमणि गोस्वामी तुलसी दास जी ने अपनी इस चौपाई में बहुत ही सुंदर ढंग से व्यक्त किया है : 'जेहि के जेहि पर सत्य सनेहू, सो तेहि मिलहि न कछु संदेहू।' इस चौपाई का अर्थ है कि यदि हम किसी चीज को पूरे मन से चाहेंगे तो वह चीज हमें मिलकर रहेगी। हमारे धर्म ग्रंथों में ऐसे बहुत से मंत्र हैं, जी हां, इन्हें मंत्र ही कहा जाना चाहिए, जो हमारे लिए अध्यात्म की प्रकृति का खुलासा करते हैं, हमारा मार्गदर्शन करते हैं कि हम क्या करें, जिससे हमारा जीवन सुखी हो जाए, सफल हो जाए और जीवन में शांति आ जाए, या यह कि परमात्मा को प्राप्त करने के लिए हम क्या कर सकते हैं। अपने भाग-दौड़ वाले इस जीवन में हम अक्सर इन मंत्रों और टोटकों को अनदेखा कर देते हैं और इनके असीमित लाभ से वंचित रह जाते हैं। गुरु ग्रंथ साहिब में सिख गुरुओं की वाणी के अलावा भी तब के अन्य महान ऋषियों, संतों, फकीरों की वाणी संकलित है। गुरु ग्रंथ साहिब को जानने, पढने, सुनने वाले लोग जानते हैं कि गुरु ग्रंथ साहिब जी में जगह-जगह एक शब्द 'रहाउ' का प्रयोग किया गया है। इसका प्रयोग यूं ही नहीं किया गया है। इस शब्द के प्रयोग में एक गूढ़ रहस्य छुपा हुआ है। 'रहाउ' का शाब्दिक अर्थ है 'ठहरिए'।

आप का नजरिया

उपचुनावों को कहां खबर

उपचुनावों में सियासी चरित्र बिक रहा है, इस घर की घंटियां उसके आंगन में शोर कर रही हैं। तीन उपचुनाव या इससे पहले छह उपचुनावों में प्रदेश के सियासी चरित्र, निवेश और क्षमता का बदलता स्वरूप दिखाई दे रहा है। आश्चर्य यह कि चुनाव अब बोलते नहीं, तौले जाते हैं सत्ता के नसीब और सियासी रिश्तेदारी के करीब। अगर राजनीति प्रदेश के मुकद्दर बदलने का प्रण होती, तो राज्य में पहुंचे वित्तायोग तथा हिमाचल की वित्तीय स्थिति पर खुलकर बात या बहस होती। जिस राज्य को इस साल तक 94992 करोड़ रुपए का कर्ज उतारना हो, वहां चुनाव की चिंता में विपक्ष यह रखवाली कर रहा है कि डेढ़ सौ यूनिट मुफ्त बिजली आपूर्ति का फैसला कहीं पलट न जाए। हैरानी यह कि हमारे उपचुनाव को कानों-कान खबर नहीं कि बजट की कुल 58444 करोड़ की राशि से कहीं साढ़े छत्तीस हजार करोड़ अधिक की उधारी है। औकात यह कि वेतन, पेंशन और कर्ज उतारने के लिए ही ब्यालीस हजार करोड़ जा रहे हैं। जिस प्रदेश को साढ़े चवालीस हजार करोड़ के ही भरने हों, उसके कंधे पर करीब पचानवें हजार करोड़ का कर्ज राजनीति की तासीर बदल सकता है, लेकिन सरकार चलाने वालों के लिए आर्थिकी या वित्तीय व्यवस्था के क्या मायने। अगर रत्ती भर संवेदना होती तो उपचुनाव के प्रश्न बदल जाते, लेकिन ऐसा प्रचार हो नहीं रहा। ऐसे में चुनाव प्रचार में फुर्सत से तोहमतें और आगा-पीछा करते दोषारोपण का सामान चारों ओर बिखरा पड़ा है। उपचुनाव से कहीं भिन्न युवाओं का दर्द, गुस्सा, जनता की खामोशियां, सामाजिक व्यवहार की विद्रूपता, जातिवाद और सत्ता के लाभार्थियों की ख्वाहिशें, अपने-अपने स्वार्थ की दिशा खोज रही हैं। बहरहाल बयानों की दीर्घा में उपचुनावों की गर्मी अब एक अलहदा माहौल की परिपाटी खड़ी कर रही है, तो जिक्र बदलने लगा है। विपक्ष अब परिस्थितियों को सरकार की हैसियत से तौलने लगा है। जाहिर है बिलासपुर और बीबीएन की आपराधिक घटनाओं ने कुछ सुलगते प्रश्न बिखेर दिए हैं और इन्हीं के परिप्रेक्ष्य में विपक्ष को हल्ला बोलने का अवसर मिल गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. राजीव बिंदल ने हिमाचल में पनपते माफिया की ओर इंगित करते हुए न केवल बिलासपुर और बीबीएन की बंदूक संस्कृति के लिए सरकार को आड़े हाथ लिया, बल्कि औद्योगिक कबाड़, खनन, नशा और शराब में घुसे माफिया पर ध्यान आकृष्ट किया है। सीधे-सीधे ये आरोप हिमाचल की बगल में छुरी देख रहे हैं। तरक्की के पैमानों के ठीक नीचे माफिया का हुलिया नया नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री रहते हुए भी, वीरभद्र सिंह ने एक तरह से मान लिया था कि माफिया अब शिरकत करने लगा है। वीरभद्र सिंह ने ठेकेदारी प्रथा में माफिया घुसपैठ के आरोप भी लगाए थे। बहरहाल ये आरोप नए नहीं और जनता कबूल कर चुकी है कि हिमाचल अब भोले-भाले लोगों का राज्य नहीं है। तरक्की के सारे पैमाने एक ऐसा वर्ग तैयार कर चुके हैं, जो प्रभावशाली ढंग से शासन, प्रशासन और सरकारी मशीनरी से गलबहियां डालकर चलता है। बीबीएन के उत्पादन से कहीं अधिक चर्चित कबाड़ में हाथ, नशे की पड़ताल से कहीं दूर बिक्री का जाल, शराब की बिक्री में दौलत बेहिसाब और रेत में कमाई का जाल बुनने वाले सामान्य नहीं हैं।

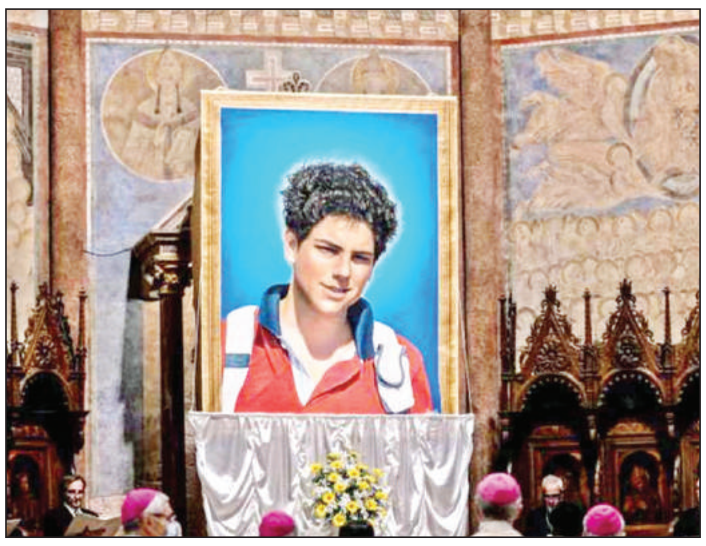

वीडियो गेम खेलने वाले लड़के ने कमाया नाम, अब बनेगा मिलेनियल संत, पोप ने दी मंजूरी, कैथोलिक चर्च के जयंती समारोह में होगा ऐलान

वेटिकन सिटी, 05 जुलई (एजेंसियां) । क्या वीडियो गेम से कोई दुनिया में नाम कमा सकता है। ऐसा फिल्मी में या सपनों में हो सकता है लेकिन हकीकत में ऐसा हुआ है वीडियो गेम खेलने वाले एक लड़को को कैथोलिक चर्च ने मिलेनियल संत बनने की मंजूरी दे दी है। कार्लो एक्यूटिस ने अपने गेमिंग का इस्तेमाल कैथोलिक धर्म का प्रचार करने के लिए किया और युवाओं को जोड़ने में अहम भूमिका निभाई। वह अपने फॉलोवर्स के बीच उन्हें गॉड इन्फ्लुएंसर के नाम से प्रसिद्ध थे। एक्यूटिस की साल 2006 में 15 साल की उम्र में ल्यूकीमिया से मौत हो गई थी। कैथोलिक चर्च में संत के रूप में मान्यता प्राप्त करने में दशकों लग सकते हैं, लेकिन एक्यूटिस के मामले में चर्च ने तेजी दिखाई। एक्यूटिस ने दुनिया भर में बड़ी संख्या में अपने अनुयायी बनाए थे। मिलेनियल शब्द उस युवा पीढ़ी के लिए इस्तेमाल किया जाता है जिनका शुरुआती जन्म 1980 से शुरू होता है और 1990-2000 के बीच तक है। सरल शब्दों में समझें तो साल 1981 से 1996 के बीच पैदा हुए बच्चों को मिलेनियल कहा जाता है। कैथोलिक चर्च डिजिटल युग में युवा पीढ़ी के साथ जुड़ना चाहता है। ऐसे में अक्सर जींस और ट्रेनर में दिखाए जाने वाले एक्यूटिस की कहानी चर्च के लिए काफी मददगार साबित हुई है, क्योंकि वह कैथोलिक युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। बता दे मई में एक्यूटिस द्वारा किए दूसरे चमत्कार को पोप फ्रांसिस ने मान्यता दी। इस फैसले ने एक्यूटिस के संत बनने का मार्ग प्रशस्त किया। इसके बाद अंतिम चरण में पोप संत बनने के पक्ष में मतदान की घोषणा की। विगत दिवस यह चरण पूरा हुआ जब वेटिकन ने ऐलान किया कि पोप ने आदेश दिया है कि कॉर्डिनल्स द्वारा 14 अन्य लोगों के साथ एक्यूटिस के संत बनने के पक्ष में मतदान करने के बाद संतत्व की घोषणा आगे बढ़ेगी। हालांकि, एक्यूटिस के संत बनने की तिथि अभी तय नहीं की गई है, लेकिन 2025 में कैथोलिक चर्च के जयंती समारोह में इसका ऐलान करने की संभावना है। संत घोषित करने का समारोह पोप की अध्यक्षता में होगा। इसके वेटिकन सिटी के सेंट पीटर स्क्वायर में होने की उम्मीद है, जिसमें हजारों लोग शामिल होंगे। इस दौरान एक्यूटिस को औपचारिक रूप से संत घोषित किया जाएगा। संत बनने की घोषणा का मतलब होगा कि दुनिया भर में कैथोलिक चर्च अपने स्कूलों का नाम कार्लो एक्यूटिस के नाम पर रख सकते हैं और हर साल त्यौहार के दिन उन्हें याद रखें।

न्यूज़ ब्रीफ

बाइडन ने अपने गर्वनरों से ज्यादा नींद लेने की अपील की, कहा- रात आठ बजे के बाद कार्यक्रमों में जाने से बचें

वाशिंगटन डीसी । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने डेमोक्रेटिक गवर्नरों के समूह से ज्यादा से ज्यादा नींद लेने की अपील की है। साथ ही कम घंटे काम करने और रात आठ बजे के बाद कार्यक्रमों में ना जाने के लिए कहा है। पिछले हफ्ते रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प के साथ बहस में खराब प्रदर्शन के बाद सारा ध्यान वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन पर केंद्रित हो गया है। ट्रम्प के बारे में बात करने के बजाय बाइडन रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों के लिए सुर्खियों का केंद्र बन गए हैं। पार्टी की बढ़ती चिंताओं के बीच की बैठक मानसिक और शारीरिक फिटनेस को लेकर पार्टी में बढ़ती चिंताओं को शांत करने के लिए बाइडन ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और डेमोक्रेटिक गवर्नर्स के साथ बैठक की। यह बैठक तब हुई है जब पार्टी में आवाज उठ रही है कि ट्रंप को टक्कर देने के लिए एक मजबूत उम्मीदवार को मौका दिया जाना चाहिए। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में बाइडन ने 12 से ज्यादा डेमोक्रेटिक गवर्नरों के एक समूह को बताया कि उन्हें ज्यादा सोना, काम के घंटे कम और करने और रात आठ बजे के बाद के कार्यक्रमों में ना जाने के लिए कहा है। चुनावी बहस के बाद ट्रंप ने बनाई बढ़त बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेट पार्टी में ही उन्हें राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से हटाने की मांग उठने लगी है। पहले भी ये चर्चा थी, लेकिन बहस के बाद इसे लेकर स्वर तेज होने लगे हैं। पिछले सप्ताह हुई बहस के बाद राष्ट्रपति पद की दौड़ में डोनाल्ड ट्रंप ने जो बाइडन पर छह अंकों की बढ़त बना ली है। मीडिया के नए पोल में यह खुलासा हुआ है। गौरतलब है कि पहली बहस के दौरान डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडन पर भारी पड़े थे, जिसकी पूरी दुनिया में चर्चा हुई। पोल के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप को 48 प्रतिशत और जो बाइडन को 42 प्रतिशत लोगों ने समर्थन दिया।

भारत-थाईलैंड के खतरे एक जैसे,पिछले 10 वर्षों में बढ़ा सैन्य सहयोग:भारतीय राजदूत बोले

बैंकॉक । 10 साल पहले दोनों देशों में सुरक्षा को लेकर ऐसा सहयोग नहीं था, लेकिन अब पता चला है कि दोनों देशों के साझा खतरे हैं और हमारे रणनीतिक हित भी साझा हैं। इसलिए हमने सैन्य स्तर पर बातचीत शुरू की है। तीनों सेनाओं के स्तर पर बैठकें हो रही हैं। थाईलैंड में भारत के राजदूत नागेश सिंह ने कहा है कि भारत और थाईलैंड के साझा खतरे हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग में तेजी आई है और उनके अधिकांश उद्देश्य भी साझा हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने स्टाफ स्तर पर और तीनों सशस्त्र बलों के बीच अधिक संवाद और अभ्यास शुरू किए हैं।नागेश सिंह ने कहा कि बंगाल की खाड़ी में मानव तस्करी और अनियमित मछली पकड़ने के मुद्दे भी हैं। पिछले 10 वर्षों में बढ़ा है रक्षा सहयोग भारतीय राजदूत ने कहा, दोनों देशों में खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान के स्तर पर सहयोग बढ़ा है, लगातार बैठकें हो रही हैं। 10 साल पहले दोनों देशों में सुरक्षा को लेकर ऐसा सहयोग नहीं था, लेकिन अब पता चला है कि दोनों देशों के साझा खतरे हैं और हमारे रणनीतिक हित भी साझा हैं। इसलिए हमने सैन्य स्तर पर बातचीत शुरू की है। तीनों सेनाओं के स्तर पर बैठकें हो रही हैं।

शराब के सेवन से युवाओं में भी बढ़ जाता है स्वास्थ्य का जोखिम, अध्ययन में सामने आई जानकारी

वाशिंगटन । युवाओं को ज्यादा उम्र वाले लोगों की तुलना में शराब के सेवन से अधिक स्वास्थ्य जोखिम का सामना करना पड़ता है। प्रमुख शोध पत्रिका में शुक्रवार को प्रकाशित एक वैश्विक अध्ययन में यह बात कही गई है। भौगोलिक क्षेत्र, आयु, लिंग और वर्ष के आधार पर शराब से जुड़े जोखिम के बारे में यह पहला अध्ययन है। अध्ययन में कहा गया है कि दुनिया भर में शराब की खपत की सिफारिशें उम्र और स्थान पर आधारित होनी चाहिए, जिसमें सबसे सख्त दिशानिर्देश 15-39 साल के आयु वर्ग के पुरुषों के लिए लक्षित हों। अध्ययन में कहा गया है कि इस उम्र समूह में शराब के सेवन से स्वास्थ्य का जोखिम बढ़ जाता है। अध्ययन से यह भी पता चलता है कि अगर कोई गंभीर बीमारी नहीं हो तो 40 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वयस्कों को कम मात्रा में शराब के सेवन से कुछ लाभ मिल सकता है। ऐसे में इस समूह को हृदय रोग, हृदयाघात और मधुमेह का जोखिम कम होता है। शोधकर्ताओं ने 204 देशों में शराब के सेवन के अनुमानों के आधार पर गणना की कि 2020 में 1.34 अरब लोगों ने हानिकारक मात्रा में इसका सेवन किया।

पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस भी हारीं, कंजर्वेटिव पार्टी के कई बड़े नामों को मिली शिकस्त

लंदन, 05 जुलई (एजेंसियां) ।

ब्रिटेन के आम चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस को भी हार का सामना करना पड़ा है। लिज ट्रस के साथ ही कंजर्वेटिव पार्टी के कई कैबिनेट मंत्रियों को भी हार का सामना करना पड़ा है। लेबर पार्टी ने ऐतिहासिक बहुमत हासिल करते हुए कंजर्वेटिव पार्टी को बुरी तरह पछाड़ दिया है। लिज ट्रस, ऋषि सुनक से पहले ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनी थी, लेकिन 45 दिन बाद ही उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। लिज ट्रस का बतौर प्रधानमंत्री 45 दिन का कार्यकाल रहा आलोचकों के निशाने पर कंजर्वेटिव पार्टी के समर्थक मानते हैं कि पार्टी की ऐतिहासिक हार के लिए लिज ट्रस की सरकार के वो अशांत 45 दिन भी जिम्मेदार हैं। लिज ट्रस को वेस्ट नॉरफॉक सीट पर लेबर पार्टी के उम्मीदवार टेरी जेर्मी ने करीबी मुकाबले में 630 वोटों से हरा दिया। देश के पहले ब्रिटिश भारतीय मूल के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक उत्तरी इंग्लैंड की अपनी रिचमंड और नॉर्थलेर्टन सीट पर जीत दर्ज करने में सफल रहे हैं।

हालांकि कंजर्वेटिव पार्टी की 14 साल बाद सत्ता से विदाई हो गई है। न सिर्फ लिज ट्रस, बल्कि कंजर्वेटिव पार्टी के कई बड़े नेताओं को हार का सामना करना पड़ा है। इनमें पेनी मोर्डंट और पूर्व मंत्री जैकब रीस मोग का नाम भी शामिल है।

सुनक सरकार के कई कैबिनेट मंत्रियों की भी हुई हार

साथ ही ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ग्रांट शैप्स, न्याय मंत्री एलेक्स चाक और कैबिनेट मंत्री मिशेल डोनेलन को भी हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि कंजर्वेटिव पार्टी के नेता जेरेमी हंट, जिन्हें कमजोर माना जा रहा था, वह अभी बढ़त बनाए हुए हैं। दक्षिणी इंग्लैंड में कंजर्वेटिव पार्टी को लिबरल डेमोक्रेट्स पार्टी ने तगड़ा झटका दिया है। दक्षिण इंग्लैंड में लिबरल डेमोक्रेट्स पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया है। दक्षिणपंथी नेता निगेल फराज की पार्टी रिफॉर्म यूके के समर्थन में भी कमी आई है।

साथ ही कंजर्वेटिव सरकार में पूर्व मंत्री रहे जॉनी मर्सर भी हार गए। शिक्षा मंत्री गिलियन कीगन को भी हार का सामना करना पड़ा है। संस्कृति मंत्री लूसी फ्रेज़र एली की भी हार हुई है। ब्रिटेन के आम चुनाव के नतीजे घोषित हो चुके हैं। इन नतीजों के अनुसार, लेबर पार्टी ने प्रचंड जीत हासिल की है और 650 में से 411 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी 119 सीटों पर सिमट गई है। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री होंगे। ऋषि सुनक ने पीएम पद से इस्तीफे का एलान कर दिया है, साथ ही उन्होंने कीर स्टार्मर को जीत की बधाई भी दी है।

राष्ट्रपति पद के लिए दूसरे चरण का चुनाव, पेजेशकियन और जलीली के बीच मुकाबला

तेहरान। ईरान में राष्ट्रपति चुनाव के पहले चरण में कोई भी उम्मीदवार जरूरी 50 फीसदी वोट हासिल नहीं कर सका। ऐसे में चुनाव दूसरे चरण में पहुंच गया है। तहत मतदान हो रहा है। इस चरण में टॉप के दो कैंडिडेट रिफॉर्मिस्ट लीडर मसूद पेजेशकियन और कंजर्वेटिव सईद जलीली के बीच मुकाबला हो रहा है। रन ऑफ पोल में जिसकी भी जीत होगी, वह ईरान का अगला राष्ट्रपति होगा। बता दें कि 19 मई को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत हो गई थी। उनके साथ हेलीकॉप्टर में विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन और अन्य अधिकारियों की भी जान चली गई थी। इब्राहिम के निधन के बाद ईरान में स्नैप पोल कराया जा रहा है। गार्डियन काउंसिल ने चार प्रत्याशियों के नाम पर अपनी मुहर लगाई थी। जिसके बाद 28 जून को मतदान हुआ और 29 जून को मतों की गिनती की गई थी। लेकिन पहले चरण में इन चार उम्मीदवारों में से कोई भी जरूरी 50 फीसदी वोट हासिल नहीं कर सका। इस दौरान रिफॉर्मिस्ट लीडर मसूद पेजेशकियन को 42.5 फीसदी वोट मिले, जबकि कंजर्वेटिव सईद जलीली को 38.6 फीसदी वोटों से संतोष करना पड़ा। 1979 में इस्लामी गणराज्य की स्थापना के बाद से ईरान के इतिहास में सबसे कम मतदाता मतदान से प्रभावित हुआ। 60 मिलियन मतदाताओं में से केवल 24 मिलियन ने अपने मत का प्रयोग किया, जिसके परिणामस्वरूप निराशाजनक 40 फीसदी मतदान हुआ। पहले चरण के चुनाव के बाद गार्डियन काउंसिल ने चुनाव का दायरा सीमित कर दिया, जिससे चुनावी दौड़ पेजेशकियन और जलीली के बीच सिमट गई। बता दें कि पेजेशकियन मोहम्मद खतामी की सरकार में हेल्थ मिनिस्टर रह चुके हैं। वहीं, सईद जलीली ईरान के पूर्व चीफ न्यूक्लियर नेगोशिएटर रह चुके हैं। अब इन दोनों के बीच ही प्रमुख मुकाबला है।

पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बनाए गए आरोपी सरकारी तोहफे बेचने का आरोप

रियो डी जेनेरियो, 05 जुलाई (एजेंसियां) ।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर सऊदी अरब मिले महंगे उपहारों के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोप लगे हैं। ब्राजीली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय पुलिस ने बोल्सोनारो को मनी लॉन्ड्रिंग, गबन और आपराधिक संगठन का आरोपी लगाया है। यह मामला 32 मिलियन डॉलर मूल्य के हीरे के आभूषणों से जुड़ा है जिसे अक्टूबर 2021 में सीमा शुल्क विभाग ने जब्त किया था।

सऊदी अरब सरकार से मिले थे महंगे तोहफे

जेयर बोल्सोनारो साल 2019 से लेकर 2022 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रहे थे। बोल्सोनारो पर आरोप है कि साल 2019 में राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा की थी। इस दौरान उन्हें सऊदी अरब की सरकार से करीब 68 हजार डॉलर के महंगे आभूषण तोहफे में मिले थे। आरोप है कि बोल्सोनारो ने उन्हें बेचकर नकदी अपने पास रख ली थी, जो कानून का उल्लंघन है। हालांकि बोल्सोनारो ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया था। बोल्सोनारो के बेटे और ब्राज़ील के सीनेटर फ़्लेवियो बोल्सोनारो ने अपने पिता के खिलाफ़ लगे आरोपों को खारिज किया और इसे खुला और बेशर्म उत्पीड़न करार दिया।

बोल्सोनारो के खिलाफ कई मामलों में चल रही जांच

संघीय पुलिस द्वारा आरोपी बनाए जाने के बावजूद ब्राजील के अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने अभी तक देश के संघीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष बोल्सोनारो के खिलाफ़ कोई औपचारिक आरोप जारी नहीं किया है। बोल्सोनारो के खिलाफ राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद उनके समर्थकों द्वारा दंगे करने के मामले में भी जांच चल रही है। साथ ही कोरोना महामारी के दौरान कोरोना वैक्सीन कार्ड में कथित हेरा-फेरी के आरोप में भी जांच चल रही है।

अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन, ताइवान की सीमा में फिर भेजे सैन्य विमान, ताइपे ने दी चेतावनी

ताइपे, 05 जुलाई (एजेंसियां) । चीन ताइवान पर कब्जा करने के लिए लगातार घुसपैठ करता रहता है। पिछले कुछ महीनों से उसने ताइपे के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियों को बढ़ा दिया है। हाल ही में चीनी तटरक्षकों ने मछली पकड़ने वाली ताइवानी नाव को जब्त कर लिया था। वहीं, अब एक बार फिर बीजिंग की सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की।

इतने विमान दिखाई दिए

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने बताया कि ताइवान के आसपास चीनी सैन्य विमान देखे गए। सेना ने बताया कि जे-16 लड़ाकू विमानों सहित 26 चीनी सैन्य विमानों को देखा गया।चीनी विमान ताइवान के उत्तर, मध्य और दक्षिणी हिस्से में हवाई क्षेत्र में गए।

इसके जवाब में ताइवान ने चीन की गतिविधि की निगरानी के लिए विमान, नौसैनिक जहाजों और वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया।

चीन का नहीं आया बयान

ताइपे ने इस महीने की शुरुआत से द्वीप के पास कम से कम 127 चीनी सैन्य विमानों का पता लगाया है। चीन के रक्षा मंत्रालय फिलहाल इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं की है।

मछुआरों को किया सतर्क

ताइवान के प्रधानमंत्री चो जुंग-ताई ने कहा कि मछुआरों को सतर्क रहने के लिए कह दिया है। उनसे कहा है कि ऐसा कुछ भी नहीं करें, जिसे अवैध माना जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, साथ ही, मैं चीन से कहना चाहता हूं कि वह तनाव न बढ़ाए।

जयशंकर बोले- रूसी सेना में जबरन भारतीयों की भर्ती मंजूर नहीं, पीएम की मॉस्को यात्रा पर कही यह बात

अस्ताना, 05 जुलाई (एजेंसियां) । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कजाखस्तान के अस्ताना में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष क्षेत्र में फंसे भारतीयों का मुद्दा उठाया। वहीं, उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की आगामी रूस यात्रा के बारे में भी बताया।

बहुत स्पष्ट और दृढ़ता से उठाया

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने लावरोव के समक्ष फंसे हुए भारतीयों का मुद्दा उठाया, इस पर जयशंकर ने कहा, मैंने द्विपक्षीय वार्ता के दौरान इस मुद्दे को बहुत स्पष्ट और दृढ़ता से उठाया। कई भारतीयों को रूसी सेना में काम में लगाया गया है। जब वे वापस आएंगे तभी हमें पूरी सच्चाई का पता चलेगा। मगर परिस्थितियां जो भी हों, हम यह स्वीकार नहीं कर सकते कि हमारे लोग किसी किसी दूसरे देश की सेना की ओर से युद्ध क्षेत्र में हैं। मैंने उनसे कहा कि हम उनका सहयोग चाहते हैं और वे हमारे मित्र और भागीदार हैं। हमें कोई रास्ता निकालना होगा, जिससे हमारे लोग जल्द से जल्द और प्रभावी तरीके से भारत लौट सकें। विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि लावरोव ने इस बात की भी सराहना की और भारतीय विदेश मंत्रालय इस संबंध में रूसी रक्षा मंत्रालय से बात कर रहा है। उन्होंने कहा, मैंने उनसे आग्रह किया कि हमें और मजबूत फॉलोअप की जरूरत है। मैंने इसे उठाया है और मैं इसे मुद्दे पर तबतक बात जारी रखने का इरादा रखता हूं जब तक कि हमारे सभी लोग वापस नहीं आ जाते। पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा पर जयशंकर जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी रूस यात्रा पर भी बात की। उन्होंने कहा कि यह दोनों नेताओं के लिए दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों पर एक-दूसरे से सीधे बातचीत करने का एक शानदार अवसर है। उन्होंने आगे कहा, हमारे वार्षिक शिखर सम्मेलन में थोड़ी देरी हुई है। यह एक अच्छी परंपरा है। हम दो देश हैं जिनका एक साथ काम करने का मजबूत इतिहास रहा है। हमने वार्षिक शिखर सम्मेलन की आवश्यकता को महत्व दिया। पिछले साल जब मैं मॉस्को गया था, तो मैं प्रधानमंत्री का संदेश लेकर आया था कि हम वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम इसे जल्द करेंगे। उन्होंने कहा, यह किसी भी रिश्ते का जायजा लेने का एक तरीका है। सबसे बड़े बदलावों में से एक यह है कि रूस के साथ हमारे आर्थिक संबंध जबरदस्त रूप से बढ़े हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन का एक-दूसरे से सीधे बात करने का एक शानदार अवसर होगा। दो भारतीय नागरिकों की हुई थी मौत आपको बता दें कि विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में दो भारतीय नागरिकों की मौत हुई। दोनों नागरिक रूस की सेना में नियुक्त किए गए थे।

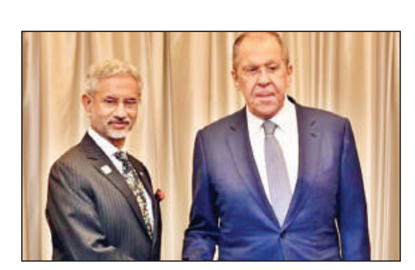

एससीओ में रूस का सदस्यों की सुरक्षा पर जोर, चीन ने ध्रुवीकरण के खिलाफ आह्वान किया

अस्ताना, 05 जुलाई (एजेंसियां) । सुरक्षा समूह का शिखर सम्मेलन कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में आयोजित किया गया। इस दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई।

दुनिया में पश्चिमी गठबंधनों से मुकाबले के लिए बने सुरक्षा समूह के शिखर सम्मेलन में कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई। पुतिन ने जहां अपने सदस्यों की सुरक्षा के लिए समूह के फोकस पर जोर दिया वहीं शी जिनपिंग ने एससीओ सदस्यों से दखल और ध्रुवीकरण की वास्तविक चुनौतियों के खिलाफ एकजुटता का आह्वान किया। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की वार्षिक बैठक में पुतिन और जिनपिंग अन्य सदस्य देशों के नेताओं के साथ शामिल हुए। पुतिन ने सदस्यों से कहा, एससीओ एक समर्पित केंद्र बनाएगा जो विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों पर प्रतिक्रिया का समन्वय करेगा। समूह के सदस्य अलगाववाद और उग्रवाद से लड़ाई का भी समर्थन करेंगे। उधर, शी जिनपिंग ने कहा, शीत युद्ध की मानसिकता के वास्तविक खतरे का सामना करते हुए, हमें सुरक्षा की निचली

रेखा की रक्षा करनी होगी। बैठक में मेजबान कजाखस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव के अलावा पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ, उज्बेकिस्तानी राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव, बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको, ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली राखमोन व किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सदिर झापारोव भी शामिल थे। भारत ने पीएम नरेंद्र मोदी की जगह विदेश मंत्री जयशंकर को यहां भेजा है।

शहबाज शरीफ ने आतंकवाद पर चिंता जताई

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने एससीओ सदस्य देशों के लिए प्रमुख चिंता के रूप में आतंकवाद के मुद्दे को उठाया और अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के साथ सार्थक जुड़ाव का आह्वान किया। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान में स्थायी शांति प्राप्त करना इस सामान्य उद्देश्य की कुंजी है। पाकिस्तान इसी साल अक्तूबर में एससीओ बैठक आयोजित करेगा। पश्चिमी देशों द्वारा रूस को अलग-थलग करने के प्रयासों पर पुतिन पुराने रुख पर कायम रहे। उन्होंने कहा कि यूक्रेन यदि मॉस्को नियंत्रित चार क्षेत्रों से अपने सैनिक लौटा लेता है और नाटो में शामिल होने की जिद छोड़ता है तो शत्रुता खत्म हो सकती है।

रूसी तेल-गैस के लिए चीनी भूमिका अहम

रूसी राष्ट्रपति ने बीजिंग के राजनीतिक समर्थन और रूसी तेल-गैस के लिए शीर्ष बाजार के रूप में चीन की अहम भूमिका का जिक्र किया। रूस ने अपनी सैन्य मशीन को चालू रखने के लिए उच्च तकनीक आयात के मुख्य स्रोत के रूप में बीजिंग पर भरोसा जताया।

बेलारूस एससीओ में शामिल

क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इस एससीओ समूह की स्थापना 2001 में चीन, रूस और चार पूर्व-सोवियत मध्य एशियाई देशों कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने की थी। बाद में इसमें भारत, पाकिस्तान और ईरान भी शामिल हो गए। रूस का पश्चिमी पड़ोसी और सहयोगी बेलारूस बृहस्पतिवार को एससीओ में शामिल हो गया।

इक्वाडोर को पेनल्टी में शूट कर अर्जेंटीना सेमीफाइनल में

ह्यूस्टन (अमेरिका), 05 जुलाई (एजेंसियां)।

अर्जेंटीना ने इक्वाडोर को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराकर कोपा अमेरिका कप में लगातार पांचवीं बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अर्जेंटीना का सेमीफाइनल में वेनेजुएला बनाम कनाडा मैच के विजेता से मुकाबला होगा जो 9 जुलाई को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा।

एनआरजी स्टेडियम पर मौजूदा चैंपियन के कब्जे के बावजूद, इक्वाडोर अधिक खतरनाक था, मैच के पहले तीन शॉट्स में, जिसमें सरमिएंटो शॉट पर एमिलियानो मार्टिनेज द्वारा महत्वपूर्ण बचाव भी शामिल था।

अर्जेंटीना के लिए पहला अच्छा मौका एंज़ो फर्नांडीज के माध्यम से आया: एक हेडर और एक पलटवार के बाद एक कॉर्नर मिला। मेसी के कार्नर से, मैक एलिस्टर के बाद लिसेंड्रो मार्टिनेज का दूसरा हेडर, अलेक्जेंडर डोमिंगुएज़ ने बचा लिया लेकिन गेंद पहले ही गोल रेखा पार कर चुकी थी।

पहले हाफ के अंतिम मिनटों में, निकोलस गोंजालेज के एक प्रयास ने एल्बीसेलेस्टे को दूसरे गोल का मौका दिया, लेकिन इक्वाडोर की रक्षा फिर से संगठित होने और खतरे को बेअसर करने में कामयाब रही। स्कालोनी की टीम मध्यांतर के बाद 1-0 की बढ़त के साथ उतरी।

दूसरे हाफ की शुरुआत धीमी गति से हुई लेकिन मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा। 55वें मिनट में डिबू मार्टिनेज की लंबी गेंद के बाद लुटारो मार्टिनेज ने मौका बनाया। टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर ने इसे अपनी छाती से नियंत्रित किया, मुड़े और डोमिंगुएज़ के गोल के ठीक सामने बाएं पैर से शॉट लगाने से चूक गया।

इक्वाडोर ने अपने खेल से अर्जेंटीना को परेशान कर दिया और रोड्रिगो डी पॉल के हैंडबॉल के बाद पेनल्टी अर्जित की, लेकिन एनर वालेंसिया का शॉट पोस्ट से टकरा गया, जिससे अर्जेंटीना ने जश्न मनाया। फ़ेलिक्स सांचेज़ की टीम आगे बढ़ी लेकिन स्टॉपेज टाइम तक स्पष्ट मौके बनाने में विफल रही जब येबोआ के क्रॉस पर केविन रोड्रिग्ज के हेडर ने मैच 1-1 से बराबर कर दिया, अर्जेंटीना ने कोपा अमेरिका में इस तरह अपना पहला गोल खाया।

पेनल्टी शूटआउट में, मेसी ने क्रॉसबार को हिट किया, लेकिन डिबू मार्टिनेज ने मेना और मिंडा के शॉट बचा लिए। जूलियन अल्वारेज़ ने गोल करके अर्जेंटीना का आगे बढ़ना सुनिश्चित किया।

न्यूज़ ब्रीफ

जुलाई के आखिर तक मुख्य कोच नियुक्त कर लेगा एआईएफएफ, कौन होगा स्टिमैक का उत्तराधिकारी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि वह इस महीने के आखिर तक राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति कर लेगा जिसके लिए उसे दुनिया भर से आवेदन मिले हैं। इस पद के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि समाप्त हो गई और एआईएफएफ ने कहा कि उसे कुल 291 आवेदन मिले हैं। इसमें से 100 आवेदकों के पास यूईएफए प्रो लाइसेंस डिप्लोमा है, जबकि 20 के पास एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा और तीन के पास कॉनमेबोल लाइसेंस हैं। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने बयान में कहा, हमें बड़ी संख्या में आवेदन मिले हैं और कई ख्याति प्राप्त कोच ने भारत में दिलचस्पी दिखाई है। हमें उम्मीद है कि हम जुलाई के आखिर तक मुख्य कोच की नियुक्ति कर देंगे ताकि भारत सितंबर में फीफा विंडो का फायदा उठा सके। एआईएफएफ ने भारतीय टीम के विश्व कप क्वालीफायर्स के तीसरे दौर में पहुंचने में नाकाम रहने के बाद पिछले महीने इगोर स्टीमक को मुख्य कोच पद से बर्खास्त कर दिया था। तभी से यह पद खाली पड़ा है।

शाकिब शायद ही भारत के खिलाफ खेलें

ढ़ाका। बांग्लादेश के स्पिन ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का इस साल सितम्बर-अक्टूबर में होने वाले भारत दौरे में खेलना तय नहीं है क्योंकि उनना कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। बांग्लादेश को 19 सितंबर से 12 अक्टूबर तक भारत के खिलाफ दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं, जिसके मेजबान शहर चेन्नई, कानपुर, धर्मशाला, नई दिल्ली और हैदराबाद होंगे। वहीं शाकिब को 5 जुलाई से अमेरिका में शुरू होने वाले आगामी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) सीज़न दो में लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स की ओर से खेलना है। शाकिब ने कहा,मेरे पास ज्यादा योजनाएं नहीं हैं। मेरे सामने दो टी20 टूर्नामेंट हैं एक एमएलसी है और दूसरा कनाडा में ग्लोबल टी20 लीग है और मुझे तय करने दीजिये कि इन दोनों टूर्नामेंटों को खेलने के बाद मैं कहां खड़ा हूं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है और पाकिस्तान के खिलाफ एक श्रृंखला है। इसलिए में ज्यादा आगे की नहीं सोच रहा। बढ़ती उम्र को देखते हुए अब मेरे पास तीन चार साल की योजना बनाने का समय नहीं है और इसलिए तीन से छह महीने की योजना बनाना बेहतर है और बाद में अपनी अगली योजना के बारे में सोचूंगा और इसलिए अब तक मैं पाकिस्तान श्रृंखला तक की योजना बना रहा हूं।

किरण रिजिजू ने पीवी सिंधु को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। भारत की स्टार स्टार शटलर पीवी सिंधु इस खास मौके पर उन्हें केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने जन्मदिन की मुबारकबाद दी। किरण रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पुराना वीडियो रिपोस्ट किया, जिसमें पीवी सिंधु उन्हें रैकेट गिफ्ट करती नजर आ रही हैं। साथ ही उन्हें रैकेट के बारे में जानकारी दे रही हैं। किरण रिजिजू ने कैप्शन में लिखा, हमारे चैंपियन और डबल ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को जन्मदिन की शुभकामनाएं। आप हमारे देश के लिए शक्ति और प्रेरणा की किरण हैं! आप हमेशा चमकते रहें और पेरिस ओलंपिक के लिए शुभकामनाएं!! बता दें, दुनिया के सबसे बड़े खेल महाकुंभ का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस में होने जा रहा है। इसमें शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय दल तैयार है, जिसके लिए 28 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम की घोषणा कर दी गई है। टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। पीएम मोदी ने भी पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए रवाना होने वाले भारतीय दल से बातचीत की। इस दौरान कई खिलाड़ी ऑनलाइन भी जुड़े, इनमें नीरज चोपड़ा, प्रियंका गोस्वामी और पीवी सिंधु भी शामिल थीं। पीवी सिंधु ने पीएम मोदी से कहा, मैं तीसरी बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही हूं। मैंने 2016 में रजत पदक जीता और 2020 में मैंने कांस्य पदक जीता। ऐसे में मैं उम्मीद करती हूं कि इस बार मैं पदक का रंग बदल सकूं और मैं इस साल एक और मेडल लेकर आऊं।

टीम इंडिया की घर वापसी, 16 घंटे चला जश्न : दिल्ली से मुंबई तक रोहित, हार्दिक, कोहली-कोहली, कप्तान बोले- यह ट्रॉफी देश की

नई दिल्ली/मुंबई, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

4 जुलाई का दिन भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए यादगार रहा। टी-20 वर्ल्ड कप की घर वापसी जो हुई। 2007 में पहले टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली टीम इंडिया दूसरी बार ट्रॉफी लेकर लौटी। फिर क्या था...17 साल इस ट्रॉफी की ओर टकटकी लगाए बैठे भारतीय फैंस अपने चहेते स्टार्स के स्वागत के लिए दिल्ली से लेकर मुंबई तक की सड़कों पर उतर आए। इस जीत का सेलिब्रेशन 16 घंटे तक चला।

रोहित की ब्रिगेड बारबाडोस से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरी तो फैंस स्वागत के लिए उमड़ आए। इसके बाद टीम पीएम नरेंद्र मोदी से मिली। फिर टीम मुंबई पहुंची। मरीन ड्राइव पर फैंस स्वागत के लिए बारिश के बीच 6 घंटे सड़क पर खड़े रहे। जश्न रात 10 बजे तक चला।

16 घंटे तक चले सेलिब्रेशन में कई फैंस की हालत बिगड़ गई। कुछ घायल भी हुए। मुंबई पुलिस ने कहा कि 10 फैंस को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था, जिनमें से दो लोगों को भर्ती कर लिया गया है। एक को फ्रैक्चर और दूसरे को सांस लेने में दिक्कत हो रही है।

शुरुआत मुंबई में सम्मान से...बीसीसीआई ने 125 करोड़ दिए

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बीसीसीआई ने वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया के खिलाड़ियों का सम्मान किया। यहां बोर्ड के प्रेसिडेंट रोजन बिन्नी और सेक्रेटरी जय शाह ने टीम को 125 करोड़ रुपए का चेक सौंपा। इस दौरान भारतीय खिलाड़ी वानखेड़े में ढोल-नगाड़ों पर डांस करते नजर आए।

रोहित ने हार्दिक को सैल्यूट किया, द्रविड़ बोले- मैं इस प्यार को मिस करूंगा

राहुल द्रविड़ ने कहा, इन लड़कों ने जो किया है, वह अविश्वसनीय है। कड़ी मेहनत, लचीलापन, कभी हार न मानने वाला रवैया, लगातार बेहतर होने की कोशिश। मैं इस प्यार को मिस करूंगा।

रोहित शर्मा ने कहा, सभी का शुक्रिया। जब से हम भारत आए हैं, तब से यह शानदार रहा है। यह ट्रॉफी पूरे देश के लिए है। हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी की तारीफ की। कहा, उन्हें सैल्यूट। हार्दिक पंड्या ट्रॉफी लेकर वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे। उनके स्टेडियम पहुंचते ही लोगों ने हार्दिक...हार्दिक के नारे लगाए।

जसप्रीत बुमराह बोले, मैं किसी क्रिकेट मैच के बाद रोता नहीं हूं, लेकिन उस जीत के बाद मैंने महसूस किया कि 2-3 बार मेरी आंखों से आंसू निकल आए।

विराट कोहली ने बताया, रोहित जब सीढ़ियों पर थे, तब मेरी और उनकी आंखों में आंसू थे। मैंने पहली बार उन्हें इतना ज्यादा इमोशनल होते देखा। 2011 में जब हमने वर्ल्ड कप जीता, तब सभी सीनियर प्लेयर्स इमोशनल थे, मुझे नहीं पता था कि उन्हें इतना रोना क्यों आ रहा है। आज जब मैंने इतने इंतजार के बाद ट्रॉफी जीती तो जाना कि तब वे इतने इमोशनल क्यों थे।

मुंबई की मरीन ड्राइव पर विक्ट्री परेड, 40 मिनट चली, 3 लाख से ज्यादा फैंस पहुंचे

सम्मान समारोह में रोहित ने कहा, मुंबई किसी को निराश नहीं करती। इसकी वजह थी कि फैंस मरीन ड्राइव पर टीम इंडिया के स्वागत के लिए दोपहर 2 बजे से ही जुटने शुरू हो गए थे। 3 किमी लंबी मरीन ड्राइव पर 3 लाख से ज्यादा लोग मौजूद थे। बिल्डिंग, पेड़, बसों और वाहनों पर चढ़े थे।

यहां विक्ट्री परेड शुरू हुई तो भारतीय स्टार ने भी फैंस को निराश नहीं किया। 48 मिनट की विक्ट्री परेड में रोहित हों या विराट, बुमराह हों या हार्दिक सभी खुशी से झूम रहे थे। जनसैलाब को देख वे खुद को भी नहीं रोक पा रहे थे। सीरियस मूड में नजर आने वाले राहुल द्रविड़ भी खुशी से चहकते नजर आए। लोगों का हाथ उठाकर अभिवादन कर रहे थे। उन्होंने ओपन रूफ बस पर कभी रोहित, कभी विराट तो कभी हार्दिक को गले लगाया।

नई दिल्ली में टीम इंडिया 8 घंटे रही: एयरपोर्ट पर स्वागत, पीएम मोदी से मिली

टीम इंडिया बारबाडोस से दिल्ली पहुंची थी। टर्मिनस से बाहर आकर कप्तान रोहित शर्मा, बीसीसीआई सचिव जय शाह और प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी ने केक काटा। इस दौरान भारतीय फैंस अपने चहेते हीरोज की एक झलक पाने के लिए बेताब दिखे।

एयरपोर्ट से टीम होटल आईटीसी मौर्या पहुंची। यहां कप्तान रोहित शर्मा सहित ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या ने भांगड़ा किया। होटल में भी एक स्पेशल केक काटा गया। इसके बाद सभी सुबह 10.46 बजे पीएम आवास पहुंचे। इस दौरान खिलाड़ियों ने पीएम को एक जर्सी गिफ्ट की, जिस पर नमो-1 लिखा है। पीएम आवास पर खिलाड़ी करीब 2 घंटे रहे।

टीम इंडिया तूफान की वजह से बारबाडोस में तीन दिन से फंसी थी। बीसीसीआई ने उसे लाने के लिए स्पेशल विमान भेजा था। इस प्लेन का नाम चैंपियंस 24 वर्ल्ड कप था।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में छाए शादाब खान

श्रीलंका, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

टी20 विश्व कप 2024 में असफल रहे पाकिस्तानी स्पिनर शादाब खान आजकल श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में कोलंबो स्ट्राइकर्स की ओर से खेल रहे हैं। शादाब ने यहां अच्छी गेंदबाजी करते हुए एक हैट्रिक भी अपने नाम की है और टीम को जीत दिलायी। लंका प्रीमियर लीग के तहत कोलंबो स्टाइकर्स और कैंडी फाल्कन्स के बीच हुए मुकाबले में शादाब खान ने हैट्रिक लेकर कैंडी टीम की कमर ही तोड़ दी। इसके बाद कैंडी को इस मैच में 51 रनों से हार का सामना करना पड़ा। शादाब ने इस मैच में 4 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं शादाब ने इसके बाद गैले मार्वल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में भी अपनी टीम की ओर से 4 विकेट लिए। उस मुकाबले में हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस मैच में कप्तान डिकवेला ने 18 गेंदों पर 50, सहान ने 27 गेंदों पर 35 तो इसरु उडाना ने 34 गेंदों पर 52 रन बनाकर स्कोर 179 तक पहुंचाया था। वहीं कोलंबो की ओर से शादाब ने 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट लिए पर उनकी टीम के बल्लेबाजी लक्ष्य का पीछा करते हुए 172 रन ही बना पाये और उसे हार का सामना करना पड़ा।

जिम्बाब्वे की ओर से डेब्यू करेंगे कमर्शियल पायलट लाइसेंस धारी अंतुम

हरारे। भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे की टीम में शामिल बल्लेबाज अंतुम नकवी के माता पिता पाकिस्तानी मूल के हैं। वहीं अंतुम कर जन्म बेल्जियम में हुआ है। अब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने को तैयार है। अंतुम ने ऑस्ट्रेलिया में कमर्शियल एयरलाइन पायलट का लाइसेंस हासिल किया पर क्रिकेटर बनने उन्होंने विमानन क्षेत्र में काम करने की जगह जिम्बाब्वे का रुख किया। दाएं हाथ के बल्लेबाज अंतुम ने इस साल से ही काफी अच्छा खेलते हुए तिहरा शतक लगाया था। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले जिम्बाब्वे के पहले खिलाड़ी हैं। इस युवा ने मिड वेस्ट राइनो के लिए लोगन कप में नाबाद 300 रन बनाये थे। वह शीर्ष क्रम के बल्लेबाज हैं और घरेलू मैचों में उनका स्ट्राइक रेट 146.80 का रहा है। अंतुम ने अब तक 10 फर्स्ट क्लास मैचों में 72 के औसत से 792 रन बनाए हैं।

स्मिथ ने मार्कराम को शानदार कप्तान बताया

मुंबई, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने टीम के कप्तान एडन मार्कराम की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें एक अच्छा कप्तान और रणनीतिकार बताया है। मार्कराम की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका टीम पहली बार विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी। टीम को हालांकि फाइनल में भारतीय टीम के हाथों हार का सामना करना पड़ा था पर उसने इससे पहले के सभी मैच जीते थे। फाइनल में भी टीम ने अंत तक संघर्ष किया था।

स्मिथ ने कहा, 'मार्कराम ने टूर्नामेंट के दौरान काफी अच्छे तरीके से नेतृत्व किया। वह रणनीतिक रूप से बेहतर रहे। उनकी योजना अच्छी रहीं और वह बड़े फैसले लेने में वह घबराये नहीं। इसके अलावा उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने कहा, 'हमने निश्चित रूप से पहले भी एसए20 लीग के दौरान उनकी इस प्रकार की कप्तानी देखी थी जिसमें उन्होंने सनराइजर्स ईस्टर्न केप की कप्तानी करते हुए लगातार चैम्पियनशिप में जीत हासिल की थी। वहीं अब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यही किया है। स्मिथ ने कहा कि कहा कि टीम के क्रिकेटरों को लीग टूर्नामेंट से लाभ हुआ है और अब वह बेहतर तरीके से दबाव का सामना कर पा रहे हैं।

पंकज आडवाणी एशियाई बिलियर्ड्स के फाइनल में

रियाद, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के शीर्ष क्यूइस्ट पंकज आडवाणी ने क्वार्टरफाइनल में हमवतन श्रीकृष्ण सूर्यनारायणन को 5-0 से और सेमीफाइनल में सौरव कोठरी को 5-0 से हराकर एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के फ़ाइनल में प्रवेश कर लिया है। सूर्यनारायणन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में, पंकज ने अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया।

उनका प्रभुत्व स्पष्ट था क्योंकि उन्होंने लगातार अपने प्रतिद्वंद्वी को सटीकता और चालाकी से हराया। शुरुआती फ्रेम ने माहौल तैयार कर दिया, जिसमें पंकज ने 100 का स्कोर बनाया, जबकि श्रीकृष्ण ने कड़ी चुनौती पेश करते हुए 78 का ब्रेक हासिल किया।

हालांकि, पंकज की बेहतर ब्रेक-बिल्डिंग क्षमता ने उन्हें बढ़त दिलाई और पहले फ्रेम में जीत हासिल की। दूसरे फ्रेम में उनका कौशल और अधिक स्पष्ट हो गया, जहां उन्होंने श्रीकृष्ण के 26 की तुलना में 100 अंक और बनाए। तीसरे फ्रेम में पंकज ने 102 के ब्रेक के साथ अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखा।

श्रीकृष्ण केवल 32 का स्कोर बनाने में सफल रहे। इसके बाद उन्होंने अपने कुशल स्कोरिंग के साथ श्रीकृष्ण को दूर रखने के लिए अभूतपूर्व ब्रेक बनाए। पंकज ने 101 के एक और ब्रेक के साथ मैच समाप्त किया, जबकि श्रीकृष्ण ने 2 अंक बनाए। सौरव के खिलाफ सेमीफ़ाइनल मैच में, पंकज एक उल्लेखनीय मैच में लगातार पाँच फ्रेमों में अपने प्रतिद्वंद्वी पर हावी रहे। तालिका में उनकी महारत स्पष्ट थी क्योंकि उन्होंने प्रत्येक फ्रेम में 100 का स्कोर बनाया था।

मैच की शुरुआत में पंकज ने तेजी से नियंत्रण हासिल करते हुए 100 अंक बनाए, जबकि सौरव अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद 29 अंक बनाने में सफल रहे, लेकिन पंकज के तेज खेल की बराबरी करने में असमर्थ रहे। दूसरे फ्रेम में पंकज ने अपनी गति जारी रखी और एक और 100 का स्कोर बनाया।

सौरव ने अपने प्रदर्शन में थोड़ा सुधार किया और 33 का स्कोर बनाया। अगले तीन फ्रेम में पंकज का कौशल पूरे प्रदर्शन पर था क्योंकि उन्होंने सौरव के 38, 21 और 0 की तुलना में 101, 100 और 100 का स्कोर बनाया। पूरे मैच के दौरान पंकज का प्रदर्शन शानदार रहा। लगातार 100 के ब्रेक और टेबल पर प्रभावी उपस्थिति के साथ, उन्होंने शीर्ष स्तरीय बिलियर्ड्स खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की और फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित किया।

पेरिस ओलंपिक 2024

ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों की रवानगी से पहले पीएम मोदी ने की खास मुलाकात, दिया विजय-मंत्र

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों की रवानगी से पहले पीएम मोदी ने उनसे खास मुलाकात की और उन्हें विजय मंत्र दिया। भारत पेरिस ओलंपिक के लिए लगभग 120 खिलाड़ियों का दल भेज रहा है और उसे उम्मीद है कि इस बार वे तोक्यो ओलंपिक से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भारत ने तोक्यो ओलंपिक में सात पदक जीते थे जिनमें नीरज चोपड़ा का भाला फेंक में जीता गया स्वर्ण पदक भी शामिल है।

पीएम ने खिलाड़ियों को दिया विजय मंत्र

पीएम मोदी ने नीरज चोपड़ा, मुक्केबाज निकहत जरीन और ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु से वर्चुअल बातचीत भी की। इसके अलावा उन्होंने ओलंपिक के लिए पहली बार जाने वालों को विजय-मंत्र दिया। पीएम ने कहा, आप ओलंपिक में जाने और जीतने के मूड में हैं और मैं आपके जीतने के बाद वापस आने पर आपका स्वागत करने के मूड में हूं। मेरी कोशिश है कि मैं खेल जगत से जुड़े हमारे देश के सितारों से मिलता रहूं, नई चीजें सीखता रहूं और उनके प्रयासों को समझता रहूं और सरकार के तौर पर अगर व्यवस्था में कुछ बदलाव की जरूरत है, कुछ प्रयासों को बढ़ाने की जरूरत है तो मैं इस दिशा में काम करता रहता हूं। मेरी कोशिश है कि सभी से सीधा संवाद हो।

पीएम ने जताया खिलाड़ियों पर भरोसा

पीएम मोदी ने आगे कहा, हम खेलने जा रहे हैं, हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने जा रहे हैं। ओलंपिक भी सीखने का एक बहुत बड़ा क्षेत्र है... जो सीखने की प्रवृत्ति के साथ काम करता है, उसके लिए सीखने के अनेक अवसर हैं। जो शिकायत में जीना चाहते हैं, उनके लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है...हमारे जैसे देशों से लोग वहां जाते हैं, उन्हें अनेक कठिनाइयों और असुविधाओं का सामना करना पड़ता है, लेकिन उनके दिल में उनका देश और उनका तिरंगा झंडा होता है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार भी आप खेल के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करेंगे।

पीवी सिंधु से पीएम ने की चर्चा

इस दौरान पीएम ने शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु से बातचीत की। सिंधु ने कहा, मैं तीसरी बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही हूं। मैंने 2016 में रजत पदक जीता था और 2020 में मैंने कांस्य पदक जीता। मुझे इस साल पदक का रंग बदलने की उम्मीद है, मुझे इस साल एक और पदक की उम्मीद है। इसके अलावा पीएम ने पेरिस ओलंपिक में भाग लेने से पहले ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से भी चर्चा की।

पीएम ने दी खिलाड़ियों को बधाई

पीएम मोदी ने आगे कहा, इस बार भी हमने खिलाड़ियों की सुविधा के लिए कुछ नया करने का प्रयास किया है। हमने वहां भारतीय समुदाय को थोड़ा सक्रिय करने का प्रयास किया है ताकि वो हमारे खिलाड़ियों से और ज्यादा जुड़ें...मैं अपनी तरफ से आपको शुभकामनाएं देता हूं और मैं आप लोगों का इंतजार करूंगा...मैं कोशिश करूंगा कि 15 अगस्त को जब लाल किले पर कार्यक्रम हो तो आप लोग भी वहां मौजूद रहें।

महंगा हो रहा है वेज खाना, क्रिसिल ने बताया क्यों बढ़ रही है वेज थाली के दाम

नई दिल्ली,05 जून (एजेंसियां)।

क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस ने जून के लिए रिपोर्ट जारी कर दी। आपको बता दें कि क्रिसिल हर महीने रिपोर्ट जारी करता है। इस रिपोर्ट में वेज थाली और नॉन-वेज थाली की कीमतों को लेकर जानकारी दी जाती है।

क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार जून में वेज थाली के दामों में 10 फीसदी की तेजी आई है। देश में प्याज, आलू, टमाटर के दामों में तेजी आने के बाद इनके दाम बढ़ गए। वहीं, दूसरी तरफ नॉन-वेज थाली के दामों में नरमी आई है।

वेज थाली हुई महंगी

रिपोर्ट के मुताबिक वेज थाली जिसमें रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल होती है। इस थाली की कीमत जून में 10 प्रतिशत बढ़कर 29.4 रुपये प्रति प्लेट हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 26.7 रुपये थी। मई में वेज थाली की कीमत 27.8 रुपये था। शाकाहारी थाली की कीमतों में कुल वृद्धि का कारण टमाटर की कीमतों में 30 प्रतिशत, आलू में 59 प्रतिशत और प्याज में 46 प्रतिशत की वृद्धि है।

क्यों महंगे हो रहे हैं सब्जियां

क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार प्याज के मामले में रबी के फसलों में गिरावट आई, जबकि मार्च में बेमौसम बारिश के कारण आलू की कम पैदावार देखी गई। टमाटर की कीमतों में उछाल को लेकर रिपोर्ट में कहा गया कि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में उच्च तापमान के कारण टमाटर की आवक साल-दर-साल 35 प्रतिशत कम हो गई। रिपोर्ट के अनुसार चावल की कीमतों में 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और दाल की कीमतों में 22 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने की तुलना में सब्जी और गैर-सब्जी दोनों प्रकार के खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। सबसे ज्यादा सब्जियों की कीमतों में वृद्धि हुई है। नॉन-वेज थाली का हाल नॉन-वेज थाली में दाल की जगह चिकन ले लेता है। पिछले महीने यानी जून में नॉन-वेज थाली घटकर 58 रुपये हो गई, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 60.5 रुपये थी। वहीं मई में नॉन-वेज प्रति थाली की कीमत 55.9 रुपये थी।

न्यूज ब्रीफ

पेरिस के विश्व प्रसिद्ध गैलरीज लाफायेट में यूपीआई सेवा शुरू, भारतीय राजदूत जावेद ने भुगतान किया

नई दिल्ली । भारत ने पेरिस के ऐतिहासिक डिपार्टमेंट स्टोर गैलरीज लाफायेट में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लॉन्च किया है। यह ऐतिहासिक कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूपीआई के वैश्विकरण के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक और कदम है। 2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा इसे विकसित किया गया था। फ्रांस में भारतीय दूतावास ने कहा कि 3 जुलाई 2024 को पेरिस के हॉसमैन में विश्व प्रसिद्ध गैलरीज लाफायेट के प्रमुख स्टोर पर यूपीआई सेवाएं शुरू हो गईं। बयान में कहा गया कि इससे पहले प्रतिष्ठित एफिल टॉवर में यूपीआई को सफलता पूर्वक लॉन्च किया गया था। फ्रांस और मोनाको की रियासत में भारत के राजदूत जावेद अशरफ ने गैलरीज लाफायेट के सीईओ निकोलस हाउज और लाइरा ग्रुप के चेयरमैन एलेन लैकोर की मौजूदगी में स्टोर पर यूपीआई के जरिये भुगतान भी किया। अशरफ ने एक पोस्ट में यूपाआई सेवा के लॉन्च होने की पुष्टि की। राजदूत ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2018 में सिंगापुर में यूपीआई के पहले अंतरराष्ट्रीय लॉन्च को याद किया और यूपीआई की अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि सीमा पार डिजिटल भुगतान का त्वरित, सुरक्षित और कुशल साधनों के अलावा, यूपीआई सीमा पार धन प्रेषण के माध्यम के रूप में विकसित होगा।

आरबीआई के बंपर लाभांश से विनिवेश की कम होगी जरूरत अंतरिम बजट में बना रह सकता है 50,000 करोड़ का लक्ष्य

नई दिल्ली । आरबीआई की ओर से मिले 2.1 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश से सरकार को चालू वित्त वर्ष में विनिवेश की कम जरूरत हो सकती है। केयर रेटिंग्स ने कहा, नई सरकार विनिवेश से प्राप्तियों पर अंतरिम बजट में 50,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य को बरकरार रख सकती है। रेटिंग एजेंसी ने बृहस्पतिवार को कहा, आरबीआई के बंपर लाभांश से केंद्र सरकार की राजकोषीय स्थिति आरामदायक बनी हुई है। ऐसे में बड़े विनिवेश की जरूरत खत्म हो सकती है। शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया में सरकार चालू वित्त वर्ष में हिस्सा बेच सकती है। इससे 12,500 से 22,500 करोड़ मिल सकते हैं। अन्य संभावित बिक्री में कॉनकॉर और पवन हंस शामिल हैं। पिछले दस वर्षों में सरकार ने विनिवेश से 5.2 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। सरकार अपनी कंपनियों में 51 फीसदी तक हिस्सेदारी रखती है तो भी उसे बिक्री से 11.5 लाख करोड़ मिल सकते हैं। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में हिस्सेदारी बेचने से सरकार को पांच लाख करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है।

सुजुकी मोटर ने 340 करोड़ का कोष नेक्स्ट भारत किया पेश

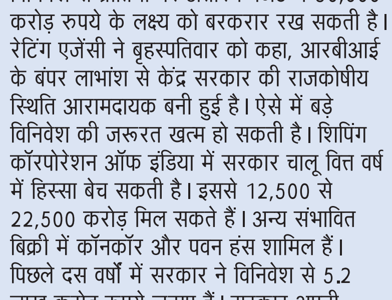

नई दिल्ली । जापान की मोटर वाहन कंपनी सुजुकी मोटर ने भारत में अपना पहला निवेश कोष नेक्स्ट भारत शुरू किया। यह 340 करोड़ रुपये का कोष है जो मझोले शहरों और उससे नीचे के क्षेत्रों में मूल्य सृजन करने वाले प्रभावशाली उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। कंपनी के अनुसार सुजुकी की इस पहल का मकसद एक रेजीडेंसी कार्यक्रम के जरिए कृषि, वित्तीय समावेशन, ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला तथा ग्रामीण परिवहन के क्षेत्रों में सामाजिक प्रभाव वाले स्टार्टअप को समर्थन देना है। नेक्स्ट भारत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नेक्स्ट भारत अपने प्रमुख रेजिडेंसी कार्यक्रम के जरिए उन कंपनियों में निवेश करना चाहता है जो वृद्धि के पहले चरण में हैं ।

सेबी और सैट का निवेश के स्थिर और विश्वसनीय माहौल बनाने में राष्ट्रीय महत्व, बोले सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़

नई दिल्ली,05 जून (एजेंसियां)।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने मुंबई के मित्तल कोर्ट में प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (एसएटी) के नए परिसर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने शेयर बाजार में उछाल के बीच भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और एसएटी के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर सीजेआई ने कहा कि जब निवेशक आश्वस्त महसूस करते हैं कि उनका निवेश कानून द्वारा संरक्षित है और विवादों के समाधान के लिए प्रभावी तंत्र हैं, तो उनके देश के बाजारों में निवेश करने की अधिक संभावना होती है। उन्होंने कहा, जब हम कानून के शासन के विचार के बारे में सोचते हैं, तो हम अक्सर इसे केवल सामाजिक और राजनीतिक न्याय से जोड़ते हैं। 2005 की शुरुआत में, विश्व बैंक ने सिद्धांत दिया कि कानून के शासन की रक्षा करना भी आंतरिक रूप से बेहतर आर्थिक परिणामों और वित्तीय उन्नति से जुड़ा हुआ है। एक कानूनी प्रणाली जिसमें पर्याप्त प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय, निष्पक्षता और मंच मौजूद हैं, जो मनमानेपन के बिना न्याय प्रदान करते हैं, देश के बाजारों और व्यापार परिदृश्य में निवेशकों के विश्वास का निर्माण करने का अभिन्न अंग है। सेबी और सैट के होने से निवेशक आश्वस्त महसूस करते हैं सीजेआई ने कहा, इसलिए सेबी जैसे नियामकों और सैट जैसे अपीलीय मंचों का निवेश के स्थिर और विश्वसनीय माहौल बनाने में राष्ट्रीय महत्व है। जब निवेशक आश्वस्त महसूस करते हैं कि उनके निवेश कानून द्वारा संरक्षित हैं और विवाद समाधान के लिए प्रभावी तंत्र हैं, तो वे देश के बाजारों में निवेश करने की अधिक संभावना रखते हैं। निवेश के इस प्रवाह से बेहतर आर्थिक परिणाम हो सकते हैं, जैसे पूंजी निर्माण, रोजगार सृजन और समग्र आर्थिक विकास में वृद्धि। रजिस्ट्रार, शोधकर्ता, प्रशासनिक कर्मचारी और अन्य अधिकारियों का काम अहम डीवाई चंद्रचूड़ ने इस बात पर भी जोर दिया कि हमारे न्यायाधिकरणों और अदालतों के प्रभावी कामकाज के पीछे रजिस्ट्रार, शोधकर्ता और कर्मचारी हैं जो मशीनरी को अच्छी तरह से चलाते हैं। सीजेआई ने कहा, जब हम न्यायिक मंचों के बारे में सोचते हैं चाहे वह हमारे न्यायाधिकरण, उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय हों हम अक्सर न्यायाधीशों, वकीलों और वादियों के बारे में सोचते हैं। हालांकि, इन मंचों के प्रभावी कामकाज के पीछे रजिस्ट्रार, शोधकर्ता, प्रशासनिक कर्मचारी और अन्य अधिकारी हैं जो मशीनरी को अच्छी तरह से व्यवस्थित रखते हैं। सीजेआई ने कहा कि प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (एसएटी) एक रेफरी की तरह है, यह सुनिश्चित करता है कि वित्तीय क्षेत्र की कड़ी प्रतिस्पर्धा की दुनिया में, सभी हितधारक नियमों का पालन करें।किसी भी अच्छे रेफरी की तरह, एसएटी ने सफलतापूर्वक काम किया है।

पहली छमाही में मकानों की बिक्री 11 फीसदी बढ़कर 11 साल के शीर्ष पर नाइटफ्रैंक इंडिया ने रिपोर्ट जारी की

नई दिल्ली । नाइटफ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक पहली छमाही में मकानों की बिक्री सालाना 11 फीसदी बढ़ गई है, जो कि पिछले 11 सालों में अब तक शीर्ष पर है। देश के आठ प्रमुख शहरों में 2024 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में मकानों की बिक्री सालाना आधार पर 11 फीसदी बढ़कर 11 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। इस अवधि में कुल 1,73,241 मकान बिके। कुल बिक्री में प्रीमियम मकानों की हिस्सेदारी 34 फीसदी रही। नाइटफ्रैंक इंडिया की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी-जून, 2024 में आठ शहरों में कार्यालय के लिए जगह की मांग भी 33 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 3.47 करोड़ वर्ग फुट पर पहुंच गई। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन-एमडी शिशिर बैजल ने कहा, मजबूत आर्थिक बुनियाद और स्थिर सामाजिक-राजनीतिक हालात के कारण देश का रियल एस्टेट बाजार कुछ तिमाहियों में तेजी से बढ़ा है। आवासीय और कार्यालय के लिए स्थानों की मांग दशक भर में सबसे अधिक रही। एक साल में नौ फीसदी तक बढ़े दाम आठ प्रमुख शहरों में पहली छमाही में सालाना आधार पर मकानों की कीमतें 9 फीसदी तक बढ़ी हैं। बंगलूरू में कीमत सबसे ज्यादा 9 फीसदी बढ़ी है। मकानों के दाम कोलकाता में 6 फीसदी, हैदराबाद-चेन्नई में पांच-पांच फीसदी, मुंबई-एनसीआर-पुणे में चार-चार फीसदी और अहमदाबाद में एक फीसदी बढ़े हैं। मुंबई में कार्य स्थल की सर्वाधिक मांग रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई में कार्यालय स्थल की मांग 79 फीसदी बढ़कर 58 लाख वर्ग फुट पहुंच गई। दिल्ली-एनसीआर में यह 11.5 फीसदी बढ़कर 57 लाख वर्ग फुट पहुंच गई। बंगलूरू में 21 फीसदी बढ़कर 84 लाख वर्ग फुट और पुणे में 88 फीसदी बढ़कर 44 लाख वर्ग फुट पहुंच गई। हैदराबाद, कोलकाता व अहमदाबाद में भी कार्यालय स्थल की मांग बढ़ी है। हालांकि, चेन्नई में इसमें गिरावट आई है। मुंबई-एनसीआर में सर्वाधिक बिक्री हुई है।

2024 की पहली छमाही में भारतीय एफएमसीजी सेक्टर में हुए 938 मिलियन डॉलर के विलय और अधिग्रहण

नई दिल्ली,05 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के एफएमसीजी सेक्टर में 2024 के शुरुआती छह महीने में विलय और अधिग्रहण की गतिविधियां बढ़कर 938 मिलियन डॉलर रही।वेंचर इंटेलिजेंस द्वारा जारी किए गए डेटा के मुताबिक, यह पिछले चार वर्षों में घरेलू फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) मार्केट का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। जनवरी में इस वर्ष टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने ऑर्गेनिक इंडिया में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। फेब इंडिया के स्वामित्व वाली यह कंपनी चाय, हर्बल सप्लीमेंट और पैक्ड फूड्स बेचती है। यह एक ऑल-कैश डील थी। इसका डील का साइज 1,900 करोड़ रुपये था। इससे पहले टाटा की ओर से कैपिटल फूड में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी गई थी। यह कंपनी चिंग्स सीक्रेट और स्मिथ एंड जोन्स ब्रांड्स के तहत उत्पाद बेचती है। यह भी ऑल-कैश डील थी। इसका साइज 5,100 करोड़ रुपये था। प्राइवेट इक्विटी (पीई) और वेंचर कैपिटल (वीसी) की ओर से इस साल की पहली छमाही में 593 मिलियन डॉलर की डील की गई है। इस हफ्ते जारी एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 25 में एफएमसीजी सेक्टर की आय 7 से 9 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। इसकी वजह अधिक वॉल्यूम का होना, ग्रामीण मांग का वापस आना और शहरी क्षेत्र में वृद्धि जारी रहना है। क्रिसिल रेटिंग्स की ओर से 77 कंपनियों पर की गई स्टडी में बताया गया कि वित्त वर्ष 24 में एफएमसीजी सेक्टर में वृद्धि दर 5 से 7 प्रतिशत थी। वहीं, वित्त वर्ष 25 में वृद्धि दर इसी तरह की रह सकती है। ग्रामीण भारत में सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के जरिए इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अधिक खर्च करने के कारण ग्रामीण आबादी के पास अधिक पैसे बच रहे हैं। इससे उनकी खर्च योग्य आय में बढ़ोतरी हो रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

छह बीआरएस...

लेकिन उन बीआरएस विधायकों का क्या जिन्होंने हारने के बावजूद कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा। उन आधे दर्जन बीआरएस विधायकों का क्या जो दलबदल कर कांग्रेस में शामिल हो गए। राहुल गांधी क्या आप ऐसे ही संविधान को कयम रखेंगे। अगर आर बीआरएस विधायकों से इस्तीफा नहीं दिला सकते, तो देश को आपके ऊपर भरोसा कैसे होगा? आप कांग्रेस के घोषणापत्र के अनुसार, 10वें संशोधन के लिए प्रतिबद्ध थे। ये कैसा न्यायपत्र है।

भाजपा के खराब...

अगले वर्ष के जनवरी-फरवरी में दिल्ली और अंत में बिहार के विधानसभा चुनाव भी होने हैं। माना जा रहा है कि बैठक में इन चुनावों को लेकर भी चर्चा हो सकती है। हालांकि, संघ परिवार इसे संगठन की वार्षिक गतिविधियों के लेखा-जोखा के लिए आयोजित की जाने वाली सामान्य गतिविधि बताता है। उत्तर प्रदेश केवल इस अर्थ में महत्व-पूर्ण नहीं है कि यह देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहां से 80 लोकसभा सीटें आती हैं, या इस राज्य में जीत किसी भी राजनीतिक दल के लिए केंद्र में सरकार बनाने में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण होने की गारंटी होती है। उत्तर प्रदेश इस लिहाज से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि यह उत्तर भारत की राजनीतिक-सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण कई प्रमुख जातियों का अच्छा संयोजन है। यदि संघ परिवार अपनी कोशिशों के द्वारा यहां के समाज में जातिगत विविधता को पीछे छोड़ते हुए सभी में एकता और समन्वय स्थापित करने में सफल रहता है, तो इसका संदेश देश के दूसरे हिस्सों में भी जाएगा। इससे संघ उन लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेगा, जिसे वह अपनी स्थापना का मूल उद्देश्य मानता है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में यूपी में मिली सफलता ने उसके इस विश्वास को दृढ़ किया था कि राष्ट्रवाद और हिंदुत्व की मजबूती से वह जातिवाद की बुराई को पीछे छोड़ने में सफल हो सकता है। लेकिन जिस तरह कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने 2024 के चुनाव में मसंविधान और आरक्षणफका खतरा दिखाकर पिछड़ों और दलित जातियों को अपने पक्ष में लामबंद करने में सफलता हासिल की है, उससे संघ परिवार को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। इसके पहले 1992 में बाबरी ढांचे के विध्वंस के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मुलायम और कांशीराम ने भी इसी तरह का गठजोड़ कर भाजपा के सामने राजनीतिक सफलता पाई थी। इस चुनाव में भी यदि बहुजन समाज पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ती तो संभवतः आज की तस्वीर कुछ अलग होती। संघ के साथ-साथ इस चुनाव परिणाम ने विपक्ष के लिए भी बड़ा सबक छोड़ा है।

संघ के लिए आत्ममंथन का विषय यह भी है कि राम मंदिर के निर्माण और उसकी एतिहासिक उद्घाटन के बाद भी उत्तर प्रदेश की जनता ने भाजपा को बड़े पैमाने पर अस्वीकार कर दिया। सबसे ज्यादा अपमानजनक यह रहा है कि भाजपा उस फैजाबाद लोकसभा सीट को भी हार गई, जिसके अंतर्गत अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ है। भाजपा के साथ-साथ यह हार संघ परिवार के लिए भी बड़ा झटका है, जो राम के नाम के सहारे संपूर्ण हिंदू जनसमुदाय को एक सूत्र में पिरोने की कोशिश कर रही थी। इस चुनाव परिणाम ने बताया है कि ओबीसी और दलित समाज के एक बड़े वर्ग के लिए आज भी उसकी जातीय पहचान उसकी धार्मिक पहचान से अधिक महत्व-पूर्ण है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के बीच तनाव की खबरों ने भी चुनाव परिणाम पर असर डाला है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। चुनाव परिणाम आने के बाद जिस तरह संघ परिवार के कुछ नेत-ाओं ने भाजपा पर हमला बोला, उससे बहुत कुछ सामने आ गया है। हालांकि, बाद में मोहन भागवत ने भी तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने को महत्वपूर्ण सफलता बताकर तथाकथित मतभेद की खबरों पर पानी डालने की कोशिश की है, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के नेता इंद्रेश कुमार भी अपने बयान से पलट चुके हैं, लेकिन जानकार मानते हैं कि अब भी दोनों संगठनों के बीच सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। संघ परिवार इस बैठक में भाजपा से अपने संबंधों की भी पुनर्समीक्षा अवश्य करेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के अनुसार, प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली अखिल भारतीय स्तर की प्रांत प्रचारक बैठक में सभी प्रांत प्रचारक उपस्थित रहेंगे। संघ की संगठन योजना में कुल 46 प्रांत बनाये गए हैं। बैठक में संघ के प्रशिक्षण वर्ग के वृत्तांत एवं समीक्षा, आगामी वर्ष की योजना का क्रियान्वयन, सरसंघचालक मोहन भागवत का वर्ष 2024-25 की प्रवास योजना जैसे विषयों पर चर्चा होगी। साथ ही संघ शताब्दी वर्ष (2025-26) के कार्यक्रमों पर भी चर्चा करेगा। मोहन भागवत इस बैठक के लिए आठ जुलाई को ही रांची पहुंच जाएंगे।

एसआईटी ने ...

वैसे शासन की ओर से बुधवार तक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया था, लेकिन सीएम योगी के घटनास्थल पर जाने और राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने की वजह से निर्धारित समय अवधि तक जांच रिपोर्ट नहीं सौंपी जा सकी। इसके बाद, अधिकारियों ने शासन से अपनी जांच रिपोर्ट तैयार करने के लिए तीन दिनों का अतिरिक्त समय मांगा।यही नहीं, मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसबल सहित और अन्य अधिकारियों को भी तैनात किया गया, ताकि स्थिति पर पैनी निगाह बनाई जा सके। अब जांच रिपोर्ट मिलने के बाद शासन की ओर से आगामी दिनों में क्या कुछ कदम उठाया जाता है, इस पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। बता दें कि बीते दिनों उत्तर प्रदेश के हाथरस में बाबा साकार हरि का सत्संग आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वैसे प्रशासन की ओर से 80 हजार लोगों को मंजूरी मिली थी, लेकिन कार्यक्रम में ढाई लाख से भी ज्यादा लोग शामिल हो गए। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब लोगों के बाहर जाने का वक्त आया तो भगदड़ मच गई। अब तक भगदड़ के असल कारण सामने नहीं आ सके हैं। सभी अपनी थ्योरी अपने हिसाब से गढ़ रहे हैं। आंकड़े के मुताबिक इस हादसे में 121 लोगों की मौत हुई है। बड़ी संख्या में लोग जख्मी हैं। पुलिस ने अभी 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी घटनास्थल पर पहुंचे और भगदड़ में जाने गंवाने वाले परिजनों से मुलाकात की इस दौरान, उन्होंने सरकार से पीड़ितों और मृतकों के परिजनों को मिलने वाली आर्थिक सहायता की रकम बढ़ाने की मांग की।

नीट परीक्षा रद्द करना...

इसके अलावा, रिनीट के खिलाफ गुजरात के 56 स्टूडेंट्स ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। स्टूडेंट्स का कहना है कि ज्यादातर ने दो साल की कड़ी मेहनत और 100% लगन के साथ एग्जाम दिया था। ऐसे में दोबारा नीट एग्जाम कराना स्टूडेंट्स के हित में नहीं है। ये आर्टिकल 14 और 21ए के तहत उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 3 जुलाई को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए नीट पर बात की। उन्होंने कहा, पेपर लीक का मुद्दा बेहद संवेदनशील है। विपक्ष ने पेपर लीक पर राजनीति की। मैं निसंकोच रूप से कहना चाहता हूं कि मैंने जांच एजेंसियों को भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई के लिए खुली छूट देकर रखी है। सरकार कहीं भी टांग नहीं अड़ाएगी। कोई भी भ्रष्टाचारी बचकर नहीं निकलेगा, ये मोदी की गारंटी है। इससे पहले 2 जुलाई को भी प्रधानमंत्री ने नीट पेपर लीक मामले का संसद में जिक्र किया था।

ब्रिटेन के 58वें...

नेतृत्व और आपके कार्यकाल के दौरान भारत और ब्रिटेन के बीच संबंधों को गहरा करने में ऋषि सुनक के सक्रिय योगदान के लिए उनको धन्यवाद। आपको और आपके परिवार को भविष्य के लिए शुभकामनाएं। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव के लिए मतदान के बाद आज जारी किए गए नतीजों में लेबर पार्टी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। सरकार बनाने के लिए 326 सीटों की जरूरत होती है। उधर कंजर्वेटिव 120 सीटों पर सिमट गई। यह कंजर्वेटिव पार्टी की पिछले 200 सालों में सबसे बड़ी हार है। कीर स्टार्मर ने मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश के लोग परिवर्तन के लिए तैयार हैं और दिखावे की राजनीति को खत्म करने के लिए उन्होंने मतदान किया है। होलबोर्न और सेंट पैनक्रास सीटों से जीतने के बाद अपने विजय भाषण में 61 वर्षीय स्टार्मर ने कहा, चाहे लोगों ने उन्हें वोट दिया हो या नहीं, मैं इस निर्वाचन क्षेत्र के हर व्यक्ति की सेवा करूंगा। मैं आपके लिए बोलूंगा, आपका साथ दूंगा, हर दिन आपकी लड़ाई लड़ूंगा। अब समय आ गया है कि हम अपना काम करें। बता दें कि कीर स्टार्मर ने अपनी पारंपरिक होलबोर्न सीट से और सेंट पैनक्रास सीट से जीत हासिल की। वहीं निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने रिचमंड सीट से जीत हासिल की। ब्रिटेन के आम चुनाव में भारतीयों की भी धमक देखने को मिली है। चुनाव में भारतीय मूल के 26 नेता हाउस ऑफ कॉमंस के लिए के लिए मनोनीत हुए हैं। ब्रिटेन में इस बार कई कंजर्वेटिव नेताओं को करारी हार का सामना करना पड़ा है। कंजर्वेटिव पार्टी की करारी हार के बावजूद ब्रिटिश भारतीय के रूप में रिचमंड और नॉर्थलेर्टन सीटें बचाने में कामयाब रहे। सुनक के लिए इस चुनाव में यह राहत की बात रही। ऋषि सुनक ने रिचमंड और नॉर्थलेर्टन की जनता का आभार प्रकट किया है। अन्य भारतीय मूल के नेताओं की बात करें तो कंजर्वेटिव पार्टी के सुएला ब्रेवर्मन और प्रीति पटेल ने जीत हासिल की है। सुएला ब्रेवर्मन ने फेरेहम और वाटरलूइल सीटों से जीत हासिल की तो प्रीति पटेल, विथम लोकसभा सीट से जीतीं हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के गगन मोहिंद्रा ने ने साइथ वेस्ट हर्टफोर्डशायर सीट पर जीत का परचम लहराया है। लीसेस्टर से सुनक की पार्टी की शिवानी राजा ने जीत हासिल की है। शिवानी राजा ने लेबर पार्टी के भारतीय मूल के नेता राजेश अग्रवाल को हराया है।

ब्रिटेन के आम चुनाव में लेबर पार्टी के कई भारतीय मूल के नेताओं को भी जीत मिली है। लेबर पार्टी की सीमा मलहोत्रा ने फेल्थम और हेस्टन लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की है। लेबर पार्टी वेलेरी वेज ने वॉल्सॉल और ब्लॉक्सविच लोकसभा क्षेत्रों से जीत हासिल की है। वहीं, लेबर पार्ची की लीसा नंदी को विगन लोकसभा सीट से जीत मिली है। लेबर पार्टी की प्रीत कौर गिल बर्मिंघम एजबेस्टन से जीत हासिल की है। इसके अलावा तन्मजीत सिंह ने स्लॉग लोकसभा सीट से जीत का परचम लहराया है। लेबर पार्टी के नवेंदु मिश्रा ने स्टॉकपोर्ट और नादिया व्हिट्टोम ने नॉटिंघम ईस्ट सीट से लेबर पार्टी को जीत दिलाई है। ब्रिटेन के आम चुनाव में कई ब्रिटिश भारतीय नागरिकों ने नए चेहरों के रूप में लेबर पार्टी के टिकट पर जीत दर्ज की है। इनमें इफोर्ड साउथ से जस अथवाल, डर्बी साउथ से बैगी शंकर, साउथहेम्पटन टेस्ट सीट से सतवीर कौर, हदर्सफील्ड सीट से हरप्रीत उप्पल, वोल्वेरहेम्पटन वेस्ट से वरिंदर जस, स्मैथविक सीट से गुरिंदर जोसन, वेल ऑफ ग्लेमॉर्गन सीट से कनिष्का नारायण, डुडले सीट से सोनिया कुमार, वोल्वेरहेम्पटन नॉर्थ ईस्ट सीट से सुरीना ब्रेकनब्रिज, बोल्टोन नॉर्थ ईस्ट से किरिथ एंटविस्टल, लोफबोरोग सीट से जीवुन संधेर और एशफोर्ड सीट से सोजन जोसफ ने जीत हासिल की।

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि आज से आरंभ

घोड़े पर सवार होकर आएंगी माता रानी

सनातन धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि के दिनों में देवी मां के नव स्वरूपों की पूजा आराधना की जाती है। साल में चार बार नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है जिसमें एक चैत्र नवरात्रि दूसरा शारदीय नवरात्रि और दो गुप्त नवरात्रि। तंत्र मंत्र की साधना में लीन रहने वाले लोगों के लिए गुप्त नवरात्रि बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

इस बार हिंदू पंचांग के मुताबिक आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ शनिवार 6 जुलाई से शुरू हो रहा है और इसका समापन सोमवार 15 जुलाई को होगा। गुप्त नवरात्रि 9 दिन नहीं बल्कि इस बार दस दिनों का है। माता रानी के भक्त गुप्त नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना करते हैं। इस दिन श्रद्धालु निराहार या फलादार रहकर मां दुर्गा की अराधना करते हैं। प्रतिपदा तिथि में घर व मंदिर में कलश स्थापना की जाएगी। इस साल आषाढ़ मास के गुप्त नवरात्रि में इस बार गुप्त नवरात्रि में माता रानी की सवारी घोड़ा है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि साल भर में चार नवरात्रि का त्यौहार मनाया जाता है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि में माता दुर्गा के नौ रूपों की पूजा आराधना की जाती है। लेकिन गुप्त नवरात्रि में माता दुर्गा के 10 महाविद्याओं की तांत्रिक विधि से पूजा आराधना की जाती है। आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ शनिवार 6 जुलाई से शुरू हो रहा है और इसका समापन सोमवार 15 जुलाई को होगा। 10 दिनों में माता दुर्गा की पूजा पूरी तांत्रिक विधि से गुप्त तरीके से की जाएगी। इससे माता दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होने वाली है। वहीं गुप्त नवरात्रि की शुरुआत के दिन अमृत सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है, जो काफी शुभ है।

घट स्थापना शुभ मुहूर्त

नवरात्रि के पहले दिन विधि विधान के साथ घट स्थापना किया जाता है। वहीं आषाढ़ महीने के गुप्त नवरात्रि की घट स्थापन का शुभ मुहूर्त 06 जुलाई सुबह 05:11मिनट से लेकर 07:26 मिनट तक कर सकते हैं। अगर इस मुहूर्त में कलश स्थापन नहीं कर पाते हैं तो अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजे से लेकर 12 बजे तक कर लें। इन दो मुहूर्त में कलश स्थापन करना शुभ रहने वाला है।

घोड़े पर सवार होकर आएंगी माता दुर्गा

नवरात्रि में माता दुर्गा के वाहन का विशेष महत्व होता है। गुप्त नवरात्रि की शुरुआत 6 जुलाई दिन शनिवार को होने जा रहा है। दिन के हिसाब से माता दुर्गा घोड़े पर सवार होकर धरती पर आने वाले हैं। माना जाता है कि जब घोड़े पर सवार होकर माता दुर्गा आएंगी तो प्राकृतिक आपदा की आशंका होती है।

कब से शुरू हो रही गुप्त नवरात्रि

आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ शनिवार 6 जुलाई से शुरू हो रहा है और इसका समापन सोमवार 15 जुलाई को होगा। इस साल आषाढ़ महीने की चतुर्थी तिथि की वृद्धि होने के कारण नवरात्रि 10 दिन रहने वाली है।

गुप्त नवरात्रि में करें ये उपाय

सुबह-शाम दुर्गा चालीसा और दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। दोनों वक्त की पूजा में लौंग और बताशे का भोग लगाएं। मां दुर्गा को लाल रंग के पुष्प ही चढ़ाएं। मां दुर्गा के विशिष्ट मंत्र 'ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडाय विच्चे' का सुबह-शाम 108 बार जप करें। गुप्त नवरात्रि में अपनी पूजा के बारे में किसी को न बताएं।

गुप्त नवरात्रि के व्रत नियम

गुप्त नवरात्रि के दौरान मांस-मदिरा, लहसुन और प्याज का बिल्कुल सेवन नहीं करना चाहिए। मां दुर्गा स्वयं एक नारी हैं, इसलिए नारी का सदैव सम्मान करना चाहिए। जो नारी का सम्मान करते हैं, मां दुर्गा उन पर अपनी कृपा बरसाती हैं। नवरात्रि के दिनों में घर में कलेश, द्वेष या अपमान नहीं करना चाहिए। कहते हैं कि ऐसा करने से बरकत नहीं होती है। नवरात्रि में स्वच्छता का विशेष ख्याल रखना चाहिए। नौ दिनों तक सूर्योदय से साथ ही स्नान कर साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। नवरात्रि के दौरान काले रंग के वस्त्र नहीं धारण करने चाहिए और ना ही चमड़े के बेल्ट या जूते पहनने चाहिए। मान्यता है कि नवरात्रि के दौरान बाल, दाढ़ी और नाखून नहीं काटने चाहिए। नवरात्रि के दौरान बिस्तर पर नहीं बल्कि जमीन पर सोना चाहिए। घर पर आए किसी मेहमान या भिखारी का अपमान नहीं करना चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

मां दुर्गा के इन स्वरूपों की होती है पूजा

मां कालिके, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता चित्रमस्ता, त्रिपुर भैरवी, मां धूम्रवती, माता बगलामुखी, मातंगी, कमला देवी की पूजा की जाती है।

पूजा सामग्री

मां दुर्गा की प्रतिमा या चित्र, सिंदूर, केसर, कपूर, जौ, धूप,वस्त्र, दर्पण, कंघी, कंगन-चूड़ी, सुगंधित तेल, बंदनवार आम के पत्तों का, लाल पुष्प, दूर्वा, मेंहदी, बिंदी, सुपारी साबुत, हल्दी की गांठ और पिसी हुई हल्दी, पटरा, आसन, चौकी, रोली, मौली, पुष्पहार, बेलपत्र, कमलगट्टा, जौ, बंदनवार, दीपक, दीपबत्ती, नैवेद्य, मधु, शक्कर, पंचमेवा, जायफल, जावित्री, नारियल, आसन, रेत, मिट्टी, पान, लौंग, इलायची, कलश मिट्टी या पीतल का, हवन सामग्री, पूजन के लिए थाली, श्वेत वस्त्र, दूध, दही, ऋतुफल, सरसों सफेद और पीली, गंगाजल आदि।

गुप्त नवरात्रि

प्रतिपदा तिथि	(6 जुलाई) -	मां काली
द्वितीया तिथि	(7 जुलाई)-	मां तारा
तृतीया तिथि	(8 जुलाई) -	मां त्रिपुर सुंदरी
चतुर्थी तिथि	(9 जुलाई)-	मां भुवनेश्वरी
पंचमी तिथि	(10 जुलाई)-	मां छिन्नमस्तिका
षष्ठी तिथि	(11 जुलाई)-	मां त्रिपुर भैरवी
सप्तमी तिथि	(12 जुलाई)-	मां धूमावती
अष्टमी तिथि	(13 जुलाई) -	मां बगलामुखी
नवमी तिथि	(14 जुलाई)-	मां मातंगी
दशमी तिथि	(15 जुलाई) -	मां कमला

गुप्त नवरात्र पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर सभी कार्यो से निवृत्त होकर नवरात्र की सभी पूजन सामग्री को एकत्रित करें। मां दुर्गा की प्रतिमा को लाल रंग के वस्त्र में सजाएं। मिट्टी के बर्तन में जौ के बीज बोएं और नवमी तक प्रति दिन पानी का छिड़काव करें। पूर्ण विधि के अनुसार शुभ मुहूर्त में कलश को स्थापित करें। इसमें पहले कलश को गंगा जल से भरें, उसके मुख पर आम की पत्तियां लगाएं और उस पर नारियल रखें। कलश को लाल कपड़े से लपेटें और कलावा के माध्यम से उसे बांधें। अब इसे मिट्टी के बर्तन के पास रख दें। फूल, कपूर, अगरबत्ती, ज्योत के साथ पूजा करें। नौ दिनों तक मां दुर्गा से संबंधित मंत्र का जाप करें और माता का स्वागत कर उनसे सुख-समृद्धि की कामना करें। अष्टमी या नवमी को दुर्गा पूजा के बाद नौ कन्याओं का पूजन करें और उन्हें तरह-तरह के व्यंजनों (पूड़ी, चना, हलवा) का भोग लगाएं। आ-खिरी दिन दुर्गा के पूजा के बाद घट विसर्जन करें, मां की आरती गाएं, उन्हें फूल, चावल चढ़ाएं और बेदी से कलश को उठाएं।

करना है शिव जी को प्रसन्न? तो वार के हिसाब से शिवलिंग पर चढ़ाएं ये चीजें

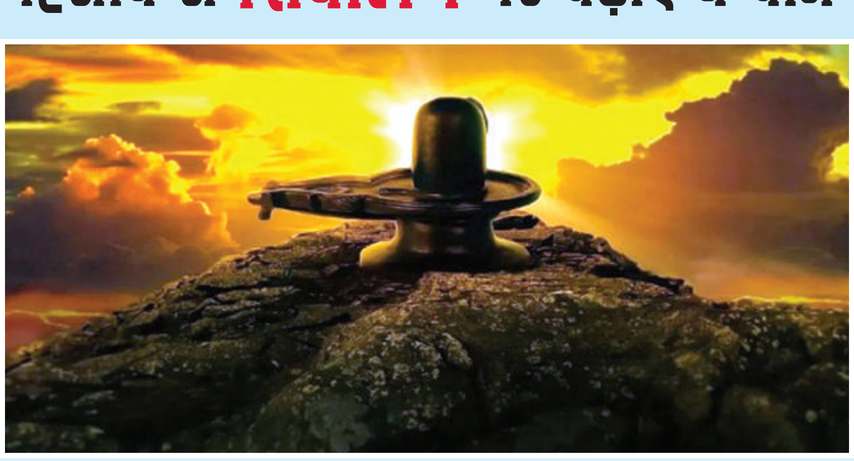

देवों के देव महादेव को सभी देवताओं में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है । कहा जाता है कि जिस पर महाकाल शम्भू की कृपा हो जाए, उसका काल भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता। शिव भगवान इतने भोले माने गए हैं कि मात्र एक पात्र जल चढ़ाने पर भी वे प्रसन्न हो जाते हैं और मनचाहा फल देते हैं। उनके इसे भोलेपन का फायदा असुरों ने भी उठाया है और कई वरदान प्राप्त किए थे। ऐसे में शिवभक्त भी अपने आराध्य देव को प्रसन्न कर उनकी कृपा पा सकते हैं। नवग्रहों को सही करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भगवान शंकर को अगर प्रसन्न कर लिया जाए तो सभी ग्रह भी अनुकूल हो जाते हैं। तो आइए जानते हैं कि शिव भगवान को किस दिन क्या अर्पित करने से नवग्रहों को अनुकूल बनाया जा सकता है।

सोमवार को चढ़ाए सफेद चीजें

सोमवार को चन्द्र का दिन माना जाता है, जोकि मन की शांति को नियंत्रित करता है। ऐसे में अगर आप भी अपने मन को शांत करना चाहते हैं तो सोमवार के दिन शिवलिंग पर सफेद चीजें अर्पित करनी चाहिए, जिनमें कच्चा दूध, चावल, सफेद फूल आदि शामिल हैं।

मंगलवार का उपाय

मंगल ग्रह की बुरी दृष्टि से अगर आप छुटकारा पाना चाहते हैं तो उसके लिए मंगलवार के दिन शिवलिंग पर शहद या पंचामृत चढ़ाना चाहिए। इससे भगवान शिव की अत्यंत कृपा प्राप्त होती है और मंगल ग्रह भी सिद्ध साबित होता है।

बुधवार को बेलपत्र

बुद्ध ग्रह हमारे जीवन में हमारी सामाजिक छवि को नियंत्रित करता है। समाज में अगर आप प्रतिष्ठा पाना चाहते हैं तो बुधवार के दिन शिव भगवान को बेलपत्र और दुर्वा चढ़ाना चाहिए। इससे अत्यंत शुभ फल प्राप्त होता है।

गुरुवार का उपाय

गुरुवार को ग्रहों के स्वामी बृहस्पति की पूजा होती है। कहते हैं कि अगर बृहस्पति को अनुकूल कर लिया जाए, तो सभी ग्रहों की चाल सही हो जाती है। इसलिए गुरुवार के दिन शिव को पीली वस्तुएं चढ़ाई जाती है। जैसे कि पीले पुष्प, और चने की दाल आदि। इससे बृहस्पति मजबूत होता है।

शुक्रवार को करें ये उपाय

शुक्र ग्रह को मजबूत करने के लिए शुक्रवार के दिन शंकर भगवान को गुलाब जल, सफेद चन्दन और इत्र आदि चढ़ाना चाहिए। इससे शुक्र मजबूत होता है और जीवन में धन, वैभव और ऐश्वर्य आता है।

शनिवार का उपाय

शनि ग्रह की कुदृष्टि किसी भी चीज को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। इसलिए हर कोई चाहता है कि उसका शनि हमेशा संतुलित रहे। इसके लिए आपको शनिवार के दिन शिवलिंग पर काले तिल या काली उड़द जरूर चढ़ानी चाहिए।

रविवार और जलाभिषेक

रविवार का दिन सूर्य को समर्पित होता है। इसलिए रविवार के दिन अगर शिवलिंग को चन्दन का लेप लगाया जाए और श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक किया जाए तो सूर्य की असीम कृपा प्राप्त होती है और जीवन में खुशियां आती हैं।

बद्रीनाथ धाम के नए मुख्य पुजारी की हुई घोषणा

जानें बद्री विशाल के नए पुजारी बनने की क्या है प्रक्रिया

चार धाम में से एक बद्रीनाथ धाम को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल, आज यानि 5 जुलाई को बद्री विशाल में मुख्य पुजारी के नए नाम की घोषणा की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, वर्तमान बद्रीनाथ धाम के मुख्य पुजारी रावल ईश्वर प्रसाद नम्बूद्री कुछ कारणों की वजह से त्यागपत्र देंगे। उसके बाद बद्रीनाथ धाम में भगवान बद्री विशाल की पूजा-अर्चना अमरनाथ नम्बूद्री करेंगे। बता दें कि 15 जुलाई 2024 से अमरनाथ नम्बूद्री मंदिर में पूजा-अर्चना प्रारंभ करेंगे।आइए इस लेख में आज हम आपको बताते हैं बद्री विशाल के नए पुजारी बनने की प्रक्रिया क्या है।

बद्री विशाल के नए पुजारी बनने की क्या है प्रक्रिया

नए पुजारी बनने की प्रक्रिया में सबसे पहले योग्य व्यक्ति का मुंडन संस्कार किया जाता है। उसके बाद उस व्यक्ति को पंचतीर्थ का भ्रमण करवाया जाता है। फिर बद्रीनाथ धाम में तप्तकुंड, अलकनंदा नदी, नारद कुंड, प्रहलाद धारा, कुर्म धारा सहित ऋषि गंगा में उन्हें स्नान कराया जाता है। बता दें कि इससे पहले भी कुछ कारणों से रावल यानी मुख्य पुजारी बीच में ही बद्रीनाथ धाम की पूजा छोड़कर चले गए थे।

12 मई 2024 को खुले बद्रीनाथ मंदिर के कपाट

बता दें कि 12 मई 2024 को बद्रीनाथ धाम के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए थे। इसके बाद 9 नवंबर को फिर से मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। क्योंकि चार धामों के प्रमुख मंदिरों के कपाट सिर्फ 6 महीने ही खुले रहते हैं फिर सर्दियों में बंद कर दिए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि जो भी भक्त केदारनाथ जाता है तो उसे बद्रीनाथ धाम के दर्शन भी अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

काशी में कल से शुरू होगा लक्खा मेला

भगवान जगन्नाथ को लगाया जाएगा 40 तरह की नानखटाई का भोग

भगवान जगन्नाथ का अपने भक्तों से अनूठा रिश्ता है। भक्तों के प्रेम में प्रभु इतना स्नान कर लेते हैं कि बीमार पड़ जाते हैं और भक्त 14 दिन तक उनकी अनवरत सेवा करके भी नहीं थकते हैं। भक्तों की सेवा से प्रसन्न प्रभु जगन्नाथ स्वस्थ होने पर उनसे मिलने काशी की गलियों में निकल पड़ते हैं। काशी में 7 जुलाई से तीन दिवसीय लक्खा मेला शुरू हो रहा है। इस मेले के दौरान रथयात्रा निकाली जाती है। इस वर्ष रथयात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ को 40 तरह की नानखटाई का भोग लगाया जाने वाला है। आइए जानते हैं लक्खा मेला में इस बार क्या क्या खास होने वाला है-

लक्खा मेले में नानखटाई का भोग

हिंदू धर्म में भगवान की पूजा बगैर भोग की पूरी नहीं होती है। देवी-देवताओं को उनके प्रिय चीजों का भोग चढ़ाया जाता है। काशी में लक्खा मेले के दौरान भगवान जगन्नाथ को नानखटाई का भोग लगाया जाता है।

तैयार हो रही है 40 तरह की नानखटाई

लक्खा मेले में भगवान जगन्नाथ को भोग लगाने के लिए 40 तरह की नानखटाई तैयार की जा रही है। इनमें काजू, पिस्ता, नारियल के पारंपरिक नानखटाई के साथ-साथ चॉकलेट, स्ट्राबेरी के फ्लेवर के नाखटाई भी बनाए जा रहे हैं। काशी में विराजने वाले भगवान जगन्नाथ का नानखटाई से बहुत पुराना संबंध है। यहां दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं और व्यापारियों को नानखटाई से जुड़े इस मेले का पूरे साल इंतजार रहता है।

ऐसे बनाई जाती है नानखटाई

भगवान जगन्नाथ के प्रिय भोग नानखटाई को तैयार करने में काफी समय और मेहनत लगती है। मैदा, सूजी, नारियल और मेवे को सांचे की मदद से नानखटाई को रूप दिया जाता है और उसे तंदूर में पकाया जाता है।

भगवान विष्णु के अवतार

भगवान जगन्नाथ के नाम का अर्थ ही है पूरे जगत के नाथ यानी जगन्नाथ। काशी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के अवसर पर लक्खा मेला लगता है। मेले में भगवान जगन्नाथ, दाऊ बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर काशी की गलियों में निकलते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं।

फिल्म बेबी जॉन का नया पोस्टर हुआ जारी

बढ़ी हुई दाढ़ी और बेहद गंभीर लुक में दिखे वरुण धवन

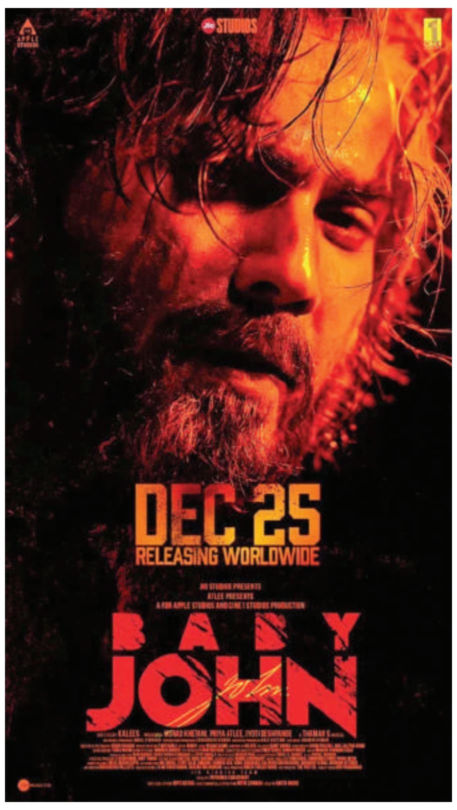

अभिनेता वरुण धवन ने साउथ के निर्देशक कलीश और जवान के निर्देशक एटली कुमार के साथ मिलकर बेबी जॉन नामक एक प्रोजेक्ट बनाया है। बता दें कि घोषणा के बाद से ही निर्माता फिल्म के पीछे के दृश्यों से फैंस को चिढ़ा रहों हैं, जिससे वो और अधिक देखने के लिए उत्सुक हैं। अब, निर्माताओं ने हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म से वरुण धवन का एक नया पोस्टर जारी किया है और वो कातिलाना लग रहें हैं, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।आपको बता दें कि फिल्म बेबी जॉन के नए पोस्टर में वरुण धवन लंबे, गीले बाल, बढ़ी हुई दाढ़ी और बेहद गंभीर भाव में दिखाई दे रहें हैं। ऐसा लग रहा है कि वो एक बड़ी लड़ाई में शामिल होने और अपने रास्ते में आने वाले किसी भी व्यक्ति को हराने के लिए तैयार हैं।

पोस्टर में एक तरफ फिल्म की रिलीज की तारीख और अन्य विवरण भी शामिल हैं।वरुण धवन पहली बार फिल्म में अपने एक्शन कौशल का प्रदर्शन करेंगे और बेबी जॉन तीव्र एक्शन, रोमांचकारी मनोरंजन और शक्तिशाली प्रदर्शनों से भरी होगी। यह फिल्म कीर्ति सुरेश की हिंदी फिल्म डेब्यू भी है और इसमें वामिका गब्बी भी हैं, जो सिल्वर स्क्रीन पर अपनी शुरुआत कर रही हैं। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं। बेबी जॉन एस थमन म्यूजिकल है।बेबी जॉन को जियो स्टूडियोज ने एटली और सिने1 स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत किया है। एप्पल स्टूडियोज और सिने1 स्टूडियोज के प्रोडक्शन के लिए बनी इस फिल्म का निर्माण मुराद खेतानी, प्रिया एटली और ज्योति देशपांडे ने किया है। कलीज़ द्वारा निर्देशित, बेबी जॉन 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है।वरुण धवन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो हाल ही में शरवरी वाघ की मुंज्या में भास्कर शर्मा के रूप में कैमियो किया। वहीं, बेबी जॉन के बाद वरुण, जान्हवी कपूर के साथ करण जौहर की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में दिखाई देने वाले हैं। साथ ही उनके पास सामंथा रूथ प्रभु के साथ राज और डीके की सिटाडेल हनी बनी भी है। इसके अलावा वरुण धवन की लिस्ट में दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर के साथ नो एंट्री 2 में अभिनय करने वालें हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का निर्माण बोनी कपूर करेंगे और इसका निर्देशन अनीस बज्मी करेंगे।

काली रात, उदास चेहरा, कुबेर से रश्मिका मंदाना का नया पोस्टर आउट

कुबेर से नागार्जुन अक्किनेनी और धनुष के फर्स्ट लुक जारी करने के बाद मेकर्स अब रश्मिका मंदाना का लुक रिलीज करने के लिए तैयार हैं। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म से रश्मिका मंदाना का नया पोस्टर जारी किया है। वहीं, 5 जुलाई 2024 को मेकर्स उनके किरदार से रूबरू कराएंगे। इससे पहले शेखर कम्मुला की निर्देशित फिल्म से नागार्जुन अक्किनेनी और तमिल स्टार धनुष के फर्स्ट लुक को रिलीज किए गए थे।मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर रश्मिका मंदाना का नया पोस्टर रिलीज किया है और कैप्शन में लिखा है, हमारी अगला प्रोजेक्ट में से एक। पोस्टर में रश्मिका को काली रात के अंधेरे में देखा जा सकता है। एक्टेस का चेहरे ऐसा लग रहा है, जैसे वह किसी बात से चिंतित हैं।उधर रश्मिका मंदाना ने भी अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपना पोस्टर शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, कुबेर का फर्स्ट लुक। पोस्टर पर रश्मिका के फर्स्ट लुक की रिलीज की डिटेल्स दी गई है। मेकर्स एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक 5 जुलाई को

सुबह 11।34 बजे करेंगे।शेखर कम्मुला की निर्देशित कुबेर को तीन भाषाओं में रिलीज किया है। फिल्म में धनुष, नागार्जुन, जिम सर्भ और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की घोषणा 2022 में की गई थी और यह पिछले साल फ्लोर पर आई थी। फिल्म की शूटिंग जोरों पर है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की लगभग 60 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है।

जाह्नवी कपूर की फिल्म उलझ की रिलीज टली

नई तारीख का हुआ ऐलान

मई की आखिर में जाह्नवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही रिलीज हुई थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी, लेकिन दर्शकों को एक्ट्रेस की एक्टिंग काफी पसंद आई थी। इसे देखने के बाद अब जाह्नवी के फैंस उनकी अगली फिल्म उलझ का इंतजार कर रहे हैं।ऐसे में मेकर्स ने भी फैंस का यह इंतजार अब खत्म कर दिया है और एक मोशन पोस्टर शेयर करते हुए उलझ की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है।

जाह्नवी कपूर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर किया है। इसमें फिल्म का टाइटल और उससे जुड़ी जानकारी देखने को मिल रही है। इसे शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा है कि उलझ अब 2 अगस्त को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। जल्द ही पॉपकॉर्न के साथ मिलते हैं।इस मूवी में एक्ट्रेस इंडियन फारेस्ट ऑफिसर यानी आईएफएस का किरदार निभाने वाली हैं। फिल्म की कहानी देशभक्ति पर आधारित होगी।

इसमें उनके साथ गुलशन देवैया, राजेश तैलंग, रोशन मैथ्यू, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी समेत कई स्टार्स दिखाई देने वाले हैं।फैंस भी अब इसकी रिलीज डेट जानकर खुश हो गए हैं और एक्ट्रेस की इस मूवी को देखने के लिए एक्साइटमेंट दिखा रहे हैं।

अगस्त की शुरुआत में एक तरफ जहां जाह्नवी कपूर की उलझ आने वाली है। वहीं 15 अगस्त को एक साथ 3 फिल्में रिलीज होंगी। जॉन अब्राहम की वेदा, अक्षय कुमार और तापसी पन्नू स्टारर खेल खेल में और श्रद्धा कपूर की स्त्री 2। ऐसे में जाह्नवी की इस फिल्म को इन फिल्मों से कड़ी टक्कर मिलने वाली है।

मिर्जापुर 3 शबनम बनेगी ड्रग कार्टेल का हिस्सा शेरनवाज जिजीना ने किया खुलासा

सुपरहिट क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज मिर्जापुर 3 का बेसब्री से फैंस को इंतजार है। कुछ ही घंटे बचे हैं और सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो जाएगी। लाखों फैंस की तरह एक्ट्रेस शेरनवाज जिजीना भी बेसब्र हैं। उन्होंने बताया कि इस सीजन में उनका किरदार ड्रग कार्टेल का है और वो ड्रग डील करती दिखेंगी।एक्ट्रेस सीरीज में शबनम के किरदार में हैं, जो अफीम का कारोबार चलाने वाले लाला (अनिल जॉर्ज) की बेटी हैं।शेरनवाज जिजीना ने कहा, शबनम ने कभी किसी के साथ बुरा बर्ताव नहीं किया, उसने कभी बंदूक नहीं पकड़ी, और वह इस पूरी चीज से दूर है। लेकिन अब अचानक वह ड्रग डील कर रही है और गुड्डू के खिलाफ खड़ी है। यह मजेदार है।मिर्जापुर में अपनी पहचान बनाने को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, मिर्जापुर शो पूरी तरह से गद्दी के इर्द-गिर्द घूमता है। शो के पुरुष किरदार गुड्डू पंडित और कालीन भैया, शरद और बाकी सभी हैं, जो इस बात पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं कि गद्दी पर कौन शासन करेगा। हमारे लेखकों और निर्देशकों ने महिलाओं के किरदारों को बहुत खूबसूरती से पेश किया है, क्योंकि महिलाएं सीरीज की जान हैं, वे पुरुषों को गद्दी तक पहुंचने में मदद कर रही हैं। उन्होंने साझा किया कि चाहें वह श्वेता त्रिपाठी शर्मा का गोलू किरदार हो, बीना बनी रसिका हों या माधुरी की भूमिका में ढली ईशा तलवार हों , सभी ने बहुत अच्छा काम किया है।उन्होंने आगे कहा, महिलाओं को पुरुष प्रधान शो में आगे बढ़ने का मौका मिला। और वो बड़े निखर कर सामने आईं। इसका पूरा श्रेय हमारे लेखकों को जाता हैं, जिन्होंने शानदार काम किया है।उन्होंने आगे बताया कि यह सीजन उनके लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रहा है।उन्होंने कहा- वह (उनका किरदार) हर सीजन के साथ शो में बड़ी होती गई हैं। इस किरदार की मासूमियत और सरलता को बनाए रखना बेहद जरूरी था। वह शो में एकमात्र ऐसी है जिसे सत्ता या पैसे की लालसा नहीं है। उसे अपने नुकसान का कोई मलाल नहीं है, बल्कि इसके बजाय, वह हर पहलू में दया दिखाती है। इस तरह के किरदार को निभाने के लिए आपको बहुत धैर्य की जरूरत होती है और यह मेरे पास मौजूद शानदार टीम के बिना संभव नहीं होता।

उन्होंने आगे कहा, उसका (शबनम) ग्राफ इतना बदल रहा है, वह अपने पिता के बिजनेस की जिम्मेदारी संभालती है। वह परिवार का बेटा बन जाती है। गुड्डू ने उसे बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाया, वह उसके कारण अपने पति को खो देती है, और उसके पिता उसके कारण जेल जाते हैं, फिर भी उसकी प्राथमिकता गुड्डू है। उसकी प्राथमिकता फिर भी मिर्जापुर की गद्दी नहीं है। तीसरे सीजन में, उसके लिए चीजें बदली हैं।इस नए सीजन को लेकर दूसरे सीजन में शुरू हुई गुड्डू पंडित और शबनम की प्रेम कहानी को लेकर सस्पेंस बना हुआ हैं। मिर्जापुर 3में उनकी प्रेम कहानी देखने को मिलने वाली है।दरअसल, दूसरे सीजन में गुड्डू पंडित और शबनम (शेरनवाज जिजीना) के बीच प्यार को दिखाया गया था। त्रिपाठी परिवार से अपने भाई और पत्नी की मौत का बदला लेने के लिए गुड्डू पंडित गोरखपुर में लाला के यहां पनाह लेता है। यहां रहकर वह लाला के अफीम के बिजनेस को बढ़ाता है और उसका भरोसा जीतता है।इस दौरान लाला की बेटी शबनम से गुड्डू पंडित को प्यार हो जाता है।

लाला गुड्डू को शबनम से दूर रहने की धमकी भी देता है, बावजूद इसके दोनों मिलना-जुलना जारी रहता है।मिर्जापुर 2 में गुड्डू पंडित और शबनम का किसिंग सीन भी दिखाया गया था।

प्रभु देवा और वेधिका स्टारर पेट्टा रैप का टीजर रिलीज़

अभिनेता विजय सेतुपति ने आगामी फिल्म पेट्टा रैप का पहला आधिकारिक टीजर जारी किया, तो उत्साह चरम पर पहुँच गया। इस फिल्म में प्रभु देवा और वेधिका मुख्य भूमिकाओं में हैं। विजय सेतुपति द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किया गया यह टीजर इस संगीतमय असाधारण फिल्म के लिए एक आशाजनक शुरुआत दर्शाता है।अपने कैप्शन में, विजय सेतुपति ने पेट्टा रैप का टीजर पेश करने पर अपनी खुशी व्यक्त की और पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएँ दीं।पेट्टा रैप 1990 के दशक के प्रभु देवा के प्रतिष्ठित हिट नंबरों में से एक से प्रेरित है, जो एक जीवंत कथा के लिए मंच तैयार करता है।

फिल्म में, प्रभु देवा एक महत्वाकांक्षी अभिनेता की भूमिका निभाते हैं, जबकि वेधिका एक संगीत बैंड का नेतृत्व करती है, जो एक आकर्षक कहानी का वादा करती है जो उनके जुनून और महत्वाकांक्षाओं को जोड़ती है।इस फिल्म में विवेक प्रसन्ना, भगवती पेरुमल, रमेश थिलक, माइम गोबी, रियाज़ खान और कलाभवन शाजोन सहित प्रतिभाशाली कलाकारों की टुकड़ी है, जो कथा कैनवास में गहराई जोड़ती है।डी इम्मान का संगीत स्कोर और जीतू दामोदर की सिनेमैटोग्राफी फिल्म के सौंदर्य आकर्षण को बढ़ाने के लिए तैयार है, जो दर्शकों के लिए एक दृश्य और श्रवण का वादा करती है।पेट्टा रैप के इर्द-गिर्द उत्सुकता बढ़ने के साथ, प्रशंसक प्रभु देवा, वेधिका और पर्दे के पीछे के प्रतिभाशाली क्रू के बीच इस रोमांचक सहयोग की आगे की अपडेट और झलकियों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पेट्टा रैप संगीत, ड्रामा और मनोरंजन के अपने अनूठे मिश्रण के साथ अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार है, इसलिए देखते रहिए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन अच्छा रहेगा। आय के स्रोतों में वृद्धि में होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास कार्यों में सफलता दिलाएगा। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा। शेयर–सट्टे से दूर रहें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों–मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी। सेहत का लेकर सावधानी बरतें। विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम से अच्छा फल मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से व्यापार–व्यवसाय अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपनी योग्यता और क्षमताओं का भरपूर लाभ उठायेंगे और कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे और आकस्मिक धनलाभ की संभावना रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्च बढ़ने से चिंतित रहेंगे, जिससे क्रोध की अधिकता रहेगी। बिना सोचे किसी कार्य की शुरुआत न करें, अन्यथा नुकसान की संभावना रहेगी। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा और परिजनों का सहयोग मिलेगा। सेहत को लेकर सावधान रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन आर्थिक दृष्टि से काफी अच्छा रहेगा। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पुराने मित्रों से सुखद मिलन होगा। संतान के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। परिवार के साथ कुछ अच्छे पलों का आनंद उठा सकते हैं। सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य भी आपके अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिला–जुला रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। सहयोगी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए संभलकर रहने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता और भागदौड़ की स्थिति रहने से मानसिक एवं शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला–जुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ रहेगा। कठिन परिश्रम से सभी कार्य समय पर पूरे होंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। लेन–देन में सावधानी बरतें। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन दोस्तों से अनबन हो सकती है। परिवारजनों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। संवेदनशील मामलों में संभलकर चलने की आवश्यकता है। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों की सफलता से धनलाभ की स्थिति रहेगी। व्यापारिक यात्रा के योग रहेंगे, जो लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने में रुचि ले सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। नौकरी में स्थान बदल सकते हैं। खान–पान का ध्यान रखें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में छोटी–छोटी परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों और कड़ी मेहनत से कार्यों में सफल होंगे, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों के प्रति रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। मित्रों से मुलाकात प्रसन्नता देगी। आपका पारिवारिक जीवन थोड़ा संघर्षमय रह सकता है। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा निकल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आकस्मिक धनलाभ की प्राप्ति हो सकती है। प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश लाभदायक रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता मिलेगी और सुख–समृद्धि में वृद्धि होगी। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा। काम की अधिकता से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। घर की सजावट के लिए नई वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यवसाय–धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। किसी नये कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। बेरोजगारों को नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मंगल कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने के योग बन रहे हैं। घरेलू जीवन में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य से अनबन हो सकती है। संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए संयम रखना आवश्यक है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिला–जुला रहेगा। कारोबार में धन प्राप्ति के योग हैं। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कुछ परेशानियां भी आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार के किसी उत्सव में खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में वाद–विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए समझदारी का परिचय देते हुए परिवार समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। जीवनसाथी का पूरा सहयोग रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर भरोसा न करें। अपनी मेहनत पर विश्वास करें और आगे बढ़ते रहें। अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीमन–जायदाद के सौदे करने से पहले बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें। किसी नवीन कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। मित्रों से संबंध काफी अच्छे रह सकते हैं। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 06 जुलाई 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 04:28 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु रात्रि 04:48 तक
योग : व्याघात रात्रि 02:28 तक
करण : किंस्तुघ्न सायं 04:24 तक
चन्द्रराशि : मिथुन रात्रि 10:35 तक
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गुप्त नवरात्रि आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा में 12 आईएएस अधिकारियों के तबादले

चंडीगढ़, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार ने तुरंत प्रभाव से 12 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के स्थानांतरण एवं नियुक्ति आदेश जारी किये हैं।

कृषि और किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अंकुर गुप्ता को सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और कार्मिक (नियुक्ति) विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है।अनुराग रस्तोगी को वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के साथ–साथ गृह मामलों, जेल, अपराध और न्याय विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा श्रम विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है।

सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग को स्कूल शिक्षा विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है।सुश्री जी अनुपमा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा पिछड़ा वर्ग एवं अंत्योदय विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव होंगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, निर्वाचन विभाग अनुराग अग्रवाल को पीडब्ल्यूडी (बीएंडआर)और सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। राजीव रंजन को सरकार ने मत्स्य पालन विभाग का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। मोहम्मद शाईन 'हाउसिंग फॉर ऑल' के आयुक्त तथा हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम और आपूर्ति एवं निपटान विभाग के महानिदेशक के अलावा उच्चतर शिक्षा विभाग के आयुक्त एवं सचिव का अतिरिक्त कार्य भी देखेंगे।

इसी प्रकार दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक फूलचंद मीणा अपने वर्तमान कर्तव्यों के अलावा हिसार डिवीजन के नए आयुक्त के रूप में भी कार्य करेंगे। हिसार डिवीजन की आयुक्त और हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के प्रबंध निदेशक गीता भारती अम्बाला डिविज़न की आयुक्त भी होंगी। उच्च शिक्षा विभाग के महानिदेशक और सचिव राजीव रतन को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा करनाल के विभागीय सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है।

राणा अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

चंडीगढ़, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के पूर्व विधायक श्याम सिंह राणा अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सभी नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। उन्होंने श्याम सिंह राणा को भाजपा का पटका पहनाकर पार्टी में शामिल कराया। सदस्यता ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री ने श्याम सिंह राणा को अपना घनिष्ठ मित्र बताया और कहा कि सभी नये साथियों को भाजपा में पूरा मान और सम्मान मिलेगा। इस मौके पर श्री सैनी ने कांग्रेस पर जबरदस्त हमला बोला और कहा कि 2014 में कांग्रेस के भ्रष्टाचार से परेशान होकर जनता ने उसके शासन को उखाड़ फेंका था। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर भी तंज कसते हुये कहा कि हुड्डा साहब को पोर्टल के कारण पेट में दर्द हो रहा है।

राजस्थान की आर्थिक प्रगति में जेम्स एवं ज्वैलरी का अहम योगदान : भजनलाल

जयपुर, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुलाबी नगरी जयपुर को विश्व पटल पर रत्न आभूषणों के लिए विख्यात बताते हुए कहा है कि जेम्स एवं ज्वैलरी व्यापार राज्य की आर्थिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा हैं, साथ ही यह रोजगार सृजन का भी मुख्य साधन हैं।

श्री शर्मा शुक्रवार को ज्वैलरी एसोसिएशन द्वारा सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आयोजित जस–2024 के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस उद्योग को बढ़ावा देने तथा उद्यमियों के लिए व्यापार को सुगम बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जयपुर में बनाए गए आभूषण दुनियाभर में अपनी खूबसूरती और शिल्प कौशल के लिए पहचाने जाते हैं। इसी वजह से राज्य सरकार द्वारा 'एक जिला एक उत्पाद' योजना के तहत जयपुर में रत्न एवं आभूषणों को चिह्नित किया गया है। जिसके तहत राज्य सरकार इस क्षेत्र को और अधिक विकसित बनाने के लिए कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023–24 में राजस्थान के कुल निर्यात में रत्न–आभूषणों की हिस्सेदारी 11 हजार 183 करोड़ रुपये की रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने सोने के आभूषणों की हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाया है। इससे आभूषण उद्योग और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के साथ मिलकर जेम्स एण्ड ज्वैलरी पार्क स्थापित किया जाएगा, जिससे एक लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कारीगरों का प्रशिक्षण, नवीनतम तकनीक एवं शोध में निवेश को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, जिससे यह उद्यम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों को छू सकें। श्री शर्मा ने कहा कि जयपुर के कारीगरों द्वारा बनाई गई जेम्स एवं ज्वैलरी को देश–विदेशों में अपनी एक अलग पहचान मिलती है क्योंकि जयपुर आभूषण उद्योग का हृदय है। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे इस उद्योग में लगे कारीगरों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए और अधिक कार्य करें। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में आभूषण केवल सौंदर्य की वस्तु ही नहीं हैं बल्कि इसका सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व भी है। आमजन का जौहरी पर विश्वास रहता है जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की परिकल्पना के तहत अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को आगे लाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचाने की हमारी जिम्मेदारी है। हम सभी अपने नागरिक होने के कर्तव्यों का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि सभी प्रदेशवासी विकसित भारत– विकसित राजस्थान के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए सुझाव दें जिससे इस परिकल्पना को साकार किया जा सके। इससे पहले मुख्यमंत्री ने फीता काटकर 'जस–2024' के कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने इस दौरान जेम्स वर्ल्ड मैग्जीन का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने वहां लगी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। उन्होंने प्रदर्शनी के माध्यम से जयपुर की ज्वैलरी को शोकेस करने के लिए मंच उपलब्ध कराने के लिए आयोजनकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

प्रदेश को अपराध मुक्त बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता: बेढम

उदयपुर, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि राज्य सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है, साइबर फ्रॉड एवं अपराधियों को कठोरता से निपटा जायेगा।

श्री बेढम आज डबोक स्थित महाराणा प्रपात हवाईअड्डे पर जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अपराध मुक्त राजस्थान बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। पेपर लीक गिरोह पर नकेल के लिये स्पेशल टास्क फोर्स गठित की गयी है। ऑपरेशन एन्टी वायरस के माध्यम से साइबर अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आधुनिकीकरण के लिये भी कदम उठाये गये हैं।

इससे पूर्व श्री बेढम एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सी पी जोशी के डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर विभिन्न समाज के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा गुर्जर समाज के द्वारा गर्म जोशी से स्वागत किया गया।

उसके उपरांत श्री बेढम ने निवानिया गांव में देवनारायण भगवान के दर्शन किये। विभिन्न समाज के लोगों से चर्चा की। श्री बेढम ने सांवलिया सेठ के दर्शन करके पूजा अर्चना की एवं प्रदेश की खुशहाली के लिये कामना की।

राजस्थान में मानसून की अच्छी बरसात से सात जिलों में असामान्य वर्षा

जयपुर, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान में मानसून की अच्छी बरसात का दौर जारी है और अब तक प्रदेश के सात जिलों में असामान्य एवं दस जिलों में सामान्य से अधिक जबकि 18 जिलों में सामान्य वर्षा हो चुकी है। हालांकि अभी पन्द्रह जिलों में बारिश की कमी बनी हुई हैं।

जल संसाधन विभाग के अनुसार गत एक जून से पांच जुलाई तक प्रदेश में सामान्य वर्षा 71.70 के मुकाबले 72.44 मिलीमीटर बरसात हो चुकी है जो सामान्य वर्षा है। हालांकि गत वर्ष इस दौरान 165.73 मिलीमीटर हुई थी। इस बार प्रदेश में मानसून के आने के बाद बारिश का अच्छा दौर जारी है और अब तक अलवर, ब्यावर, भरतपुर, डीग, धौलपुर, दूदू एवं खैरथल–तिजारा जिलों में असामान्य वर्षा दर्ज की गई हैं।

इस दौरान भरतपुर संभाग के डीग जिले में सामान्य वर्षा 79.58 के मुकाबले 220.50 मिलीमीटर वर्षा हुई जो सामान्य से 177.07 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह धौलपुर में सामान्य वर्षा 85.91 के मुकाबले 212.43 मिलीमीटर बरसात हो चुकी है जो सामान्य से 147.26 प्रतिशत एवं जयपुर संभाग के दूदू जिले में सामान्य वर्षा 65.97 की जगह अब तक 167.17 मिलीमीटर बारिश हुई जो सामान्य से 120.04 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह अलवर, भरतपुर, ब्यावर एवं खैरथल–तिजारा जिले में भी अब तक असामान्य बरसात हो चुकी है। प्रदेश में अब तक दस जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हो चुकी है जिनमें दौसा, जयपुर ग्रामीण, झुंझुनूं, केकड़ी, कोटा, कोटपुतली–बहरोड़, नीमकाथाना, राजसमंद, सीकर एवं टोंक जिला शामिल है। इसके अलावा 18 जिलों अजमेर, अनूपगढ़, बांसवाड़ा, बाड़मेर, भीलवाड़ा,, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, डीडवाना–कुचामन, डूंगरपुर, गंगानगर, गंगापुरसिटी, जयपुर, झालावाड़, जोधपुर, करौली, सवाईमाधोपुर एवं उदयपुर में अब तक सामान्य बरसात दर्ज की गई हैं। हालांकि इस दौरान पन्द्रह जिले ऐसे हैं जहां अभी बरसात की कमी हैं जिनमें बालोतरा, बारां, बीकानेर, हनुमानगढ, जैसलमेर, जालोर, जोधपुर ग्रामीण, नागौर, पाली, फलौदी, प्रतापगढ़, सलूम्बर, शाहपुरा, सिरोही एवं सांचौर जिला शामिल है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष इस अवधि में 28 जिलों में असामान्य, 10 जिलों में सामान्य से अधिक एवं नौ जिलों में सामान्य वर्षा हुई जबकि केवल एक जिले में ही बरसात की रही। इस बार मानसून के आने के बाद लगातार अच्छी बरसात होने से अब तक प्रदेश के पांच बांध पूरे भर चुके हैं जबकि 215 बांध आंशिक रुप से भरे हैं। हालांकि अभी 417 बांध खाली है। राजधानी जयपुर सहित कई क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति करने वाले टोंक जिले के बिसलपुर बांध का जलस्तर 309.69 आर एल मीटर पहुंच गया।

12वीं के नतीजे में त्रुटियों से बच्चे मानसिक रूप से प्रताड़ित: चौटाला

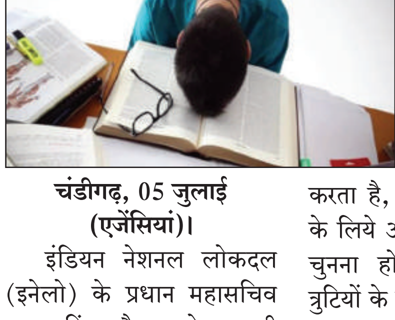

चंडीगढ़, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने हाल ही में हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड (एचएसईबी) बीएसईएच) के 12वीं की परीक्षा के नतीजे जारी करने पर अंकतालिका (मार्कशीट) में पांच विषयों की बजाय चार का परिणाम देने पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुये कहा कि यह बच्चों के लिये मानसिक प्रताड़ना है।

श्री चौटाला ने शुक्रवार को कहा कि बोर्ड की लापरवाही के कारण कई छात्रों को उनके और उनके माता–पिता के नाम की वर्तनी में भी गलतियां मिलीं हैं। उन्होंने कहा कि बारहवीं का परिणाम बच्चों का भविष्य तय करता है, जब उन्हें उच्च शिक्षा के लिये अपने आगे का करियर चुनना होता है। ऐसी गंभीर त्रुटियों के कारण बच्चों के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी हो सकती है और उन्हें ग्रेजुएशन, लॉ, बीटेक और एमबीबीएस में प्रवेश लेने से वंचित होना पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा बोर्ड जल्द से जल्द अपनी इस गलती को सुधारे ताकि बच्चे कॉलेज प्रवेश के लिये अपने दस्तावेज जमा कर सकें। साथ ही बोर्ड की इस लापरवाही पर कड़ा संज्ञान लेकर दोषी अध्यक्ष के साथ बोर्ड के सचिव के खिलाफ तुरंत कार्रवाई कर दंडित किया जाये।

शिक्षा राष्ट्र का निर्माण करती है: कलराज मिश्र

डीग, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि शिक्षा सतत चलने वाली प्रक्रिया है, यह ज्ञान प्राप्ति और सक्षम मानव शक्ति का सृजन ही नहीं करती बल्कि राष्ट्र का निर्माण करती है।

श्री मिश्र शुक्रवार को डीग के कुम्हेर स्थित महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में संबोधित रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालयों में कौशल से जोड़ने वाली शिक्षा प्रदान करने पर जोर देते हुये नयी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिये कार्य किये जाने की आवश्यकता है। श्री मिश्र ने बालिका शिक्षा को भी बढ़ावा दिये जाने पर जोर देते हुये कहा कि जहां बालिकायें शिक्षा प्राप्त करती हैं, वह समाज तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में बालिका शिक्षा के अवसर प्रदान करने और बेटियों को स्वर्ण पदक में अव्वल रहने पर बधाई भी दी।

राज्यपाल ने नैनो मेडिकल के

लिये विश्वविद्यालय के किये कार्यों को भी सराहा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे पाठ्यक्रम तैयार करे जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में हमें सक्षम बनायें। श्री मिश्र ने समारोह में वर्ष 2022 एवं 2023 के करीब 95 हजार स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्रों को उपाधि प्रदान की गयी। इनमें से 95 छात्रों को अच्छे अंक प्राप्त करने पर स्वर्ण एवं रजत पदक देकर सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के 31 छात्रों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गयी।

समारोह में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने राज्य में आयोजित हो रहे रोजगार उत्सव की चर्चा हुये कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के साथ कौशल विकास से भी निरंतर सम्पन्न कर रही है। उन्होंने उच्च शिक्षा में हो रहे नवाचारों के बारे में भी जानकारी दी। राज्यपाल ने इससे पहले संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.रमेश चंद्रा विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

पटवारी राजकीय सेवा से बर्खास्त

बीकानेर, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

जिला कलक्टर (भू–अभिलेख) नम्रता वृष्णि ने नाथूसर पटवार मंडल के निलंबित पटवारी नवरतन शर्मा को राजकीय सेवा से बर्खास्त करने के आदेश जारी किए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि सत्र न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) बीकानेर द्वारा नाथूसर पटवार मंडल के पटवारी नवरतन शर्मा के विरुद्ध दोष सिद्ध होने पर न्यायालय द्वारा दंडित किए जाने के बाद उसे राजकीय सेवा से पदच्युत किया गया है। जिला कलक्टर (भू–अभिलेख) नम्रता वृष्णि ने नवरतन शर्मा को राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम 19 और राज्य सरकार के परिपत्र के अनुसरण में उनको 26 जून 2024 से राजकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

अवैध शराब त्रासदी के पीड़ित स्वतंत्रता सेनानी नहीं 10 लाख के मुआवजे के खिलाफ हाईकोर्ट में दलील

चेन्नई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में पिछले महीने जहरीली शराब पीने से करीब 56 लोगों की मौत हो गई थी। पूरे राज्य में इस त्रासदी को लेकर हाहाकार मच गया था। जहां भाजपा ने हंगामा करना शुरू कर दिया था। वहीं, बिगड़ते हालात को देखते हुए सीएम एमके स्टालिन ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये और अस्पताल में भर्ती लोगों को 50 हजार का मुआवजा देने का एलान किया था। हालांकि, अब इस मुआवजे के आदेश को रद्द कराने के लिए मद्रास उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है।

कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी की मुआवजा राशि पर चिंता जताते हुए मोहम्मद गौस ने जनहित याचिका दायर की। इस याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश आर महादेवन और न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीक की खंडपीठ ने कहा कि मुआवजे की राशि अधिक है। इस मामले पर आगे की सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी।

गौस ने याचिका में कहा कि पीड़ित स्वतंत्रता सेनानी या सामाजिक कार्यकर्ता नहीं थे, जिन्होंने आम जनता या समाज के लिए अपनी जान गंवाई हो और जिन्होंने जहरीली शराब पीकर एक तरीके से गलत काम ही किया है। अवैध शराब पीना गलत ही था। राज्य को उन लोगों पर दया करने की जरूरत नहीं है, जिन्होंने अवैध शराब पी और अपनी जान गंवा दी।

उन्होंने कहा कि जहरीली शराब के शिकार लोगों को सिर्फ सांत्वना देनी जानी चाहिए। जिन्होंने अपनी खुशी के लिए गैरकानूनी काम किया है, उन्हें कोई मुआवजा नहीं दिया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता ने कहा कि यह स्पष्ट है कि अवैश शराब पीना गलत था। राज्य सरकार किस आधार पर आग या किसी अन्य दुर्घटना के पीड़ितों को कम मुआवजा दे रही है। जबकि जहरीली शराब त्रासदी के पीड़ितों को भारीभरकम राशि दे रही है।

तमिलनाडु में जहरीली शराब से पहले भी कई बार मौत की घटनाएं हुई हैं। तमिलनाडु के कृष्णागिरि और कर्नाटक के कोलार के सीमावर्ती गांवों में मई 2008 में जहरीली शराब से लगभग 180 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें से 60 कृष्णागिरी जिले और बाकी कोलार और बेंगलुरु के थे। कई लोगों की आंखों की रोशनी भी चली गई थी।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु में जहरीली शराब से साल 2020 में 20 और 2021 में छह मौतें हुईं। 2023 में राज्य के विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में लगभग 22 लोगों की जहरीली शराब से मौत हो गई थी।

नीतीश सरकार के मंत्री के पास लग गई इस्तीफे की कतार

पटना (एजेंसियां)। बिहार के दर्जनों उपमुख्य पार्षद ने सामूहिक तौर पर इस्तीफा दे दिया है। राज्य के अलग-अलग नगर निकायों से यह सभी प्रतिनिधि पटना पहुंचे। यहां पर नगर विकास मंत्री नितिन नवीन से मुलाकात कर उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया। इतना ही नहीं उपमुख्य पार्षदों ने जमकर हंगामा किया। साथ ही कई गंभीर आरोप भी लगाए। इतने अधिक संख्या में उपमुख्य पार्षदों के इस्तीफ के बाद बिहार सरकार के मंत्री नितिन नवीन भी परेशान दिखे।

इनका आरोप है कि 2022 में राज्य निर्वाचन आयोग ने नए नियम के तहत राज्य के सभी 252 निकायों में मेयर, उपमेयर और नगर अध्यक्ष, नगर उपाध्यक्ष का चुनाव करवाया जिसमें सीधे जनता ने वोट दिया था। नगर उपाध्यक्ष तो बन गए लेकिन उपाध्यक्ष को अधिकार कुछ भी नहीं दिया गया है। इसको लेकर नगर निकाय में उपाध्यक्ष पद पर तैनात लोग लगातार आंदोलन कर रहे थे और अब उग्र रूप अपनाते हुए आज नगर विकास मंत्री नितिन नवीन के आवास पर सैकड़ों की संख्या में नगर उपाध्यक्ष पहुंच गए और अपना इस्तीफा पत्र दिए।

भीषण हादसे में महिला दरोगा समेत दो की मौत

पटना (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के सिधवलिया थाना क्षेत्र के फुटानीगंज के पास एनएच-27 पर भीषण सड़क हादसे में महिला दरोगा की मौत हो गई। वह अपने कार से केस की गवाही देने जा रही थीं, एनएच 27 पर सीमेंट लदा ट्रक अनियंत्रित होकर उनकी गाड़ी पर ही पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि महिला दारोगा और ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। मत दरोगा की पहचान सतीभा कुमारी के रूप में की गई है, जो सिधवलिया थाने में तैनात थीं और बेगूसराय जिला की रहने वाली थीं। वहीं, ड्राइवर की पहचान नहीं हो सकी है। हादसे के बाद एसपी स्वर्ण प्रभात, एसडीपीओ अभय रंजन, एसडीपीओ प्रांजल मौके पर पहुंचे। कई थानों की पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई है।

बताया जाता है कि महिला सब इंस्पेक्टर सतीभा कुमारी सिविल कोर्ट में एक केस की गवाही देने के लिए निकली थीं। रास्ते में सीमेंट से लदा ट्रक उनकी कार पर अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक ड्राइवर को हादसे के दौरान पता नहीं चल सका कि सीमेंट की बोरियों से एक कार दबी हुई है। शाम में जब गिरे हुए सीमेंट को दूसरे वाहन में लोड किया जा रहा था, तब क्षतिग्रस्त कार दिखी और उसके अंदर महिला सब इंस्पेक्टर और ड्राइवर मिले, जिनकी मौत हो चुकी थी। सिधवलिया थाने की पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि यह हादसा पुलिस परिवार के लिए बेहद दुखद है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ हादसे के बाद मृत सब इंस्पेक्टर और ड्राइवर के परिजनों को सूचना दे दी गई है। शुक्रवार को पुलिस लाइन में दिवंगत सब इंस्पेक्टर को गार्ड ऑफ ऑनर देकर श्रद्धांजलि दी जाएगी।

किन्नर के भेष में लोगों से ठगी करते दो पुरुषों को असली किन्नरों ने पकड़ा

मोतिहारी (एजेंसियां)। मोतीहारी के रक्सौल में शुक्रवार मेन रोड में असली और नकली किन्नरों के बीच भिड़ंत हो गई। किन्नरों के बीच हुई इस भिड़ंत से मेनरोड में भारी भीड़ लग गई। कुछ देर बाद रक्सौल में बीरगंज से आए दो नकली किन्नर वहां से भाग निकले। किन्नरों ने कहा है कि नकली किन्नरों के कारण ही उनकी बदनामी होती है। नकली किन्नरों से संक्रामक यौन बीमारियों के फैलाने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने कहा कि बीरगंज से आए नकली किन्नर पुरुष हैं और हाव-भाव दिखाकर लोगों को ठग लेते हैं।

किन्नरों ने कहा है कि वे जहां भी रहते हैं वहां के लोग और वहां की भूमि से उनका भावनात्मक लगाव बन जाता है। वे वहां की खुशहाली की कामना करते हैं। असली किन्नर समाज में अश्ली-लता नहीं फैला सकते। उनका कार्य बधाई गीत गाकर एवं अन्य कार्यक्रमों में भाग लेकर लोगों से इनाम लेना है।

असली किन्नरों नें कहा कि नकली किन्नर समाज में अश्ली-लता फैलाते हैं और इनसे संक्रामक यौन बीमारियों के भी फैलने की संभावना बनी रहती है। ये असल में पुरुष होते हैं और महिलाओं के भेश में लोगों को मूर्ख बनाकर ठगने का कार्य करते हैं। इनका काम युवाओं को अपनी ओर आकर्षित कर उनको ठगना होता है।

पटना में तेज रफ्तार कार ने चार युवकों को मारी टक्कर, दो की मौत

चालक को लोगों ने बेरहमी से पीटा

पटना (एजेंसियां)। पटना के पुनपुन-बिहटा-सरमेरा हाईवे पर डुमरी चौराहा के पास शुक्रवार को एक अनियंत्रित कार ने मोटरसाइकिल सवार चार युवकों को टक्कर मार दी। आननफानन में सभी युवकों को इलाज के लिए पटना के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। दो युवकों की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद नाराज लोगों ने कार के चालक को पकड़ कर जमकर उसकी मौके पर पिटाई कर दी।

बताया जा रहा है कि पटना से चलकर एक कार पुनपुन की तरफ जा रही थी। डुमरी चौराहा के नजदीक कार के आगे चल रहे दो मोटरसाइकिल को कार की तेज रफ्तार ने कुचल डाला। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चारों युवक बीच सड़क पर बुरी तरह गिरकर घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास गांव के लोग मौके पर पहुंचे और लोगों ने कार चालक को खदेड़कर पकड़ लिया। घटना से गुस्साए लोगों ने कार चालक की जमकर पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुनपुन थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बूझाकर कार चालक को हिरासत में ले लिया है।

पुनपुन थाना प्रभारी ने बताया कि शुक्रवार को कार और मोटरसाइकिल में जबरदस्त टक्कर हो गई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की अस्पताल ले जाने के क्रम में मौत हो गई। जबकि दो युवक बुरी तरह घायल हो गये। उन्होंने कहा कि सभी लोगों की पहचान की जा रही है। घटना के बाद मौके पर घंटो अफरातफरी का माहौल बना रहा। घटना को लेकर मौके पर काफी देर के लिए आवागमन बाधित रहा। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात शुरू कराई। थाना प्रभारी ने बताया कि मृत युवकों की पहचान की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

डीएम के जनता दरबार में शख्स ने पेट्रोल छिड़ककर खुद को लगाई आग

जमीनी विवाद को लेकर था परेशान

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर समाहरणालय परिसर में आयोजित डीएम के जनतादरबार में एक शक्श ने आत्मदाह का प्रयास किया। शख्स ने खुद पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा ली। जख्मी को आनन फानन में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से उसे गंभीर हालत में डघचउक रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी के बाद पुलिस और जिले के कई आला अधिकारी मौके पर पहुंचे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शख्स हाथ में झोला लेकर पहुंचा था। जख्मी शख्स की पहचान कांटी थाना क्षेत्र के बिंदा लाल राय करीब 48 वर्ष के रूप में हुई है। पीड़ित शख्स बिंदालाल भूमि विवाद को लेकर आया था। बिंदालाल कांटी थाना क्षेत्र का रहने वाला है। गेट के कुछ पहले ही उसने अपने झोले से पेट्रोल निकाला और आग लगा ली। जिसके बाद मौके पर अफरातफरी की स्थिति बन गई। आनन-फानन में वहां मौजूद लोगों ने उसे जिला सदर अस्प-ताल में भर्ती कराया। मामले की जानकारी के बाद मौके पर एएसपी टाउन भानु प्रताप सिंह सहित कई आला अधिकारी और डीएम कार्यालय के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जानकारी ली। इस दौरान में सदर अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इलाज कर रहे हैं।

मौके पर मौजूद अधीक्षक सदर अस्पताल डॉ. बी एस झा ने बताया कि एक मरीज को लाया गया है। उसका शरीर करीब 40 फीसद जल गया है। अभी एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज में भेजा जा रहा है। हालत अभी नाजुक बताई जा रही है।

सूचना के बाद मौके पर पहुंचे एएसपी टाउन भानु प्रताप सिंह ने बताया कि समाहरणालय परिसर में एक व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली है। मामले की जांच की जा रही है।

ससुर का गला घोंटकर थाने पहुंची बहू

गलत नजर रखता था इसलिए मार दिया, जांच में जुटी पुलिस

समस्तीपुर (एजेंसियां)। समस्तीपुर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र के विंदगामा जलालपुर गांव में एक बहू ने अपने ही बुजुर्ग ससुर की हत्या कर दी। बहू ने खटिया पर ससुर के हाथ-पांव बांधकर गला घोट दिया। कुछ देर बाद थाने पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना पर मोहनपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। वहीं, फोरेंसिक विभाग की टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार मृतक बुजुर्ग अपनी बहू प्रिया देवी और उसके दो बच्चों के साथ गांव में रहता था। उसका पुत्र सूरज पुणे में रहता था। हाल ही में वो घर आया हुआ था। बीती रात किसी बात को लेकर घर पर विवाद हुआ। इसके बाद बहू ने चारपाई पर से रहे बुजुर्ग ससुर के कपड़े से हाथ पांव बांध दिए। इसके बाद गला घोटकर उनकी हत्या कर दी और फरार हो गई। सुबह लोगों ने शव को देखा तो हल्ला होने लगा। गांव के लोगों ने मामले की जानकारी मोहनपुर पुलिस को दी। इस दौरान आरोपी बहू मोहनपुर थाने पहुंच गई। उसने पुलिस को ससुर की हत्या की जानकारी दी। मामले में पति का कहना है कि उसकी पत्नी बताती थी कि उसके पिता का चाल चलन ठीक नहीं था। वो अपनी बहू पर गलत नजर रखते थे। उसने अपने पिता पर गलत हरकत करने का भी आरोप लगाया। सूरज का कहना है कि इसी से तंग आकर उसकी पत्नी ने ये कदम उठाया है।

घटना की सूचना पर मोहनपुर थाना अध्यक्ष अजीत कुमार त्रिवेदी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में ले लिया। साथ ही मामले की जांच के लिए फोरेंसिक विभाग की टीम को भी बुलाया है। घटना की सूचना पर दलबल के साथ वो मौके पर पहुंचे। बुजुर्ग के हाथ-पांव बांधकर गला घोंटकर हत्या की गई है। आरोप उसकी बहू पर लगाया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। उधर, घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं भी हो रही हैं।

पटोरी के डीएसपी बीके मेधावी ने बताया कि सुबह हत्या की आरोपी महिला ने थाने पहुंचकर ससुर की हत्या की जानकारी दी है। उसने कहा कि उसने अपने ससुर की गला घोटकर हत्या कर दी है। हालांकि हत्या किन कारणों से की गई है ये अभी जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फोरेंसिक विभाग की टीम को भी बुलाया गया है, ताकि सही जानकारी सामने आ सके पूरे मामले की जांच की जा रही है।

प्रेमी युगल ने जहर खाकर घर वालों को किया फोन, युवक की रास्ते में तो युवती की इलाज के दौरान मौत

पटना (एजेंसियां)। पटना जिले के फतुहा में गुरुवार की रात प्रेमी युगल ने जहरीला पदार्थ खा कर जान दे दी। प्रेमी युगल ने फतुहा और बुद्धदेवचक हॉल्ट के बीच रेलवे ट्रैक के किनारे जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ देर बाद दोनों अचेत होकर जमीन पर गिर पड़े।

जानकारी के मुताबिक प्रेमी युगल ने जहर खाने के बाद इस बात की जानकारी फोनकर अपने स्वजनों और अपने मित्र को दी। जानकारी होते ही दोस्त ने डायल 112 की टीम को सूचना दी। डायल 112 की टीम की खोजबीन के दौरान ही घटना की सूचना फतुहा जीआरपी को दी गई।

दोनों टीम ने मिलकर प्रेमी युगल को ढूंढ लिया। दोनों को फतुहा सीएचसी लाया गया। वहां डॉक्टरों ने स्थिति को देखते हुए दोनों को बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच के लिए रेफर कर दिया। रास्ते में ही युवक ने दम तोड़ दिया। वहीं युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई।

परिवार वालों के मुताबिक दोनों प्रेमी युगल नालंदा जिले के थरथरी थाना क्षेत्र के खरजमा गांव निवासी नीरज कुमार और ब्यूटी कुमारी के रूप में हुई है। दोनों एक ही जगह के रहने वाले हैं। दोनों गांव से एक साथ फतुहा स्टेशन पहुंचे थे। रेलवे ट्रैक के किनारे सुनसान जगह पर दोनों ने जहर खा लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com